राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना, एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 रोहित जायसवाल को मुंबई में ही बनें रहने की...

सीएम ने विधायकों-मंत्रियों को डीएम, एसडीएम को ... 04

वर्ष : 16 ■ अंक : 95 ■ नई दिल्ली, शुक्रवार, 08 अगस्त, 2025 ■ विक्रम संवत् 2082 ■ पेज : 12 ■ मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

ट्रंप की टैरिफ धमकियों के बीच रूस पहुंचे डोभाल, रक्षा सहयोग बढ़ाने पर होगी बात

भारत खरीद सकता है अतिरिक्त एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल बुधवार को रूस की यात्रा पर गए हैं। इस यात्रा में भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाने पर बात होगी। इसमें एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली की अतिरिक्त खरीद और एसयू-57 लड़ाकू विमानों पर बातचीत शामिल है। ऊर्जा आपूर्ति भी एजेंडे में है। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीवन विटकोफ भी मास्को में गए हुए हैं। ट्रंप ने भारत की ओर से रूसी तेल खरीदने पर जो टैरिफ बम फोड़ा है, उसे देखते हुए डोभाल का ये दौरा अहम माना जा रहा है। डोभाल की रूस यात्रा में रक्षा उद्योग के संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान दिया जाएगा। भारत अतिरिक्त एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीद सकता है। साथ ही, एस-400 के रखरखाव की सुविधा भारत में करने पर भी बात हो सकती है।

रूस के एसयू-57 लड़ाकू विमानों को खरीदने के विकल्पों पर भी विचार हो सकता है। एस-400 प्रणाली ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की सेना को रोकने में अहम भूमिका

निभाई थी।अजित डोभाल की यात्रा से पहले रूस में भारतीय राजदूत विनय कुमार ने रूस के उप रक्षा मंत्री कर्नल-जनरल अलेक्जेंडर फोमिन से मुलाकात की। डोभाल, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी मिल सकते हैं। संयोग से, उसी समय ट्रंप के विशेष दूत स्टीवन विटकोफ भी मास्को में हैं। यह इस साल की शुरूआत से विटकोफ की रूस की पांचवीं यात्रा है। मीडिया रिपोर्ट में एक रूसी सूत्र ने बताया कि इस दौरान मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति पर भी चर्चा की जाएगी। इसके अलावा रूसी तेल की आपूर्ति जैसे जरूरी मुद्दों पर भी बात होगी। ट्रंप ने भारत की ओर से रूसी तेल खरीदने और यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देने के लिए टैरिफ लगाने की धमकी दी है। डोभाल की यह यात्रा भारत और रूस के बीच मजबूत होते संबंधों को दिखाती है। दोनों देश रक्षा और ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ा रहे हैं, इससे दोनों देशों को फायदा होगा। भारत को आधुनिक हथियार मिलेंगे और रूस को तेल का बाजार मिलेगा।

मौसम

अधिकतम तापमान 34.0°C

न्यूनतम तापमान 24.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	50%
नहीं	40%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,03,475
चांदी	1,25,000
सेंसेक्स	80,623
निफ्टी	24,596

संक्षिप्त खबरें

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए कार्यक्रम अधिसूचित

नई दिल्ली। जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफे के बाद देश में इस बात को लेकर हलचल तेज हो गई कि आखिर अब भारत का अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा? इसके लिए अगले महीने के नौ सितंबर को चुनाव होना है। इसी सिलसिले में चुनाव आयोग ने गुरुवार को इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। इसमें बताया गया कि उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। चुनाव आयोग के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 21 अगस्त है। 22 अगस्त को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी और 25 अगस्त नाम वापस लेने की आखिरी तारीख होगी। बता दें कि यह चुनाव पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद हो रहा है, जिन्होंने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए पद छोड़ दिया था। उनका कार्यकाल अगस्त 2027 तक था। भारतीय संविधान के मुताबिक अगर उपराष्ट्रपति का चुनाव कार्यकाल के बीच में होता है तो नव निर्वाचित व्यक्ति का पूरा 5 साल का कार्यकाल मिलता है।

समझिए उपराष्ट्पति पद के लिए क्या है योग्यता?: बात अगर इस पद के लिए तय की गई योग्यता की करें तो उपराष्ट्रपति बनने के लिए उम्मीदवार का भारत का नागरिक होना, कम से कम 35 साल की उम्र होना और राज्यसभा सदस्य बनने की योग्यता होना जरूरी है। इसके अलावा, उम्मीदवार किसी सरकारी पद पर नहीं होना चाहिए।

किसानों का हित भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता : प्रधानमंत्री मोदी

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि किसानों, मछुआरों और पशुपालकों का हित भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इन वर्गों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए वे व्यक्तिगत रूप से कोई भी कीमत चुकाने को तैयार हैं। उन्होंने यह भी दोहराया कि भारत अपने अन्नदाताओं के साथ कभी कोई समझौता नहीं करेगा। प्रधानमंत्री मोदी आज नई दिल्ली स्थित आईसीएआर पूसा में आयोजित एम.एस. स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारत में कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर और टिकाऊ बनाने की दिशा में प्रोफेसर स्वामीनाथन के योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ. स्वामीनाथन ने यह दिखाया कि विज्ञान केवल खोज नहीं बल्कि वितरण का भी माध्यम होना चाहिए। उन्होंने अपने शोध के माध्यम से किसानों को खेती के आधुनिक तरीकों के लिए प्रेरित किया। उनके विचार आज भी हमारी नीतियों और कृषि विज्ञान में परिलक्षित होते हैं। मोदी ने कहा कि हरित क्रांति के जनक माने जाने वाले डॉ. स्वामीनाथन का योगदान केवल कृषि उत्पादन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने बायोडायवर्सिटी और बायो-हैप्पीनेस जैसे विचारों के माध्यम से स्थानीय समुदायों को भी सशक्त बनाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ. स्वामीनाथन मानते थे कि बायोडायवर्सिटी के जरिए स्थानीय लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि डॉ. स्वामीनाथन की स्मृति में ह्लएमएस स्वामीनाथन अवॉर्ड फॉर फूड एंड पीसह्व की शुरूआत की गई है, जो विकासशील देशों के उन वैज्ञानिकों को दिया जाएगा जिन्होंने खाद्य सुरक्षा की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इस पुरस्कार के पहले विजेता नाइजीरिया के प्रोफेसर बने हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज चावल, गेहूं, कपास, सब्जियां और मछली उत्पादन में दुनिया में शीर्ष स्थानों पर है। उन्होंने कहा, 'सोयाबीन, मूंगफली और सरसों जैसी फसलों का उत्पादन भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है। यह हमारे किसानों की मेहनत और सरकार की किसान-केंद्रित नीतियों का परिणाम है।'

सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि पीएम-किसान सम्मान निधि, पीएम-संपदा योजना, और हाल ही में शुरू की गई पीएम धन-धान्य योजना जैसे कार्यक्रम किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और खेती को लाभकारी बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने वैज्ञानिकों से आग्रह किया कि वे फूड सिक्योरिटी के साथ-साथ न्यूट्रीशनल सिक्योरिटी पर भी ध्यान दें और प्राकृतिक खेती, क्रॉप डाइवर्सिफिकेशन तथा क्लाइमेट रेजिलिएंट वैरायटीज पर अनुसंधान को बढ़ावा दें। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकों को कृषि से जोड़ने का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि हमारे पास पारंपरिक कृषि ज्ञान की विरासत है जिसे आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़कर एक समग्र कृषि प्रणाली बनाई जा सकती है। प्रधानमंत्री ने युवा वैज्ञानिकों और उद्यमियों से आग्रह किया कि वे किसानों के लिए नवाचार करें और भारत को 'ग्रीन प्रोडक्शन' में अग्रणी बनाएं। प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने को सरकार के लिए गौरव का विषय बताया और कहा कि उनके विचार आने वाले दशकों तक भारत की नीतियों को मार्गदर्शन देते रहेंगे।

एग्रीकल्चर और डेयरी सेक्टर पर मतभेद, 5 पॉइंट

- अमेरिका चाहता है कि उसकी डेयरी प्रोडक्ट्स (जैसे दूध, पनीर, घी आदि) को भारत में आयात की अनुमति मिले। अमेरिकी कंपनियां दावा करती हैं कि उनका दूध स्वच्छ और गुणवत्ता वाला है और भारतीय बाजार में सस्ता भी पड़ सकता है।
- भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है और इस सेक्टर में करोड़ों छोटे किसान लगे हुए हैं। भारत सरकार को डर है कि अगर अमेरिकी डेयरी उत्पाद भारत में आएंगे, तो वे स्थानीय किसानों को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- भारत में ज्यादातर लोग शुद्ध शाकाहारी दूध उत्पाद चाहते हैं, जबकि अमेरिका में कुछ डेयरी उत्पादों में जानवरों की हड्डियों से बने एंजाइम (जैसे रैनेट) का इस्तेमाल होता है। भारत की शर्त है कि ये शाकाहारी हो।
- इसके साथ ही अमेरिका चाहता है कि गेहूं, चावल, सोयाबीन, मक्का और फलों जैसे सेब, अंगूर आदि को भारत के बाजार में कम टैक्स पर बेचा जा सके। वह चाहता है कि भारत अपनी इम्पोर्ट ड्यूटी को कम करे।
- इसके अलावा, अमेरिका जैव-प्रौद्योगिकी (जीएमओ) फसलों को भी भारत में बेचने की कोशिश करता रहा है, लेकिन भारत की सरकार और किसान संगठन इसका कड़ा विरोध करते हैं।

राहुल ने आंकड़ों का हवाला देकर 'वोट चोरी' का किया दावा, आयोग से भाजपा की मिलीभगत का आरोप लगाया

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर धांधली करके भारतीय जनता पार्टी को फायदा पहुंचाया गया। उन्होंने 'वोट चोरी' शीर्षक से संवाददाताओं के समक्ष कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के मतदाता सूची के आंकड़ों की प्रस्तुति दी और धांधली का दावा किया। राहुल गांधी ने "चुनाव धांधली" के सबूत एकत्र करने में कुल छह महीने का समय लगा है। उन्होंने दावा किया कि निर्वाचन आयोग मतदाता सूचियों को 'मशीन के पढ़ने योग्य' (मशीन रीडेबल) डेटा उपलब्ध नहीं करा रहा है ताकि ये सब पकड़ा नहीं जा सके। राहुल गांधी ने कहा कि उनकी टीम ने बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के डेटा का विश्लेषण किया और फिर गड़बड़ी का पता किया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के सभी सात विधानसभा क्षेत्रों में छह में पिछड़ गई, लेकिन महादेवपुरा में उसे एकतरफा वोट मिला। राहुल गांधी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1,00,250 मतों की चोरी की गई। उन्होंने कहा, "एक पते पर 50-50 मतदाता थे। कई जगहों पर नाम एक थे, फोटो अलग अलग थे।" कांग्रेस नेता ने कहा, "हमारे संविधान में जो बातें निहित हैं वो इस तथ्य पर आधारित हैं कि एक व्यक्ति को एक वोट का अधिकार होगा। सवाल यह है कि अब यह विचार कितना सुरक्षित है कि एक व्यक्ति को एक वोट अधिकार मिलेगा?" राहुल गांधी ने कहा, "पिछले कुछ समय से जनता में एक संदेह था। सत्ता विरोधी माहौल दल के खिलाफ होता है, लेकिन भाजपा

इकलौती ऐसी पार्टी जिसके खिलाफ यह माहौल नहीं होता।" उन्होंने महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि सर्वेक्षण कुछ कह रहे थे, लेकिन नतीजे कुछ और हो गए। कांग्रेस नेता ने कहा, "जब ईवीएम नहीं था तो पूरा देश एक दिन वोट करता था, लेकिन आज के जमाने में कई चरणों में मतदान होता है। ऐसे में लंबे समय से संदेह की स्थिति थी।" राहुल गांधी ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में पांच महीनों के भीतर इतने मतदाताओं के नाम जोड़ दिए गए, जो पहले पांच साल की अवधि में नहीं जोड़े गए थे। उन्होंने कहा, "महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव के दौरान एक करोड़ मतदाता बढ़ गए। हम निर्वाचन आयोग के पास गए। हमने पूरी निश्चितता के साथ यह कहा कि महाराष्ट्र में चुनाव की चोरी की गई।" उनके अनुसार, निर्वाचन आयोग ने 'मशीन से पढ़ने योग्य' (मशीन रीडबल) मतदाता सूची देने से इनकार कर दिया। राहुल गांधी ने कहा, "पहले हमारे पास इसका सबूत नहीं था कि भाजपा के साथ मिलकर धांधली की जा रही है। इसके बाद हमने इसका पता लगाने का फैसला किया।" राहुल गांधी ने बीते एक अगस्त को दावा किया था कि निर्वाचन आयोग 'वोट चोरी' में शामिल है और इस बारे में उनके पास ऐसा पुख्ता सबूत है जो 'एटम बम' की तरह है जिसके फटने पर आयोग को कहीं छिपने की जगह नहीं मिलेगी। निर्वाचन आयोग ने उनके आरोपों को आधारहीन और निंदनीय करार दिया था तथा कहा था कि अब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आयोग और उसके कर्मचारियों को धमकाना भी शुरू कर दिया है।

राहुल गांधी ने उठाया वोटर लिस्ट में गड़बड़ी का मुद्दा कहा- महाराष्ट्र में 40 लाख संदिग्ध वोटर

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने महाराष्ट्र के चुनाव का डेटा दिखाकर आरोप लगाया कि राज्य विधानसभा चुनाव में धांधली हुई है और 40 लाख वोट रहस्यमयी तरीके से जोड़े गए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अनियमितताओं का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'महाराष्ट्र में 5 महीनों में लाखों मतदाताओं के नाम सूची में जोड़े गए, जो काफी चिंताजनक है। नए मतदाताओं के जुड़ने से हमारा संदेह बढ़ा और फिर शाम 5 बजे के बाद मतदान में भारी बढ़ोतरी देखी गई। लोकसभा चुनाव में हमारे गठबंधन की शानदार जीत हुई, लेकिन विधानसभा चुनाव में हमारे गठबंधन को पूरी तरह हार का सामना करना पड़ा, जो बहुत संदिग्ध है।' उन्होंने कहा, 'हमारे विश्लेषण में पता चला कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच एक करोड़ नए मतदाता जुड़ गए। हमने इस मुद्दे को चुनाव आयोग के सामने उठाया और एक लेख लिखा, जिसमें हमारा मुख्य तर्क था कि महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया।'

कैश कांड: सुप्रीम कोर्ट ने नहीं सुनी जस्टिस वर्मा की कोई दलील, याचिका खारिज

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कैश कांड को लेकर जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका खारिज कर दी। कैश कांड में जस्टिस वर्मा सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। जस्टिस वर्मा ने कैश कांड में जांच प्रक्रिया को रोकने के लिए याचिका दाखिल की थी। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा की कोई दलील नहीं सुनी और उनकी अर्जी खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने आंतरिक तीन न्यायाधीशों की जांच समिति की रिपोर्ट और पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने की सिफारिश को चुनौती दी थी। बता दें जस्टिस यशवंत वर्मा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 31 जुलाई को कहा था कि आपका आचरण बहुत कुछ कहता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आचरण आत्मविश्वास को प्रेरित नहीं करता। उन पर आरोप है कि उनके घर पर कैश मिला था।

मोदी सरकार को समझ नहीं आ रहा कि शुल्क मामले से कैसे निपटे: खरगे

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर कुल 50 प्रतिशत का शुल्क लगाए जाने की घोषणा के बाद बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार की विदेश नीति पूरी तरह लड़खड़ा गई है और उसे समझ नहीं आ रहा कि इस स्थिति से कैसे निपटें। खरगे ने दावा किया कि ट्रंप बार बार धमका

रहे हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुप हैं। खरगे ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, "भारत का राष्ट्रीय हित सर्वोपरि है। कोई भी देश जो गुटनिरपेक्षता की विचारधारा में अंतर्निहित हमारी समय की कसौटी पर कसी गई सामरिक स्वायत्तता की नीति के लिए भारत को मनमाने ढंग से दंडित करता है, वह भारत के मजबूत ढांचे को नहीं समझता।" उन्होंने इस बात का उल्लेख किया, "सातवें बेड़े की धमकियों से लेकर परमाणु परीक्षणों के प्रतिबंधों तक, हमने अमेरिका के साथ अपने संबंधों को आत्मसम्मान और गरिमा के साथ निभाया है।"

ईडी ने जीएसटी धोखाधड़ी मामले में कई राज्यों में छापे मारे

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने 750 करोड़ रुपये के "फर्जी" वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) चालान बनाने के मामले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में फिर छापे मारे। सूत्रों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत तीनों राज्यों में कम से कम एक 12 परिसरों पर छापेमारी की गई। यह मामला झारखंड में मुखौटा कंपनियों और अवैध वित्तीय लेनदेन के माध्यम से 750 करोड़ रुपये के "फर्जी" इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) बनाने से जुड़ा है। सूत्रों के अनुसार, इस मामले की जांच की शुरूआत इसके "मुख्य साजिशकर्ता" शिव कुमार देवड़ा की गिरफ्तारी से हुई। उसे मई 2025 में गिरफ्तार किया गया था और पिछले महीने उसके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया। वर्तमान में की जा रही तलाशी "विश्वसनीय साक्ष्यों" के आधार पर की जा रही है, जो कई व्यक्तियों और कंपनियों की "अपराध से अर्जित आय" के धनशोधन में संलिप्तता को दर्शाती है।

हिमाचल के शिमला में बादल फटा, उत्तर प्रदेश में नदियां उफान पर

- दो दिन में 16 की मौत, 360 मकान ढहे, 12 राज्य ऑरेंज अलर्ट पर

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में भारी बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में बुधवार रात 10:15 बजे बादल फटने की घटना ने तबाही ला दी है। नोगली नाले में अचानक आई बाढ़ से आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी मच गई। उधर, मंडी के दवाड़ा क्षेत्र में चंडीगढ़-मनाली फोरलेन के फ्लाईओवर पर भूस्खलन के चलते दरारें आ गई हैं। राज्य में अब तक 533 सड़कें बंद हो चुकी हैं, जिनमें मंडी-मनाली और चंडीगढ़-शिमला जैसी मुख्य सड़कें भी शामिल हैं। भारी बारिश और नदियों के उफान के कारण उत्तर प्रदेश में हालात चिंताजनक बने हुए हैं। लगातार बारिश होने से यूपी की नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। प्रयागराज, वाराणसी समेत 24 जिलों के 1,245 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। अब तक 360 मकानों के ढहने और 16 लोगों की मौत होने की पुष्टि हो चुकी है। फरुर्खाबाद के पंखियन गांव में गंगा नदी ने एक मकान को महज 10 सेकंड में निगल लिया। लखीमपुर खीरी में शारदा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। काशी के घाट गंगा में समाहित हो गए हैं और लगातार बाढ़ का खतरा बना हुआ है। अयोध्या में सरयू नदी डेंजर लेवल से 2 सेमी ऊपर बह रही है, जिससे 48 गांवों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। बाढ़ और खतरे के वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहे हैं। बिहार में भी गंगा का जलस्तर खतरे के करीब

बिहार में गंगा और सोन नदियों में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। पटना सिटी के भद्रघाट और महावीर घाट की सर्विस लेन तक गंगा का पानी 2 फीट तक पहुंच चुका है। राज्य के कई गांव जलमग्न हो चुके हैं। बारिश का अलर्टः मौसम विभाग ने गुरुवार को बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल समेत 12 राज्यों में ऑरेंज अलर्ट और उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश सहित 11 राज्यों में यलो अलर्ट जारी किया है। बहरहाल किसी भी राज्य में रेड अलर्ट घोषित नहीं किया गया है। प्रशासन ने लोगों से निचले इलाकों से दूर रहने और सतर्क रहने की अपील की है। राहत एवं बचाव दल तैनात हैं और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

आरोप विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक ने आरोप लगाया है कि पुनरीक्षण प्रक्रिया से बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जा सकते हैं।

एसआईआर मसौदे पर राजनीतिक दल द्वारा एक भी दावा या आपत्ति प्रस्तुत नहीं

- मतदाताओं से सीधे 5,015 दावे और आपत्तियाँ मिली
- भारत निर्वाचन आयोग ने दिया बयान

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने कहा कि बिहार मतदाता सूची के मसौदे के संबंध में किसी भी राजनीतिक दल द्वारा एक भी दावा या आपत्ति प्रस्तुत नहीं की गई है। चुनाव आयोग ने दो टूक कहा कि बिहार की अंतिम मतदाता सूची में किसी भी पात्र मतदाता को न छोड़ा जाएगा और न ही किसी अपात्र मतदाता को शामिल किया जाएगा। चुनाव आयोग ने 1 अगस्त को

प्रकाशित बिहार की मतदाता सूची के मसौदे में किसी भी त्रुटि को सुधारने के लिए दावे और आपत्तियाँ प्रस्तुत करने की अपील की है। हालांकि, बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चुनाव आयोग ने कहा कि उन्हें आज तक मसौदा सूची के संबंध में मतदाताओं से सीधे 5,015 दावे और आपत्तियाँ मिली हैं। 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के नए मतदाताओं से मिले फॉर्म 27,517 हैं। नियमों के अनुसार, दावों और आपत्तियों का निपटारा संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/ सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ/ एईआरओ) द्वारा 7 दिनों की समाप्ति के बाद किया जाना है।

एसआईआर के आदेश के अनुसार, 1 अगस्त को प्रकाशित मसौदा सूची से किसी भी नाम को ईआरओ/एईआरओ द्वारा जांच करने और निष्पक्ष और उचित मौका दिए जाने के बाद स्पष्ट आदेश पारित किए बिना नहीं हटाया जा सकता है। बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) ने राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया है। विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक ने आरोप लगाया है कि पुनरीक्षण प्रक्रिया से बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जा सकते हैं। वे इस साल के मानसून सत्र की शुरूआत से ही बिहार एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर संसद में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

इस बीच, सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) की नई अर्जी पर 9 अगस्त तक जवाब दाखिल करने को कहा, जिसमें एसआईआर अभियान के बाद बिहार की मसौदा मतदाता सूची में शामिल नहीं किए गए 65 लाख मतदाताओं के आंकड़ों का खुलासा करने की मांग की गई है।

संक्षिप्त समाचार

आपदा मित्र को गोली मारने वाले अज्ञात बदमाशों पर मुकदमा दर्ज

हरिद्वार/पथरी, एजेंसी। पथरी थाना क्षेत्र में ड्यूटी जाते समय आपदा मित्र को गोली मारने के मामले में पुलिस ने अज्ञात में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के हाथ कुछ सुराग हाथ लगे हैं। माना जा रहा है कि जल्द खुलासा किया जा सकता है। वहीं, घायल का जौलीग्रांट में उपचार चल रहा है। पुलिस ने सोमवार रात अस्पताल पहुंचकर घायल के बयान दर्ज किए। पुलिस के अनुसार, लक्ष्मी पत्नी शिवम कुमार निवासी सजनपुर पीली श्यामपुर थाना श्यामपुर ने पुलिस को बताया कि दो अगस्त की रात करीब 10-15 बजे उसके पति शिवम कुमार गायत्री विहार जगजीतपुर से बाइक पर ड्यूटी के लिए निकले थे। करीब आधे घंटे बाद 10-45 बजे उन्हें फोन पर सूचना मिली कि शिवम पर हमला हुआ है और घायल हालत में एसआर मेडिसिटी अस्पताल में भर्ती हैं। जब वह अस्पताल पहुंची तो शिवम कुमार ने जानकारी दी कि जब वह कटारपुर से बिशनपुर कुण्डी की ओर जा रहे थे, तभी रास्ते में बिशनपुर पथरी के पास तीन-चार लोगों ने उन्हें घेर लिया। आरोप है कि पहले एक भारी वस्तु से उनके सीने पर वार किया गया, फिर एक हमलावर ने उनकी कमर के बांयी ओर गोली मार दी। थानाध्यक्ष मनोज नौटियाल ने बताया कि अज्ञात हमलावरों के खिलाफ जानलेवा हमले की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। हमलावरों की तलाश की जा रही है।

ट्रैक्टर-ट्राली की टक्कर से बाइक सवार की मौत, दो की हालत गंभीर

हरिद्वार, एजेंसी। सिडकुल थाना क्षेत्र के ग्राम डालूवाला में मंगलवार दोपहर ट्रैक्टर-ट्राली की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को अस्पताल में भिजवाया, जहां से उनकी हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। पुलिस के अनुसार, घटना मंगलवार की दोपहर करीब तीन बजे की है। शहवाज (22) पुत्र कलीम निवासी ग्राम बुग्गावाला थाना बुग्गावाला अपने साथी अमन (23) पुत्र नाथीराम और मुर्तजा (22) पुत्र फुरकान निवासीगण ग्राम बुग्गावाला के साथ मोटरसाइकिल पर घर लौट रहा था। डालूवाला के पास एक ट्रैक्टर-ट्राली की टक्कर लग गई। शहवाज की मौके पर ही मौत हो गई। दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मनोहर सिंह भंडारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। इंस्पेक्टर मनोहर सिंह भंडारी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी में भिजवा दिया गया है। वहीं, घायल अमन और मुर्तजा हायर सेंटर रेफर किया गया है। तहरीर आने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। फिलहाल दुर्घटना की जांच की जा रही है।

टोल प्लाजा पर कहासुनी के बाद कर्मियों और युवकों में मारपीट

बहादराबाद, एजेंसी। टोल प्लाजा पर शुल्क मांगने पर ज्वालापुर के युवकों और टोल कर्मियों में मारपीट हो गई। आरोप है कि टोल कर्मियों ने युवकों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, जिनमें कुछ को चोटें भी आई हैं। युवकों ने कर्मचारियों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी जबकि दूसरे पक्ष ने भी शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना सोमवार की देर रात की है। जब ज्वालापुर के चौहानान व कस्साबान निवासी युवक रुड़की की तरफ से कार में आ रहे थे। बहादराबाद टोल पर प्लाजा पर पहुंचने पर उन्होंने खुद को लोकल बताया। आरोप है कि गाड़ी पर नंबर प्लेट न होने पर कर्मचारियों ने टोल शुल्क देने के लिए कहा। जिस पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। गाली-गलौज होने पर कर्मचारी एकत्र हो गए और युवकों को दौड़ा लिया। आरोप है कि कर्मचारियों ने युवकों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, जिसमें दो युवक घायल हो गए। मंगलवार को युवकों ने बहादराबाद थाने पहुंचकर तहरीर दी।

सड़क पर पेड़ गिरने से यातायात बाधित

रूड़की, एजेंसी। बारिश के कारण सड़क किनारे पेड़ों के उखड़ जाने से हादसे का खतरा बना हुआ है। दो दिन पहले लक्सर-बालावाली मार्ग पर खडंजा कुतुबपुर गांव के पास एक पेड़ उखड़कर सड़क पर गिर गया था। मंगलवार को रायसी से महाराजपुर जाने वाले मार्ग पर एक पेड़ बारिश के दौरान उखड़कर सड़क पर गिर गया। इससे मार्ग अवरुद्ध हो गया। सूचना पर रायसी चौकी प्रभारी नीरज रावत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पेड़ को सड़क से हटवाया। इसके बाद मार्ग पर यातायात सुचारु हुआ।

खतरे की जद में उत्तराखंड के 3000 गांव, दस साल में बादल फटने और अतिवृष्टि की 57 घटनाएं

रुड़की, एजेंसी। उत्तराखंड के 3000 गांव खतरे की जद में है। हिमालयी क्षेत्र में दस वर्ष में बादल फटने और अतिवृष्टि की 57 घटनाएं हुई हैं। इसका कारण क्षेत्र में सतही तापमान और टोपोग्राफी एलीवेशन के चलते रीजनल लॉकिंग सिस्टम बनना है।

हिमालयी क्षेत्र के 1000 से 2000 मीटर के एलिवेशन बैंड (समुद्र तल से ऊंचाई) में बसे करीब 3000 हजार गांव खतरे की जद में हैं। इसी इलाके में पिछले करीब दस वर्षों में बादल फटने और अतिवृष्टि की 57 घटनाएं हुई हैं। इनमें भी सबसे अधिक 38 घटनाएं ज्यादा खतरनाक थीं।

इसका कारण क्षेत्र में सतही तापमान और टोपोग्राफी एलीवेशन के चलते रीजनल लॉकिंग सिस्टम बनना है। राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान की ओर से नेशनल मिशन फॉर सस्टेनिंग द हिमालयन ईको सिस्टम नामक शोध में 11 बिंदुओं पर आपदाओं का विश्लेषण किया गया है।

शोध में यह भी पाया गया कि 18 से 28 डिग्री सतही तापमान वाले क्षेत्रों में पिछले दस वर्षों में बादल फटने की 80 फीसदी घटनाएं हुई हैं। इसका कारण खास परिस्थितियों में बनने वाले रीजनल लॉकिंग सिस्टम को माना गया है। जो 1000 से 2000 मीटर की ऊंचाई के बीच बनता है। जिसमें करीब 3000 गांव बसे हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, मानसून सीजन में जुलाई और अगस्त माह में धरती के 18 से 28 डिग्री सतही तापमान वाले स्थानों पर 80 प्रतिशत बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। जबकि 3 से 17 डिग्री वाले स्थानों पर इन घटनाओं की संख्या 20त्न है। जो यह दर्शाता है कि घाटियों में जहां बारिश कम है और सतही तापमान अधिक है। वहां बादल फटने और अतिवृष्टि के लिए अनुकूल सिस्टम निर्मित होता है। वहीं टोपोग्राफी एलीवेशन की आकृति के चलते भी बादल फटने जैसी घटना के लिए रीजनल लॉकिंग सिस्टम बन जाता है। इसी कारण अपर गंगा बेसिन में पिछले दस वर्षों में छह जिलों हुई 57 घटनाएं हुई हैं। जिसमें बादल फटने की घटनाएं 29 हैं। इनमें भी सबसे अधिक छह घटनाएं चमोली में दर्ज की गई हैं।

अमेरिका के टैरिफ बढ़ाने निर्यातकों की बढ़ी चिंता, देश के कुल निर्यात में 0.48 प्रतिशत राज्य की हिस्सेदारी

देहरादून, एजेंसी। अमेरिका के 25 प्रतिशत टैरिफ बढ़ाने राज्य के फार्मा व एग्रो उत्पाद बनाने वाले उद्योग पर असर पड़ सकता है। देश के कुल निर्यात में उत्तराखंड की 0.48 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

भारतीय उत्पादों पर अमेरिका के 25 प्रतिशत टैरिफ बढ़ाने के एलान से उत्तराखंड के निर्यातक व उद्योगों की चिंता बढ़ गई है। विशेषज्ञों का माना है कि ट्रंप टैरिफ लागू हुआ तो उत्तराखंड से फार्मा व एग्रो उत्पादों के निर्यात पर असर पड़ेगा। राज्य गठन के बाद उत्तराखंड ऑटोमोबाइल व फार्मा हब के रूप में स्थापित हुआ। औद्योगिक विकास के साथ राज्य निर्यात के क्षेत्र में साल दर साल आगे बढ़ा। भौगोलिक कठिनाइयों व लॉजिस्टिक बाधाओं के बावजूद उत्तराखंड ने बीते 13 वर्षों में निर्यात के क्षेत्र में बढ़ोतरी हासिल की है। वर्ष 2013-14 से 2017-18 के मध्य राज्य की सकारात्मक कंपाउंड वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) 6.79 प्रतिशत थी। जो भारत की निर्यात ग्रोथ 0.89 प्रतिशत से अधिक थी। एक्सपोर्ट प्रीपेयर्डनेस इंडेक्स-2020 की रिपोर्ट में उत्तराखंड को हिमालयी राज्यों की श्रेणी में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्य स्थान मिला है। राज्य के हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर, देहरादून के सेलाकुई औद्योगिक क्षेत्र में 280 फार्मा इंडस्ट्री स्थापित हैं। उत्तराखंड का देश के देश के फार्मा विनिर्माण में 20 प्रतिशत योगदान है। सालाना 1500 करोड़ की दवाइयों का उत्पादन किया जा जाता है। इसमें दो से तीन सौ करोड़ की दवाइयों का निर्यात होता है। उत्तराखंड से निर्यात बढ़ रहा है। वर्ष 2011-12 में राज्य से कुल 3530 करोड़ का निर्यात होता था। जो 13 साल में बढ़ कर 15 हजार करोड़ पार गया है। वर्ष 2023-24 में कुल 14928 करोड़ का निर्यात किया गया। 2024-25 में दिसंबर माह तक लगभग 50 करोड़ का निर्यात हो चुका है। प्रदेश सरकार ने भी लॉजिस्टिक व निर्यात नीति लागू कर उत्तराखंड से निर्यात को बढ़ाने की रणनीति बनाई है।

तीलू रौतेली, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पुरस्कार वितरण कार्यक्रम स्थगित, आपदा को देखते हुए लिया निर्णय

देहरादून, एजेंसी। प्रदेश की वीर नारियों को सम्मानित करने के लिए तीलू रौतेली पुरस्कार दिया जाता है। प्रदेश में प्राकृतिक आपदा के चलते हालात सामान्य नहीं हैं। इसलिए कार्यक्रम करना संभव नहीं हो पाएगा। प्रदेश में भारी बारिश और आपदा के चलते प्रदेश सरकार ने अभी राज्य स्तरीय तीलू रोतैली एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पुरस्कार के वितरण का कार्यक्रम स्थगित कर दिया है। प्रदेश सरकार उचित समय पर इन पुरस्कारों के वितरण का कार्यक्रम जारी करेगी। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि प्रदेश की वीर नारियों को सम्मानित करने के लिए तीलू रौतेली पुरस्कार दिया जाता है। प्रदेश में प्राकृतिक आपदा के चलते हालात सामान्य नहीं हैं। पुरस्कार की विजेता को सम्मानित करना भी संभव नहीं हो पाएगा। लिहाजा, तीलू रौतेली और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पुरस्कार का वितरण स्थगित कर दिया गया है। यह कार्यक्रम आठ अगस्त को देहरादून में होना था। मंत्री ने कहा कि मौसम में सुधार होने पर जल्दी ही समारोह की नई तिथि घोषित की जाएगी।

कोसी व शिप्रा नदी के उफान ने बढ़ाई धड़कनें

गरमपानी, एजेंसी। बारिश से कोसी व शिप्रा नदी के उफान में आने से नदी तट के समीप रहने वाले लोगों की धड़कनें बढ़ गई। करीब पांच वर्ष पूर्व नदियो से हुए नुकसान को याद कर लोग दहशत में आ गए। नदी तट के समीप रहने वाले ग्रामीण छतों पर चढ़कर नदी के बहाव की निगरानी में जुटे रहे। श्री कैंची धाम तहसील प्रशासन की टीम ने क्षेत्र में मुनादी कर नदी से दूर रहने की अपील की। बर्धो क्षेत्र में नदी के बीच दर्जन भर गौवंशीय पशुओं के फंसने से हड़कंप मचा रहा।

गरमपानी खैरना क्षेत्र में बहने वाली शिप्रा व कोसी नदी का बहाव एकाएक बढ़ जाने से स्थानीय लोग सख्ते में आ गए। लगातार बारिश से दोनों नदियों का जलस्तर काफि बढ़ गया। शांत रहने वाली दोनों नदियों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। नदी तट के समीप रहने वाले लोगों में दहशत बढ़ गई।

पांच वर्ष पूर्व शिप्रा नदी के उफान ने चार आवासीय भवनों को नेस्तनाबूत कर दिया जबकि दर्जनों भवनों को भारी नुकसान पहुंचाया था। नदी के लगातार बढ़ते बहाव से पुनरावृत्ति की डर से लोग मकानों की छत में चढ़कर बहाव की निगरानी करते रहे।

बारिश के बीच भी लोग छतों में चढ़कर नदी के बहाव की ओर टकटकी लगाए रहे। शिप्रा व कोसी नदी के उफान में आने से प्रशासन की टीम ने गरमपानी खैरना क्षेत्र में मुनादी कर नदियों की ओर न जाने तथा खतरा बढ़ने पर राहत शिविरों में पहुंचने की अपील की। बर्धो क्षेत्र में कोसी नदी के बीचोंबीच दर्जनभर गौवंशीय पशुओं के फंसने से हड़कंप मच गया। तेज बहाव में कोई भी नदी में उतरने का साहस नहीं कर सका। ग्रामीणों के हो हल्ला करने से गौवंशीय पशु सुरक्षित नदी के दूसरे छोर पर पहुंच गए। मवेशियों के सुरक्षित रहने से पशुपालकों ने राहत की सांस ली।

चीन सीमा से पोकलैंड मशीनें एयरलिफ्ट, धराली में रास्ते खोलने की कोशिश

देहरादून, एजेंसी। उत्तरकाशी धराली में आई आपदा में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है, लेकिन मौसम बड़ी चुनौती बना हुआ है। यहां भटवाड़ी में दो जगहों पर चट्टानें गिरने से सड़क पूरी तरह से खत्म हो गई है। जवान पहाड़ काटकर नया रास्ता बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

उत्तरकाशी धराली में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण क्षतिग्रस्त हुए रास्तों को खोलने के लिए भारतीय वायुसेना की मदद से पोकलैंड मशीनों को एयरलिफ्ट किया जा रहा है। सीमा सड़क संगठन के जवान दिन-रात इन रास्तों को साफ करने में जुटे हैं।

भटवाड़ी से 10 किलोमीटर पहले मनेरी में सड़क का एक हिस्सा धंस गया है, जिसे ठीक करने का काम चल रहा है।

यहां दो जगहों पर चट्टानें गिरने से सड़क पूरी तरह से खत्म हो गई है। जवान पहाड़ काटकर नया रास्ता बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

भटवाड़ी से 15 किलोमीटर आगे एक पुल बह गया है। सड़क सीमा संगठन के जवान पैदल चलकर पुल वाली जगह का मुआयना (ह्द्रष्ष्4) करके आ चुके हैं और अब इसे दोबारा शुरू करने की रणनीति बनाई जा रही है।

इससे आगे डबरानी में भी सड़क का एक बड़ा हिस्सा बह गया है। जवानों को आशंका है कि जैसे-जैसे वे आगे बढ़ेंगे, रास्ते में और भी कई क्षतिग्रस्त हिस्से मिल सकते हैं। सड़क सीमा संगठन के जवानों ने कल एक जगह पर पहाड़ काटकर रास्ता साफ कर दिया था, लेकिन देर रात यह फिर से धंस गया।

नौ साल में 18, 464 प्राकृतिक आपदाओं ने दिए जख्म, 67 बार फटे बादल, पौड़ी में सबसे ज्यादा घटना

देहरादून, एजेंसी। आपदा प्रबंधन विभाग के वर्ष 2015 से 2024 तक के आंकड़े बताते हैं कि हर साल हजारों आपदा आ रही हैं। उत्तराखंड के पौड़ी जिले में सबसे ज्यादा प्राकृतिक आपदा आई हैं।

राज्य को नौ वर्षों में बड़ी संख्या में प्राकृतिक आपदाओं ने जख्म दिए हैं। अतिवृष्टि-त्वरित बाढ़ से लेकर बादल फटने जैसी घटनाएं हुई हैं। इसमें जानमाल का भारी नुकसान हुआ है। आपदा प्रबंधन विभाग राज्य में सड़क दुर्घटना, आग, भूस्खलन, भूकंप, बाढ़, कीट आक्रमण, हिमस्खलन, अतिवृष्टि-त्वरित बाढ़, व्रजपात, ओलावृष्टि, आंधी तूफान, डूबना, बहजाना, जंगली पशुओं का हमला, बादल फटना, वनाग्नि, बीमारी फैलना, विद्युत करंट, वनाग्नि की घटनाओं का विवरण तैयार करता है।

इन घटनाओं में मृत्यु, घायल, लापता होने की सूचना एकत्र की जाती है। इसके अलावा मकानों के आंशिक और पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने का रिकार्ड रखा जाता है। आपदा प्रबंधन विभाग के वर्ष 2015 से 2024 तक के आंकड़े बताते हैं कि हर साल हजारों आपदा आ रही हैं।

इसमें सबसे अधिक अतिवृष्टि-त्वरित बाढ़ के हैं, जिसकी 12758 घटनाएं हुई हैं। इसके अलावा भूस्खलन भी चुनौती बना हुआ है। चार हजार से अधिक भूस्खलन की घटनाएं विभिन्न जिलों में हुई। बादल भी 67 बार फट चुके हैं। सबसे अधिक बादल फटने की घटना पौड़ी जिले में हुई हैं।

उत्तराखंड के सभी जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के सभी जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना मौसम विभाग की ओर से अभी कई और दिन बताई गई है।

प्रदेश के सभी जिलों में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विज्ञान विभाग ने कई दौर की भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है। पहाड़ से लेकर मैदान तक पिछले कई दिनों से बारिश जारी है। मंगलवार को उत्तराकाशी में आई आपदा के बाद से सभी जिलों में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। पिछले 24 घंटे में कई जिलों में सामान्य अधिक बारिश दर्ज की गई है। देहरादून के मालदेवता में 222.2 एमएम बारिश हुई है। मौसम विज्ञानी रोहित थपलियाल ने बताया कि आने वाले कई घंटों तक बिजली गरजने के साथ भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

सीएम धामी के आगे फूट-फूट कर रोयीं महिलाएं, धराली आपदा में लापता अपनों की तलाश में भटक रहे लोग

उत्तरकाशी, एजेंसी। धराली में आई आपदा का आज तीसरा दिन है. युद्धस्तर पर रेस्क्यू अभियान जारी है, लेकिन धराली और हर्षिल गए लोगों से किसी प्रकार का संपर्क न होने के कारण परिजन दर-दर भटक रहे हैं. उनकी आंखें अपनों को तलाश रही है. आज परिजन सीएम धामी से मुलाकात कर अपनों की सकुशल तलाश की गुहार लगाते नजर आए. लापता परिजनों की खोज की आस में वो अपने आंसू नहीं रोक पाए.

धराली और छोलमी गांव के ग्रामीण अपने लोगों की सूचना की आस में आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम और जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे हैं. जहां आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी में आपदा ग्रस्त धराली से रेस्क्यू कर लाए गए लोगों से मुलाकात की. साथ ही उनकी कुशलक्षेम जाना. जिला अस्पताल पहुंचे सीएम पुष्कर सिंह धामी से भी धराली के ग्रामीणों ने गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान की अगुवाई में मुलाकात कर जल्द ही उनके परिजनों की खोज की मांग की.

सीएम धामी के आगे फूट-फूट कर रो पड़ीं महिलाएं- इस दौरान महिलाएं अपने आंसू नहीं रोक पाई और वो फूट-फूट कर रो पड़ीं. ग्रामीणों ने कहा कि इस हादसे में एक परिवार भी लापता है. उन्होंने सीएम धामी अपनों की सकुशल वापसी की गुहार लगाई. इस पर सीएम धामी ने उन्हें ढांढस बंधाकर जल्द ही परिजनों की जानकारी का आश्वासन दिया.

अपनों से नहीं हो पा रहा संपर्क- वहीं, धराली और छोलमी गांव के मनोज नेगी, दिनेश रावत, सतेंद्र नेगी, संजय पंवार ने बताया कि उनके गांव में आपदा को आए तीन दिन का समय हो गया है, लेकिन वहां पर किसी भी परिजन और परिवार के लोगों से संपर्क नहीं हो पा रहा है. वहां पर नेटवर्क सुविधा बहाल न होने के कारण असमंजस की स्थिति में है कि आखिर उनके परिजन कहां है?

ग्राउंड जीरो पर सीएम धामी, पौड़ी के आपदा ग्रस्त क्षेत्रों किया दौरा

पौड़ी गढ़वाल, एजेंसी। धराली में आपदा ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा करने के बाद गुरुवार सात अगस्त को सीएम पुष्कर सिंह धामी पौड़ी गढ़वाल के थलीसैंण और पाबौ ब्लॉक में भी पहुंचे. यहां भी सीएम धामी ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और ग्राउंड जीरो पर हालात का जायजा लिया.

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने न सिर्फ पीड़ित परिवार को तत्काल मदद देने का आश्वासन दिया है, बल्कि अधिकारियों और कर्मचारियों को भी रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए निर्देशित किया है. बता दें कि कल 6 अगस्त को पौड़ी गढ़वाल जिले के थलीसैंण और पाबौ ब्लॉक के कई गांवों में बारिश ने जमकर कहर बरपाया था.

पांच मजदूर लापता- दोनों इलाकों में जहां बारिश के कारण दो महिलाओं की मौत हुई थी तो वहीं नेपाली मूल के पांच मजदूर लापता हो गए थे, जिनकी तलाश में सर्च ऑपरेशन जारी है. सबसे ज्यादा नुकसान पाबौ के क्यार्द, कलुण, सेंजी और बुरांसी गांवों में हुआ तो वहीं थलीसैंण ब्लॉक के बांकुड़ा गांव में भी कुदरत के कहर के निशान देखे जा सकते है. कल से ही पुलिस-प्रशासन, एसडीआरएफ और आपदा प्रबंधन विभाग की टीम राहत और बचाव के कार्यों में जुटे हुए है. बताया जा रहा है कि भारी बारिश के कारण पहाड़ी इलाकों से पानी के सैलाब के साथ मलबा भी आया था, जिसने न सिर्फ खेतों और रास्तों को बर्बाद किया, बल्कि कई घरों को भी नुकसान पहुंचाया है. बांकुड़ा गांव में सबसे ज्यादा चिंताजनक हालात- सबसे ज्यादा चिंताजनक हालात थलीसैंण ब्लॉक के बांकुड़ा गांव के है. यहां कई घरों में मलबा घुसा है. सड़कें ध्वस्त हो गई हैं. इस इलाके में ही पांच नेपाली मजदूर भी बह गए थे, जिनका अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया प्रशासन ने बताया कि पीड़ित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया है, जहां उन्हें अस्थायी राहत शिविरों में उनके लिए भोजन, पानी और दवाओं की व्यवस्था की गई है.

धराली में हारदूधु मेले में गए थे कई लोग, नहीं हो रहा संपर्क, हर्षिल की तरफ दोनों मार्ग बंद

देहरादून, एजेंसी। उत्तरकाशी धराली में आई आपदा में कई लोग लापता हैं। अब तक छह लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। धराली गांव में आई आपदा में लापता लोगों की संख्या को लेकर अभी स्थिति स्पष्टता नहीं है। भटवाड़ी व मुखबा गांव के स्थानीय लोगों की मानें तो धराली गांव में हारदूधु मेले में कई लोग गए थे, लेकिन इनसे संपर्क नहीं हो रहा है।

आपदा के दूसरे दिन भी बचाव व राहत कार्य चला। इसमें दो शव ही बरामद हुए। इन्हें मिलाकर मृतकों की संख्या छह हो गई है, लेकिन लापता लोगों की संख्या 15 होने की सूचना है। मौसम साफ होने के बाद बचाव कार्य में तेजी आने पर लापता लोगों के बारे में स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

स्थानीय लोगों के मुताबिक धराली गांव में हारदूधु मेले में मुखवा, भटवाड़ी समेत आसपास के गांव के लोग गए थे। इनसे संपर्क नहीं हो रहा है। आपदा के कारण धराली गांव में बिजली आपूर्ति ठप होने के साथ ही कनेक्टिविटी नहीं है। जिस वजह से संपर्क करने में दिक्कतें आ रही है।

मुखबा गांव के सुनील सेमवाल बताते हैं कि धराली में मची तबाही के बाद से संपर्क कटा हुआ है। हर्षिल की तरफ भी दोनों तरफ से मार्ग बाधित है। उधर, भटवाड़ी के प्रमोद नौटियाल ने बताया कि नेताला में सड़क बंद होने की वजह से स्थानीय प्रशासन को वहीं से वापस लौटना पड़ा।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शुक्रवार, 08 अगस्त, 2025

दिल्ली: स्कूली बच्चों के बीच सीएम रेखा गुप्ता ने मनाया राखी का त्योहार

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को सरकारी स्कूलों के बच्चों ने गुरुवार को राखी बांधी। मुख्यमंत्री ने सभी बच्चों से प्यार से राखी बंधवाई और इस मौके की तस्वीरें भी उन्होंने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर साझा कीं। तस्वीरों में मुख्यमंत्री बच्चों को दुलारती और राखी बंधवाती हुई नजर आ रही हैं। मुख्यमंत्री ने अपनी पोस्ट में कहा, ह्रआज सुबह मुख्यमंत्री जनसेवा सदन कुछ अलग ही रंग में था। सरकारी स्कूलों से नन्हें बच्चे जब रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में राखियां लेकर आए तो यह रस्म हमारे रिश्ते की नई परिभाषा थी। उनके छोटे-छोटे हाथों से बांधे गए धागे कुछ ऐसे कल का वादा थे, जहां हर बच्चा बिना डर, बिना भेद, अपने सपनों की उड़ान भर सके। उन्होंने कहा कि बच्चों की खिलखिलाती हंसी, मासूम आंखों की चमकह्ययही तो है हमारे हर निर्णय का मूल, हमारी हर नीति का आधार। आप सभी बच्चों को ढेर सारा प्यार और उस भरोसे को मेरा प्रणाम जिसे आपने आज मेरी कलाई पर बांध दिया। इससे पहले, दिल्ली भाजपा प्रदेश कार्यालय में विभिन्न स्कूल और कॉलेजों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स ने प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को राखी बांधी। सचदेवा ने राखी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह एक पवित्र त्योहार है, जो भाई-बहन के रिश्ते की गरिमा को बरकरार रखता है। राखी का त्योहार पूरे समाज को एकता के सूत्र में बांधने का काम करता है। वहीं, भाजपा ने ऐलान किया था कि उसकी पार्टी की महिला मोर्चा दिल्ली की झुग्गी बस्तियों में जाकर वहां रहने वाले लोगों से राखी का त्योहार मनाएगी। इस अभियान में पार्टी के कई शीर्ष नेता शामिल होंगे। इस बारे में जानकारी देते हुए भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष ऋचा पांडे मिश्रा ने बताया था कि उनकी पार्टी का लक्ष्य है कि रक्षाबंधन के मौके पर हम दिल्ली की सभी झुग्गी बस्तियों में जाकर उनके बीच में राखी का त्योहार मनाएं। इसके लिए हमने पूरी कार्ययोजना तैयार कर ली है। इसी अनुरूप हमारी पार्टी आगामी दिनों में काम करेगी। पार्टी यह सुनिश्चित करेगी कि हर क्षेत्र में रक्षाबंधन के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाए।

कूड़े से आजादी सिर्फ दिखावा है : डॉ नरेश कुमार

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. नरेश कुमार ने भाजपा सरकार की ह्नकूड़े से आजादीह्न मुहिम पर करारा हमला बोलते हुए इसे सिर्फ दिखावा करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता को गुमराह करने के लिए सोशल मीडिया पर फोटोशूट और प्रचार में लगी हुई है, जबकि सफाई, जल निकासी और टूटी सड़कों जैसी असली समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। डॉ. नरेश कुमार ने कहा, सरकार नालियों की सफाई नहीं करवा रही, सड़कें टूटी पड़ी हैं, हल्की बारिश में दिल्ली जलमग्न हो जाती है, और जनता परेशान है। लेकिन सरकार रात के अंधेरे में कैमरे लेकर झाड़ू चला रही है। यह जनता की आंखों में धूल झोंकने जैसा है। उन्होंने चेतावनी दी कि सोशल मीडिया पर सफाई के दिखावे से सच्चाई नहीं बदलेगी। हर गली में पानी भरा है, नालियां उफान पर हैं, सड़कें गड्ढों में तब्दील हैं – अगर ये विफलता नहीं है, तो और क्या है? डॉ. नरेश कुमार ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से अपील करते हुए कहा कि वे प्रचार की राजनीति छोड़ें और दिल्ली की जमीनी समस्याओं का समाधान करें। उन्होंने दावा किया कि जनता अब इन ढकोसलों से गुमराह नहीं होने वाली, और आने वाले चुनाव में भाजपा को इसका करारा जवाब देगी।

संक्षिप्त खबरें

स्कूल प्रवेश पर टीकाकरण क्यों है जरूरी : डॉ. विवेक चौधरी

नई दिल्ली, । जनस्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि टीकाकरण कार्यक्रम में एक अहम चरण अक्सर अनदेखा रह जाता है–4 से 6 वर्ष की उम्र में स्कूल प्रवेश के समय दिया जाने वाला डिप्थीरिया, टेटनस, पर्टुसिस और पोलियो का बूस्टर डोज। शुरूआती टीकाकरण श्रृंखला से मिलने वाली रोग प्रतिरोधक क्षमता शुरूआती वर्षों में तो प्रभावी होती है, लेकिन समय के साथ यह घटने लगती है। अध्ययन बताते हैं कि जब बच्चा स्कूल जाना शुरू करता है, तब तक उसके शरीर में इन बीमारियों के खिलाफ एंटीबॉडी का स्तर काफी कम हो चुका होता है। ऐसे में समूहों जैसे कि कक्षा में संक्रमण की आशंका अधिक बढ़ जाती है। डॉ. विवेक चौधरी, कंसल्टेंट नियोनेटोलॉजिस्ट और पीडियाट्रिशन, अपोलो क्रैडल, मोती नगर, नई दिल्ली बताते हैं, जब बच्चे स्कूल जाना शुरू करते हैं तो वे अचानक कई लोगों और संभावित संक्रमणों के संपर्क में आते हैं। इस उम्र में शिशु काल के टीकों से मिली सुरक्षा घटने लगती है। 4झ6 वर्ष का बूस्टर यह सुनिश्चित करता है कि उनके प्रतिरक्षा तंत्र में अगली अवस्था के लिए पर्याप्त ताकत हो। यह एक सरल लेकिन दीर्घकालिक सुरक्षा देने वाला कदम है।

एसओएल ने कांउसलिंग की तिथियां घोषित की

नई दिल्ली, । स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग में स्नातक के तीसरे व पांचवें सेमेस्टर तथा परास्नातक के तीसरे सेमेस्टर की एकेडमिक काउंसलिंग की तिथियां घोषित कर दी हैं। संस्थान ने इसकी विस्तृत जानकारी अपनी वेबसाइट पर साझा की है। किस सेंटर पर कब काउंसलिंग है इसकी जानकारी एसओएल के विद्यार्थी संस्थान की

दिल्ली पुलिस ने दो लुटेरों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, । दक्षिणी पश्चिमी जिला पुलिस ने 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। इन्होंने पिछले महीने एक महिला डॉक्टर सहित दो महिलाओं के गले से सोने की चेन लूटी थी। एक बदमाश के खिलाफ विभिन्न थानों में 40 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। पुलिस को चकमा देने के लिए बदमाश दिल्ली के कई इलाकों में घूमते हुए एक्सप्रेस वे होते हुए कालिंदी कुंज बॉर्डर से फिर राजधानी में घुस गए। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि बदमाशों की पहचान पुल प्रह्लादपुर निवासी दानिश उर्फ चिंटू और तिलकनगर शाहपुरा निवासी आशीष तनेजा उर्फ भतीजा के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे लूट की छह सोने की चेन, एक सोने का हुक, चोरी की बाइक, वारदात में इस्तेमाल 400 सीसी की बाइक बरामद की है। पुलिस ने आरोपितों की गिरफ्तारी से सात मामलों का निपटारा किया है। 25 जुलाई को सफदरजंग एन्क्लेव थाने में एक महिला डाक्टर ने शिकायत दी थी कि वह शाम करीब तीन बजे ग्रीन फील्ड स्कूल के सामने अपनी कार के पास खड़ी थी।

एमसीडी भ्रष्टाचार मामले में आरोपी को नहीं मिली जमानत सीबीआई अदालत ने जमानत याचिका की खारिज

नई दिल्ली, । दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में भ्रष्टाचार के संगठित सिंडिकेट से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपित भविष्य को अदालत से कोई राहत नहीं मिली। राउज एवेन्यू स्थित विशेष सीबीआई अदालत ने आरोपित की जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि यह मामला केवल व्यक्तिगत रिश्वतखोरी का नहीं, बल्कि एक संगठित घोटाले का हिस्सा हो सकता है। विशेष न्यायाधीश ज्योति क्लेर ने कहा कि भले ही आरोपित का नाम प्राथमिकी में नहीं है, लेकिन सह-आरोपित के बयान काफी गंभीर हैं। अदालत ने कहा कि आरोपित पर सिंडिकेट के सक्रिय सदस्य होने का संदेह है। कोर्ट ने कहा कि अब तक सामने आए तथ्यों से यह प्रतीत होता है कि यह मामला एक संगठित भ्रष्टाचार रैकेट से जुड़ा है, जिसकी तह तक पहुंचना जरूरी है। ट्रैप में पकड़ा गया था आरोपित सीबीआई ने 10 जुलाई 2025 को एक ट्रैप ऑपरेशन के तहत आरोपित भविष्य को गिरफ्तार किया था।

दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म में 90% प्लेसमेंट, देश की प्रमुख मीडिया कंपनियों ने जताया भरोसा

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म (डीएसजे) ने अकादमिक वर्ष 2024 -25 की प्लेसमेंट प्रक्रिया में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए 90% छात्रों का चयन सुनिश्चित किया है। यह आंकड़ा न केवल संस्थान की अकादमिक गुणवत्ता को दर्शाता है, बल्कि मीडिया इंडस्ट्री में इसकी बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रमाण भी है। डीएसजे के ओएसडी डॉ. संजय वर्मा ने बताया कि इस वर्ष के प्लेसमेंट में देश की नामचीन मीडिया कंपनियों जैसे कि इनफॉर्मिस्ट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, जी स्टूडियोज, एनडीटीवी गैजेट्स 360, न्यूज नेशन, अमर उजाला और बजरबट्टू कंटेंट वाइब्स प्राइवेट. ने डीएसजे के विद्यार्थियों को रिपोर्टर, रिसर्च एक्जीक्यूटिव, एंकर, कंटेंट राइटर, एडिटोरियल ट्रेनी व जूनियर प्रोड्यूसर जैसे विविध पदों पर चयनित किया। इसके अतिरिक्त, रिपब्लिक वर्ल्ड, क्रिएटिव हब, व्हाइट टाइगर फिल्म्स और स्वदेश 24७7 जैसी संस्थाओं में भी उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। डीएसजे की इस सफलता को न केवल प्लेसमेंट प्रतिशत के रूप में देखा जा रहा है, बल्कि इसे उस दीर्घकालिक दृष्टिकोण और मेहनत का परिणाम माना जा रहा है, जिसके तहत संस्थान शिक्षा को उद्योग से जोड़ने में निरंतर प्रयासरत रहा है। शिक्षा से करियर तक की इस यात्रा में दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म ने यह साबित किया है कि वह देश की अग्रणी मीडिया शिक्षण संस्थानों में अब दृढ़तापूर्वक स्थापित हो चुका है। हाल ही में डीएसजे के पूर्णकालिक ओएसडी नियुक्त किए गए दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के डॉ. संजय वर्मा प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में समृद्ध अनुभव रखते हैं। आशा व्यक्त की जा रही है कि उनका नेतृत्व संस्थान को और अधिक ऊँचाइयों तक ले जाएगा।

श्रमिक कल्याण बोर्ड में अनियमितताएं उजागर कैग रिपोर्ट में खुलासा : आदेश भारद्वाज

● दिल्ली में श्रमिकों के हक पर पड़ा सिस्टम का साया, कांग्रेस ने की जांच की मांग

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली विधानसभा में हाल ही में पेश की गई 2023 की कैग रिपोर्ट में 2019-20 से 2022-23 तक के कार्यकाल में निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड में गंभीर अनियमितताओं का खुलासा हुआ है, जिससे आम आदमी पार्टी की पूर्व सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। रिपोर्ट सामने आते ही भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरा है। इस विषय पर प्रतिक्रिया देते हुए करावल नगर कांग्रेस जिला अध्यक्ष आदेश भारद्वाज ने कहा कि 2 सितंबर 2002 को तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित की सरकार ने दिल्ली में तेजी से चल रहे निर्माण कार्यों के बीच दूसरे राज्यों से आए श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड का गठन किया था। इस बोर्ड के अंतर्गत स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक सहायता, चिकित्सा, आवास व अन्य योजनाएं श्रमिकों के लिए चलाई जाती थीं। लेकिन 2013-14 में आम आदमी पार्टी की सरकार के आने के बाद, भारद्वाज के अनुसार, इस योजना का दुरुपयोग किया गया, और अब कैग रिपोर्ट में इसका दस्तावेजी प्रमाण सामने आ चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2019-23 के दौरान श्रमिकों के कल्याण के लिए 3,579.05 करोड़ रुपये इकट्ठा किए गए, लेकिन इसका प्रभावी उपयोग नहीं किया गया। बोर्ड ने दावा किया कि 6.96 लाख श्रमिक पंजीकृत हैं, लेकिन इनमें से सिर्फ 1.98 लाख का ही प्रमाणिक डेटा मौजूद है। वहीं, 1.19 लाख श्रमिकों की तस्वीरें दोहराई गई हैं, और पंजीकरण नवीनीकरण दर केवल 7.3% रही, जो कि राष्ट्रीय औसत 74% से बहुत कम है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि 17 में से केवल 12 कल्याण योजनाएं लागू की गईं और उनमें भी 1,423 दिनों तक लाभ वितरण में देरी हुई। आदेश भारद्वाज ने कहा कि यह वही सरकार थी जिसने बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन श्रमिकों के कल्याण के लिए इकट्ठा फंड का सही उपयोग तक नहीं कर पाई। कांग्रेस नेता ने मांग की कि इस मामले की उच्चस्तरीय जांच हो, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और मौजूदा भाजपा सरकार को केवल पिछली सरकार को दोष देने की बजाय तत्काल प्रभाव से सुधारात्मक कदम उठाने चाहिए, ताकि श्रमिकों को उनका हक मिल सके और इस बोर्ड की विश्वसनीयता दोबारा स्थापित हो।

बाढ़ कोई आपदा नहीं, यह नदी की चेतावनी है अब समय है उसे सुनने का : डॉ. प्रेम अग्रवाल

सिटिजन काउंसिल फॉर यमुना के अध्यक्ष ने चेताया — नदी लौट रही है अपनी जमीन पर

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । उत्तराखंड में हाल ही में आई भीषण बाढ़ और देशभर में नदियों के उफान पर प्रतिक्रिया देते हुए सिटिजन काउंसिल फॉर यमुना के अध्यक्ष डॉ. प्रेम अग्रवाल ने कहा कि यह समय है जब हमें नदी की चेतावनी को समझना चाहिए, न कि उसे केवल आपदा कहकर नजरअंदाज करना चाहिए.डॉ. अग्रवाल ने कहा, गंगा, यमुना, घाघरा, सोन जैसी नदियाँ आज उफान पर हैं, शहरों की गलियाँ जलमग्न हैं, गांव तबाह हो रहे हैं, लेकिन हम इसे प्राकृतिक आपदा कहकर अपना पल्ला झाड़ रहे हैं। जबकि सच्चाई यह है कि नदी हमें चेतावनी दे रही है– कि हमने उसकी जमीन हड़पी है, उसकी साँसें छीनी हैं। उन्होंने भावनात्मक शब्दों में कहा, नदी कह रही है– मैं बाढ़ नहीं लाती, मैं तो बस याद दिलाती हूँ कि ये जमीन मेरी थी, है और रहेगी। तुमने मेरी साँसों की जगह दीवारें बना दीं, अब जब मैं लौटती हूँ, तो मुझे आपदा कहते हो डॉ. अग्रवाल ने कहा कि नदी की बाढ़ उसका दोष नहीं, बल्कि हमारी विकास की वह सोच दोषी है, जो नदी को केवल एक पाइपलाइन समझती है, एक जीवित तंत्र नहीं। उन्होंने कहा कि सिटिजन काउंसिल फॉर यमुना का दृष्टिकोण स्पष्ट है: डॉ. प्रेम अग्रवाल ने कहा कि अब वक्त आ गया है जब हमें नदी की भाषा समझनी होगी, और उसे विकास की दुश्मन नहीं, हमारी सांस्कृतिक और प्राकृतिक पूंजी के रूप में देखना होगा। उन्होंने सरकार से अपील की कि बाढ़ को एक चेतावनी मानते हुए दीर्घकालिक और संवेदनशील नीतियाँ पर कार्य हो, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियाँ रोकी जा सकें।

दिल्ली विधानसभा के कमरों की किल्लत: 25 समितियों के लिए सिर्फ 11 कमरे, सदन में गूंजा मुद्दा

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान समितियों के लिए कमरों की भारी कमी का मुद्दा गरमा गया है। जानकारी के अनुसार, विधानसभा में करीब 25 समितियां हैं, लेकिन उन्हें मात्र 11 कमरे उपलब्ध कराए गए हैं। इससे कई समितियों के अध्यक्षों को कार्यालय की सुविधा नहीं मिल पा रही है। सदन में जैसे ही इस मुद्दे को उठाया गया, माहौल गर्मा गया और विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने भी नाराजगी जताई। स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि विधानसभा में शिक्षा विभाग और फामेर्सी काउंसिल ने कई कमरों पर कब्जा कर रखा है। उन्होंने बताया कि मुख्य सचिव को इन कमरों को खाली कराने का निर्देश भी दिया गया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उनकी नाराजगी के बाद सरकार की ओर से मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आश्वासन दिया कि सरकार इस दिशा में जल्द ही ठोस कदम उठाएगी और विधायकों को कार्यालय की सुविधा मुहैया कराई जाएगी। सदन में विधानसभा क्षेत्रों से जुड़े कई अन्य मुद्दे भी उठाए गए। भाजपा विधायक सतीश उपाध्याय ने मालवीय नगर क्षेत्र में बिजली बिलों की अनियमित रीडिंग और अधिक बिल आने की शिकायत रखी। उन्होंने मांग की कि इस समस्या का शीघ्र समाधान किया जाए। वहीं, भाजपा विधायक कुलवंत राणा ने मिलावटी खाद्य पदार्थों के बढ़ते कारोबार पर चिंता जताते हुए इस पर कड़ी सजा और ठोस नियम बनाने की मांग की। इसके अलावा, भाजपा विधायक संजय गोयल ने कहा कि उनकी विधानसभा क्षेत्र में शराब की दुकानों की संख्या बहुत अधिक है। उन्होंने मांग की कि शराब की दुकानें सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक ही खुलें ताकि स्थानीय महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अध्यक्ष ने आश्वासन दिया कि विधायकों और समितियों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। सरकार ने भी कमरों की समस्या को जल्द हल करने का भरोसा दिलाया।

यू-स्पेशल बसों का फिर से संचालन सरकार का सराहनीय कदम : दर्शन सिंह

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली सरकार द्वारा बंद पड़ी यू-स्पेशल बस सेवाओं को फिर से शुरू करने का निर्णय छात्रों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। भारतीय जनता पार्टी नवीन शाहदरा जिले के पूर्व उपाध्यक्ष दर्शन सिंह ने सरकार के इस फैसले की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम छात्रों के हित में एक बड़ा तोहफा साबित होगा। दर्शन सिंह ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सरकार प्रतिदिन आम लोगों के हित में कोई न कोई निर्णय ले रही है और इसका फायदा ट्रिपल इंजन सरकार के रूप में दिल्लीवासियों को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि यू-स्पेशल बसें, जो पहले विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए चलाई जाती थीं, उन्हें अब दोबारा से आधुनिक सुविधाओं के साथ शुरू किया जा रहा है। ये बसें खास तौर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ और साउथ कैंपस जाने वाले छात्रों के लिए संचालित की जाएंगी। छात्रों को मिलेगी राहत उन्होंने कहा कि पहले ये बसें बंद होने के कारण छात्रों को काफी परेशानी होती थी, लेकिन अब इनका संचालन फिर से शुरू होने से विद्यार्थियों को अपने घरों से कॉलेज तक पहुंचने में सुविधा, सुरक्षा और समय की बचत मिलेगी। नई बसों में अब एयर कंडीशनिंग, एलईडी लाइटिंग और म्यूजिक सिस्टम जैसी आधुनिक सुविधाएं होंगी, जिससे छात्रों को बेहतर सफर का अनुभव होगा। शैक्षणिक कार्यक्रम के अवसर पर घोषणा दर्शन सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह घोषणा दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध सोशल सेंटर स्कूल के नव-निर्मित शैक्षणिक ब्लॉक के उद्घाटन के अवसर पर की। उन्होंने कहा कि यह सेवा लगभग दो दशक पूर्व बसों की कमी के चलते बंद कर दी गई थी, लेकिन अब इसे फिर से बहाल किया जा रहा है। यू-स्पेशल बस सेवा का इतिहास गौरतलब है कि यू-स्पेशल बस सेवा की शुरूआत 1971 में हुई थी, जो विशेष रूप से कॉलेज छात्रों के लिए थी। ये बसें दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों से सीधी सेवा देती थीं और छात्रों के लिए एक सुरक्षित, सस्ती और सुविधाजनक विकल्प थीं। छात्रों में खुशी की लहर दर्शन सिंह ने कहा, ह्लसरकार का यह फैसला छात्रों में उत्साह और उम्मीद की लहर लेकर आया है। कॉलेज के सफर को अब आसान, सुरक्षित और आरामदायक बनाया जाएगा। उन्होंने अंत में कहा कि रेखा गुप्ता सरकार हर वर्ग की चिंता करती है और उसका हर निर्णय जनहित और विकास को समर्पित है।

दिल्ली में यमुना का जलस्तर चेतावनी के निशान से ऊपर पहुंचा

नई दिल्ली, । दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर बृहस्पतिवार को 204.50 मीटर के चेतावनी स्तर को पार कर पुराने रेलवे पुल पर 204.88 मीटर तक पहुंच गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, संभावित बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए एहतियाती कदम उठाने को लेकर सभी संबंधित एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सुबह आठ बजे पुराने रेलवे पुल पर यमुना का जलस्तर 204.88 मीटर था। शहर के लिए चेतावनी चिह्न 204.5 मीटर है, जबकि खतरे का निशान 205.3 मीटर है और निकासी 206 मीटर पर शुरू होती है। पुराना रेलवे पुल नदी के प्रवाह और संभावित बाढ़ के खतरों पर नजर रखने के लिए एक प्रमुख अवलोकन बिंदु के रूप में कार्य करता है। केंद्रीय बाढ़ कक्ष के एक अधिकारी ने कहा, जल स्तर में वृद्धि का मुख्य कारण हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जाना है। इस मानसून में पहली बार, हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से 50,000 क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा गया और यह सुबह करीब छह बजे 61,000 क्यूसेक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अधिकारी ने बताया, तब से हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे 50,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। बैराज से छोड़े गए पानी को दिल्ली पहुंचने में आमतौर पर 48 से 50 घंटे लगते हैं।

आजादी पर्व पर तिरंगा साइकिल यात्रा को सफल बनाने का आह्वान किया अजित गामड़ी ने

● भजनपुरा ब्लॉक कांग्रेस की बैठक में दिखा जोश, कार्यकर्ताओं से एकजुटता की अपील

नई दिल्ली, । आजादी के पर्व को उत्सवपूर्ण और जनभागीदारी के साथ मनाने के लिए कांग्रेस पार्टी ने विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, प्रदेश कांग्रेस के डेलीगेट व भजनपुरा वार्ड से निगम चुनाव लड़ चुके अजित सिंह गामड़ी ने 15 अगस्त को निकाली जाने वाली तिरंगा साइकिल यात्रा को सफल बनाने का आह्वान किया है। अजित गामड़ी ने यह बात भजनपुरा ब्लॉक कांग्रेस की बैठक में कही, जिसकी अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शहजाद ने की। उन्होंने बताया कि यह साइकिल यात्रा दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव के निर्देशानुसार और बाबरपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार जैन के नेतृत्व में आयोजित की जा रही है। बैठक में घोंडा विधानसभा प्रभारी व प्रदेश कांग्रेस डेलीगेट अश्विनी भारद्वाज भी मौजूद रहे। उन्होंने भी सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पार्टी की मजबूती के लिए एकजुट होकर काम करें। बैठक में मंडलम अध्यक्ष अनिल शर्मा, शुभम बेदी, श्यामबाबू शर्मा, नवीन जोशी, महेंद्र सिंह ठाकुर, सतीश कुमार बेदी, नीरज त्रिपाठी, ब्रिजमोहन, इस्लाम भाई, मनोज चौधरी, राज कुमार, रहमत, सोनम शर्मा, नवीन चंद्रा सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष शहजाद ने कहा कि जबसे राजकुमार जैन ने बाबरपुर जिले की जिम्मेदारी संभाली है, तबसे कांग्रेस क्षेत्र में मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव के नेतृत्व में कांग्रेस की जमीनी पकड़ बढ़ रही है और भजनपुरा ब्लॉक पूरी भागीदारी के साथ तिरंगा साइकिल यात्रा में भाग लेगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि उनका ब्लॉक जिले में पहले स्थान पर रहेगा और प्रदेश कांग्रेस की ओर से दी जाने वाली शील्ड भी भजनपुरा ब्लॉक ही प्राप्त करेगा।

डिस्कॉम कंपनियों को 4 साल में बकाया देने का आदेश

नई दिल्ली, । सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में बुधवार को निर्देश दिया कि दिल्ली की तीन निजी डिस्कॉम कंपनियों को 27,200.37 करोड़ रुपये की नियामक परिसंपत्तियों का भुगतान तीन साल के भीतर किया जाए। यह बकाया अधिकतम चार वर्ष में समाप्त होना चाहिए। नियामक परिसंपत्तियों में तेजी से वृद्धि हुई है। जो 31 मार्च, 2024 तक बीआरपीएल के लिए 12,993.53 करोड़ रुपये, बीवाईपीएल के लिए 8,419.14 करोड़ रुपये और टीपीडीडीएल के लिए 5,787.70 करोड़ रुपये तक पहुंच गई हैं, कुल मिलाकर 27,200.37 करोड़ रुपये हैं।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

संख्या 23AC/393/E Auction/Pkg/2025 दिनांक: 06.08.2025

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/यात्री सेवा, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली द्वारा पार्किंग लॉटस/साइट्स के आवंटन हेतु ई–नीलामी, IREPS पोर्टल (https://ireps.gov.in/) पर ई–बोली निम्नलिखित प्रकार से आमंत्रित की जाती है।

ई–कैटलॉग संख्या	ई–नीलामी की तिथि एवं समय	रेलवे स्टेशन/स्थान/पार्किंग लॉट
Parking-34-2025	दिनांक 22.08.2025 को 11:00 बजे	मेरठ कैंट (कंकनखेड़ा), दिल्ली (द्वितीय प्रवेश) KG Side (TW parking), बरेटा, मुरादनगर, कुरूक्षेत्र (Site-1), करनाल (375 वर्गमीटर), शाहबाद, मारकंडा, रोहतक (द्वितीय प्रवेश) (साइकिल–स्कूटर), शामली (पी आर एस), नया गाजियाबाद, गाजियाबाद (सिटी साइड), पानीपत (द्वितीय प्रवेश) = 12 कुल साइटें
वेबसाइट विवरण जहाँ ई–नीलामी दस्तावेज का पूरा विवरण देखा जा सकता है।		https://ireps.gov.in/

आईआरईपीएस के माध्यम से आयोजित ई–नीलामी में भाग लेने हेतु निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करना अनिवार्य है:

1. इच्छुक बोलीदाताओं को आई आर पी एस (वाणिज्यिक नीलामी मोड्यूल) में ऑनलाइन पंजीकृत करना होगा। पहले से ही अन्य आई आर पी एस खाता रखने वाली संस्थाए भी खुद को वाणिज्यिक नीलामी मोड्यूल के लिए नामांकित करने में सक्षम होगी। 2. एकमुश्त पंजीकरण शुल्क का भुगतान 3. भारतीय स्टेट बैंक में चालु खाता 4. आई आर पी एस खाते के साथ भारतीय स्टेट बैंक के खाते का एकीकरण 5. फण्ड का लियन मार्किंग 6. टर्नओवर का अद्यतनीकरण (updation) 7. जिन ठेकेदारों के पास आईआरपीएस के किसी भी मोड्यूल के लिए आई आर पी एस खाता नहीं है, वे आईआरपीएस होम पेज पर नए विक्रेताओं/ठेकेदारों (ई–निविदा/ई–नीलामी लीजिंग) लिंक पर क्लिक करके पंजीकरण हेतु अपना अनुरोध प्रस्तुत कर सकते है।

सम्बंधित जानकारी हेतु रेलवे प्राधिकारी: वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक/पीएस, डीआरएम कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली 110055 Email: pkg.delhidivision@gmail.com Tel: 011-23743084

2395/25

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/यात्री सेवा, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रामनगर आरडब्ल्यूए व दिल्ली नगर निगम के सानिध्य में चला स्वच्छता अभियान

● श्री राम पार्क में चला सफाई का विशेष अभियान, नगर निगम और आरडब्ल्यूए की संयुक्त पहल

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । रोहताश नगर विधानसभा स्थित राम नगर वार्ड के श्री राम पार्क में स्वच्छता को लेकर एक विशेष अभियान चलाया गया, जिसका आयोजन दिल्ली नगर निगम के उद्यान विभाग द्वारा राम नगर वेल्फेयर एवं सांस्कृतिक समिति (आरडब्ल्यूए) के सानिध्य में किया गया। इस सफाई अभियान में आरडब्ल्यूए के संस्थापक अध्यक्ष दीपक शर्मा, महासचिव देवेंद्र पाल शर्मा, उपाध्यक्ष अमित पचौरी, प्रवक्ता अजेश भार्गव, सचिव संजीव मल्होत्रा, परमानंद माहेश्वरी और आरडब्ल्यूए आरपीएस के अध्यक्ष रविंद्र नारंग सहित अनेक पदाधिकारी शामिल रहे। नगर निगम के उद्यान विभाग की टीम ने अभियान में अहम भूमिका निभाई। जयवीर सिंह के नेतृत्व में अमित, अरुण, महेश, राहुल, धागमल, अनुज, दीपक और मुकेश ने पूरी मेहनत और लगन से श्री राम पार्क को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने में योगदान दिया। इस अवसर पर आरडब्ल्यूए संस्थापक अध्यक्ष दीपक शर्मा ने कहा कि उद्यान विभाग के कर्मचारी नियमित रूप से पार्क की देखभाल करते हैं और आज के अभियान में भी उनकी भूमिका सराहनीय रही है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे अभियानों से न केवल स्वच्छता बढ़ती है, बल्कि लोगों में जिम्मेदारी की भावना भी विकसित होती है। अभियान के अंत में पार्क की साफ-सफाई के साथ पौधों की छंटाई, कचरे का निस्तारण और सौंदर्यीकरण के कार्य भी संपन्न हुए, जिससे स्थानीय नागरिकों ने संतोष व्यक्त किया और ऐसे आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित करने की मांग की।

सीबीएसई ने छात्रों के लिए शुरू किया करियर मार्गदर्शन डैशबोर्ड

नई दिल्ली, । केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में छात्रों के लिए सीबीएसई करियर गाइडेंस डैशबोर्ड और काउंसलिंग हब एंड स्पोक स्कूल मॉडल की शुरूआत की है। इनका उद्देश्य विद्यार्थियों के लिए कैरियर मार्गदर्शन को अधिक सुलभ बनाना और उनके मानसिक-सामाजिक कल्याण को मजबूत करना है। इन पहलों का उद्घाटन सीबीएसई इंटीग्रेटेड ऑफिस, सेक्टर-23, द्वारका, नई दिल्ली में किया गया। इस अवसर पर देशभर के 500 से अधिक स्कूल प्रमुख, काउंसलर, वेलनेस टीचर और अन्य शिक्षा विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई–प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती हैः–

क्र. सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
1.	09252092	मॉडिफाइड एलस्टोमेरिक पैड (डिजाइन बी)	50581 नग	29.08.2025
2.	09252189A	ब्रेक वियर प्लेट ड्राइंग नं० एस के 69597	60307 नग	29.08.2025
3.	18251211	टी 524 एफ रिजर्वेशन/कैंसलेशन फॉर्म	46502 थाउजेंड	01.09.2025
4.	09252131	नखल फॉर बी सी एन एच एल	15822 नग	03.09.2025
5.	09252002A	रोलर बेअरिंग एन यू 311 इ सी जे ऑफ ड्राइविंग	2135 नग	04.09.2025
6.	77255170	बलोन एल्युमीनियम पाउडर	220 एम टी	08.09.2025

निविदा शर्तें : 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी।

टेंडर नोटिस सं.: 37/2025-2026 दिनांक: 06.08.2025 2399/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सीएम ने विधायकों-मंत्रियों को डीएम, एसडीएम को मीटिंग में बुलाने के लिए मुख्य सचिव से अनुमति लेने का आदेश दिया है: संजीव झा

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और बुराड़ी से विधायक संजीव झा ने गुरुवार को सदन में अफसरों द्वारा फोन नहीं उठाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि वह एक जिलाधिकारी को फोन कर रहे हैं, लेकिन वह उनका फोन नहीं उठा रहे हैं। ऐसे तमाम अफसरों को सीएम रेखा गुप्ता द्वारा जारी उस आदेश का बहाना मिल गया है, जिसमें कहा गया है कि विधायक या मंत्री अगर किसी डीएम, एसडीएम को बुलाना चाहते हैं तो इसके लिए मुख्य सचिव से अनुमति लेनी होगी। उन्होंने कहा कि यह आदेश पूरी तरह से गलत है। ब्यूरोक्रेसी तो ऐसे ही इंतजार करती रहती है कि चुने हुए जनप्रतिनिधियों के काम को रोकने के लिए कैसे कोई बहाना मिल जाए? यह आदेश सदन की अवमानना भी करता है। लिहाजा विधानसभा अध्यक्ष से अपील है कि वह सरकार को अपना आदेश वापस लेने के लिए कहें। दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के चौथे दिन गुरुवार को आम आदमी पार्टी के विधायक संजीव झा ने कहा कि कुछ दिन पहले सीएम रेखा गुप्ता ने एक आदेश जारी किया था कि अगर किसी विधायक या मंत्री किसी डीएम या एसडीएम को मीटिंग में बुलाना होगा तो उसे मुख्य सचिव की अनुमति लेनी होगी। यह सवाल केवल विपक्ष-पक्ष के विधायकों का नहीं है, यह किसी मंत्री का है। यह पूरे सदन का अवमानना है। मैंने इस संबंध में विशेषाधिकार का एक नोटिस दिया था। मैं उम्मीद करता हूं कि विधानसभा अध्यक्ष उस नोटिस को स्वीकार करेंगे। संजीव झा ने कहा कि अगर इस तरह से कार्यकारिणी विधान मंडल को कंट्रोल करने लगेगा, तो जनतंत्र की पूरी परिभाषा ही खत्म हो जाएगी। संजीव झा ने विधानसभा अध्यक्ष से अनुरोध करते हुए कहा कि हमारा संरक्षण आप ही कर सकते हैं। सदन के संरक्षण की जिम्मेदारी और दायित्व विधानसभा अध्यक्ष के हाथ में है। इस तरह का आदेश इस सदन की अवमानना है। अगर यह सदन की अवमानना है तो यह विधानसभा अध्यक्ष की कुर्सी की भी अवमानना है। संजीव झा ने कहा कि कोई भी ऐसा आदेश जिससे विधान मंडल को नीचा दिखाने की कोशिश की जाए, चूंकि जनतंत्र में जनता अपना प्रतिनिधि चुनती है और जनतंत्र व संविधान में सबसे सुप्रीम जनता है। ऐसे में जनता की इच्छा का अपमान करना, संविधान का अपमान करने के बराबर है। ब्यूरोक्रेसी ऐसे ही इंतजार करती रहती है कि चुने हुए जनप्रतिनिधियों के काम को कैसे रोकें? सीएम द्वारा जारी आदेश सिद्ध कर रहा है कि इस आदेश के बाद डीएम, एसडीएम का फोन नहीं उठाने का एक बहाना मिल जाएगा और मेरा फोन डीएम नहीं उठा रहा है। सीएम का आदेश गलत है। सरकार इस आदेश को तत्काल वापस ले।

कर्तव्य भवन उद्घाटन में जगतपुरी मंडल की सक्रिय भागीदारी

मंडल महामंत्री अंजु गोगिया का कुशल समन्वय सराहनीय

प्रातः किरण: मनोज जैन

नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन का भव्य उद्घाटन स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। यह भवन भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक कार्यों को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करेगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर दिल्ली के विभिन्न मंडलों से कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ज़िला अध्यक्ष श्री दीपक गाबा के नेतृत्व में ज़िले की टीम ने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। जगतपुरी मंडल से महामंत्री अंजु गोगिया, कार्यालय प्रभारी संदीप राणा, कोषाध्यक्ष एडवोकेट अमित कुमार, सोशल मीडिया प्रमुख लवलीन, लक्ष्मी नगर से दीपक गर्ग सहित अनेक कार्यकताओं ने अनुशासित व संगठित रूप से भाग लेकर मंडल का प्रतिनिधित्व किया। सभी कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री के नए भारत के विजन को धरातल पर उतारने की प्रतिबद्धता को दोहराया। कार्यक्रम में महामंत्री अंजु गोगिया का समन्वयात्मक योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। उन्होंने मंडल के कार्यकताओं को एकजुट रखते हुए समर्पण के साथ सभी गतिविधियों में सहभागिता सुनिश्चित कराई। संगठन में उनके कुशल नेतृत्व और सक्रिय भूमिका की सराहना की गई।

दिल्ली के नए पुलिस कमिश्नर की पदचिह्नों पर, शाहदरा में चौकसी का नया अध्याय

डीसीपी प्रशांत गौतम और एडिशनल डीसीपी नेहा यादव की जोड़ी ने सड़कों को बना दिया निगरानी का मैदान

प्रातः किरण: मनोज जैन

दिल्ली के नए पुलिस कमिश्नर ने पदभार क्या संभाला, राजधानी की सुरक्षा ने जैसे एक नई करवट ली हो। शाहदरा जिले में तो जैसे हर मोड़, हर गली और हर चौक पर पुलिस की उपस्थिति खुद में एक संदेश दे रही है – अब चूक नहीं होगी। कॉलोनियों से लेकर बाजारों तक, हर रास्ते पर डीसीपी प्रशांत गौतम और एडिशनल डीसीपी नेहा यादव की निगरानी में पुलिस नजर आ रही है, जो न केवल ड्यूटी निभा रही है बल्कि भरोसा भी जगा रही है। दिल्ली पुलिस की गाड़ियों पर लगे माइक से बार-बार गूंजती आवाज – सतर्क रहें, सावधान रहें, दिल्ली पुलिस हमेशा आपके साथ है – अब सिर्फ. चेतावनी नहीं, बल्कि लोगों के दिल में उतरती एक सुरक्षा भावना बन चुकी है। मोहल्लों में बजते हूटर, गलियों में गश्त लगाती बाइकें, और हर नुक्कड़ पर खड़े जवान ये सब इस बार कुछ अलग सा कह रहे हैं। ऐसा लगता है जैसे हर दिन का फुटेज ऊपर तक भेजा जा रहा हो, और हर थाने को अब सिर्फ. ड्यूटी नहीं, ज़िम्मेदारी का एहसास भी कराया जा रहा है। लोगों का कहना है कि पुलिस पहले भी सक्रिय थी, लेकिन इस बार जैसा अनुशासन, जैसी निरंतरता और जैसी उपस्थिति दिख रही है, वैसी पहले शायद ही देखी गई हो। सूत्रों के अनुसार, अब हर थाने से रिपोर्ट, तस्वीरें और वीडियोज वरिष्ठ अधिकारियों को भेजे जा रहे हैं। डीसीपी प्रशांत गौतम और एडिशनल डीसीपी नेहा यादव की जोड़ी न केवल मैदानी स्तर पर सक्रिय है, बल्कि बाकी थानों के स्टाफ को भी जागरूक कर रही है कि हर इलाका एक जिम्मेदारी है, कोई औपचारिकता नहीं। ऐसा नहीं कि केवल बड़ी तारीखों पर सतर्कता दिखाई दे, बल्कि जनता को हर रोज ये एहसास हो कि पुलिस उनके पीछे नहीं, उनके साथ खड़ी है। यही विश्वास, व्यवस्था की सबसे बड़ी जीत है। सूत्र यह भी बताते हैं कि शाहदरा जिले में संयुक्त पुलिस आयुक्त और विशेष पुलिस आयुक्त का औचक दौरा 15 अगस्त से पहले किसी भी दिन हो सकता है। लगातार चल रही सतर्कता में अब यह देखा जा रहा है कि हर दिन प्रत्येक थाना प्रभारी और वरिष्ठ अधिकारी किसी न किसी क्षेत्र में जरूर भ्रमण कर रहे हैं। एक ओर बाजारों में बढ़ती भीड़ है, तो दूसरी ओर पुलिस की यह अनवरत उपस्थिति यह दर्शा रही है कि दिल्ली पुलिस अब नजर नहीं, निगरानी बन चुकी है।

प्रभात की हवा में जहां लोग सुकून ढूंढते हैं, संदीप कपूर वहां सफाई की अलख जगाते हैं

प्रातः किरण: मनोज जैन

शाहदरा ज़िले के अंतर्गत आने वाले कृष्णा नगर विधानसभा क्षेत्र के पार्षद संदीप कपूर को दिल्ली नगर निगम के स्वच्छता एवं पर्यावरण विभाग (सलाहकार एवं निगरानी समिति) का नवनिर्वाचित अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। निगम प्रशासन में यह जिम्मेदारी मिलना केवल एक औपचारिक पद नहीं, बल्कि उनके अथक श्रम और समर्पण की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति है। क्षेत्र के लोगों के लिए यह खबर गर्व और आत्मीय प्रसन्नता का विषय है, क्योंकि यह जीत सिर्फ संदीप कपूर की नहीं, बल्कि हर उस नागरिक की है जो स्वच्छता को जीवनशैली मानता है। हर दिन जब लोग प्रभात की ताजगी लेने और हल्की सैर के लिए घरों से बाहर निकलते हैं, उसी समय संदीप कपूर नगर निगम के कर्मचारियों, सफाई वाहनों और संबंधित अधिकारियों के साथ गलियों में दिखाई देते हैं। कोई कैमरा, कोई प्रचार नहीं – केवल ईमानदारी से किया गया कार्य। वह खुद झाड़ू नहीं चलाते, पर कार्य के प्रति उनका दृष्टिकोण यह दशार्ता है कि नेतृत्व केवल कुर्सी पर बैठकर नहीं, जमीनी हकीकत से जुड़कर निभाया जाता है। यह नियमित अभ्यास वर्षों से चलता आ रहा है – और अब यही कर्मनिष्ठा उन्हें दिल्ली नगर निगम की बड़ी जिम्मेदारी तक ले आई है। उनकी इस नियुक्ति पर क्षेत्र में बधाईयों का तांता लग गया। छाछी बिल्डिंग ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रधान सुनील खन्ना, एवं दिनेश कौशिक कृष्णा नगर मंडल अध्यक्ष पूजा चौरसिया, उपाध्यक्ष चौहान जी, डॉ चरण पाल सिंह, राहुल मुहाना, महा मंत्री महेंद्र बड़ेजा, सुनील चौधरी और सफेदा बस्ती से सचिन के साथ अन्य कार्यकर्ता और अनेक समाजसेवी व स्थानीय व्यापारीगण उनके आवास व कार्यालय पर जाकर सम्मान देने पहुँचे। सभी ने एक स्वर में आशा जताई कि संदीप कपूर अब कृष्णा नगर से आगे बढ़ते हुए दिल्ली नगर निगम के प्रत्येक वार्ड में स्वच्छता और पर्यावरण की नई परिभाषा स्थापित करेंगे। लोगों का कहना है – ऐसे लोग कम होते हैं जो कुर्सी से पहले जमीन पर दिखते हैं, और संदीप कपूर उनमें से एक हैं।

डॉ. विजय जौली बने ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सलाहकार

नई दिल्ली, । पूर्व विधायक व वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. विजय जौली को ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री का सम्मानित सलाहकार नियुक्त किया गया है। ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) देशों के इस प्रतिष्ठित व्यापारिक संगठन की ओर से उन्हें यह नियुक्ति पत्र चेयरमैन हरवंश चावला, महानिदेशक डॉ. बीबीएल मधुकर, उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह और समीप शास्त्री के संयुक्त हस्ताक्षरों के साथ सौंपा गया। इस नियुक्ति को लेकर संगठन ने डॉ. जौली की राजनीतिक, सामाजिक और वैश्विक मामलों में सक्रिय भूमिका को सराहा है। ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री का उद्देश्य ब्रिक्स देशों के साथ-साथ हाल ही में जुड़े नए सदस्य देशों–ईरान, मिस्त्र, इथोपिया, यूएई, सऊदी अरब और इंडोनेशिया–के बीच व्यापार, उद्योग और नेटवर्किंग को बढ़ावा देना है। संस्था का फोकस अंतरराष्ट्रीय सहयोग, आर्थिक साझेदारी और औद्योगिक विकास को गति देना है। डॉ. विजय जौली की इस नियुक्ति से भारत की वैश्विक व्यापारिक कूटनीति में प्रभावी भूमिका की उम्मीद जताई जा रही है। उनके मार्गदर्शन में ब्रिक्स देशों के साथ भारत के औद्योगिक संबंधों को नई दिशा मिल सकती है।

देश की बुनाई और परंपरा का उत्सव मनाएं : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, । मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर गुरुवार को अपने देश की बुनाई और परंपरा का उत्सव मनाने की अपील की। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि मेरे लिए साड़ी सिर्फ एक परिधान नहीं, संस्कृति का संगम है। कभी मधुबनी की साड़ी, जो मिथिला की कला की सौगात है तो कभी इक्कत या मैसूर सिल्क, जो दक्षिण की परंपरा की झलक है, मैं अपने रोजमर्रा के जीवन में भारत की विविधताओं को ओढ़ती हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खादी और हैंडलूम सिर्फ वस्त्र नहीं, ये आत्मनिर्भर भारत की पहचान हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और ह्यस्वदेशी गर्व के आह्वान ने आज इन परंपराओं को फिर से जन-जन से जोड़ा है। उन्होंने दिल्ली की सभी बहन-बेटियों से आग्रह है कि आज एक हैंडलूम परिधान पहनें, उसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर कर हथकरघा उद्योग को प्रोत्साहित करें। उल्लेखनीय है कि 7 अगस्त 1905 को शुरू हुए स्वदेशी आंदोलन ने स्वदेशी उद्योगों और विशेष रूप से हथकरघा बुनकरों को प्रोत्साहित किया। वर्ष 2015 में भारत सरकार ने हर साल 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। पहले राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का उद्घाटन 7 अगस्त 2015 को प्रधानमंत्री मोदी ने चेन्नई में किया था।

काश मैं भी सांसद होता, मैं चोर नहीं हूं, फिर भी कोर्ट में हूं

प्रातः किरण: मनोज जैन

दिल्ली के ऐतिहासिक चांदनी चौक क्षेत्र में 9 मई 2018 को दिन-दहाड़े हुई मोबाइल छिनैती की एक घटना अब न्याय व्यवस्था की संवेदनशीलता पर एक बड़ा प्रश्न बनकर सामने आई है। ह्यतरुण मित्र परिषदह्ल के अध्यक्ष और समाजसेवी अशोक कुमार जैन, उस दिन लाल किला बस स्टॉप पर खड़े थे, जब दो अज्ञात व्यक्तियों ने उनका मोबाइल छीन लिया। यह स्थान पुलिस चौकी से महज 10 मीटर की दूरी पर स्थित था, फिर भी तत्काल कोई कार्रवाई नहीं हुई। एफआईआर दर्ज कराने के लिए उन्हें थाने के कई चक्कर लगाने पड़े। मोबाइल की डिटेल्स भी समय पर दी गईं और उन्होंने यह सूचना भी दी कि वही संदिग्ध व्यक्ति अगले दिन भी उसी स्थान पर देखा गया। इसके बावजूद कोई ठोस कार्रवाई न होने से वे आहत रहे। अब उम्र 81 हो चुकी है और हाल ही में उन्हें 13 अगस्त 2025 के लिए कोर्ट से समन प्राप्त हुआ है, जिसकी प्रति उनके पास मौजूद है। उसमें उल्लेख है कि यदि वे हाजिर नहीं हुए तो मामला समाप्त माना जा सकता है। अशोक जैन कहते हैं, मैं कोई अपराधी नहीं, सिर्फ एक पीड़ित हूं। लेकिन पिछले 8 साल से मैं ही कोर्ट में पेश हो रहा हूं, जबकि जिसने मोबाइल छीना वह अब भी कहीं बाहर आजाद घूम रहा होगा।ह्व उनका यह अनुभव आमजन में यह भावना जगाता है कि जब तक व्यक्ति प्रभावशाली न हो, तब तक उसकी सुनवाई या न्याय की गति अलग ही होती है। यह मामला न केवल एक पीड़ित की व्यक्तिगत पीड़ा है, बल्कि एक ऐसी तस्वीर पेश करता है जिसमें न्याय, सुरक्षा और संवेदनशीलता जैसे शब्द आम नागरिक के लिए धीरे-धीरे अर्थहीन होते जा रहे हैं। जब अपराध के बाद भी इंसाफ की प्रक्रिया से पीड़ित ही सबसे अधिक त्रस्त हो, तो यह सोचने का विषय है कि व्यवस्था किसके लिए है?

संयम की विदाई यात्रा: संतत्व का अमर प्रकाश

तप शिक्षण संस्थान, गोहाना से आरंभ होकर वहीं हुई संपन्न – युगपुरुष की स्मृति बनी तपोभूमि

प्रातः किरण: मनोज जैन

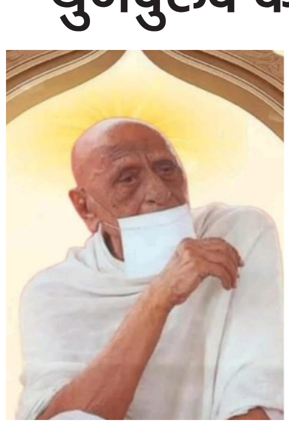

गोहाना (हरियाणा) गोहाना स्थित तप शिक्षण संस्थान आज उस दुर्लभ क्षण का साक्षी बना, जब संयम, साधना और संथारा का अद्वितीय संगम हुआ। पूज्य गच्छाधिपति सेठ श्री प्रकाशचंद जी महाराज साहब की अंतिम संयम यात्रा उसी तपस्थली से आरंभ हुई, जहाँ उन्होंने अपने जीवन की अंतिम साधना की थी। यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः तप शिक्षण संस्थान पहुँची, जहाँ उन्होंने संथारा व्रत अंगीकार कर देवलोकगमन किया। नगरवासियों ने अश्रुपूरित नेत्रों, और नवकार मंत्रों के साथ संतत्व को नमन किया। यह कोई साधारण शोभायात्रा नहीं थी, यह आत्मा की मुक्तिपथ यात्रा थी। पूज्य श्री ने इस शिक्षण संस्थान को चातुर्मास हेतु चुना था, और अब वही स्थल आत्मोत्कर्ष और तपशक्ति की प्रतीक बन चुका है। यात्रा में केवल जैन समाज ही नहीं, अन्य पंथों और समुदायों के श्रद्धालु, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, संतजन, शिक्षाविद और नगर के गणमान्य नागरिक भी सम्मिलित हुए। परिसर में मौन साधना, नवकार मंत्रों का जाप और आंतरिक भक्ति का ऐसा समन्वय देखने को मिला, मानो यह स्थान अब केवल ज्ञान का नहीं, आत्मज्ञान का केंद्र बन गया हो। पूज्य श्री के देवलोकगमन का संदेश देशभर में श्रद्धा की लहर बनकर फैल गया। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, इंदौर, जयपुर, नागपुर, अहमदाबाद जैसे शहरों से लेकर छोटे-छोटे नगरों तक – सामूहिक नवकार मंत्र गूंजे, और श्रद्धालुओं ने मौन व्रत लेकर अपनी भावांजलि अर्पित की। यह दृश्य इस बात का प्रमाण था कि संतों की ऊर्जा सीमाओं में नहीं बंधती – वह हर आत्मा को छू जाती है। देश के कई भागों में श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित हुईं, जहाँ पूज्य श्री के संयममय जीवन और उपदेशों को स्मरण किया गया। गोहाना की भूमि अब केवल एक शिक्षण स्थल की नहीं, बल्कि एक युगप्रवर्तक संत की तपोभूमि की पहचान बन गई है। पूज्य श्री का संथारा, उनका मौन तप, और संयम की चरम पराकाष्ठा – इन सभी ने इस संस्थान को एक जीवित विरासत में बदल दिया है। उनका जीवन केवल एक स्मृति नहीं, एक संदेश है – कि आत्मनियंत्रण, त्याग और सत्य की राह पर चलकर ही परम शांति की प्राप्ति संभव है।

दिल्ली में टेरर फंडिंग नेटवर्क का खुलासा, दो गिरफ्तार

श्रीनगर/नई दिल्ली। जम्मू- कश्मीर पुलिस ने दिल्ली में टेरर फंडिंग नेटवर्क का खुलासा करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जम्मू- कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस शाखा ने बुधवार को ये जानकारी दी। नेटवर्क प्रतिबंधित आतंकी संगठन को लश्कर-ए- तैयबा को वित्तीय सहायता देने में जुटा था। काउंटर इंटेलिजेंस शाखा के प्रवक्ता ने बताया कि दिल्ली के लाजपतनगर स्थित शालीमार टेक्सटाइल्स में छापेमारी के दौरान टेरर फंडिंग से जुड़े साक्ष्य मिले हैं। छापेमारी का उद्देश्य सीमा पार के लिए हो रही टेरर फंडिंग को पूरी तरह धवस्त करना था। उन्होंने बताया कि खाड़ी देशों में कार्यरत पाकिस्तानी नागरिक कश्मीर में आतंक को बढ़ावा देने के लिए कूरियर, तीर्थ यात्रा, व्यवसाय और प्रवास के माध्यम से पैसा पहुंचाने का काम कर रहे हैं। प्रवक्ता ने बताया कि बडगाम का रहने वाला आयुब भट्ट लाजपतनगर में शालीमार टेक्सटाइल के नाम से व्यवसाय कर रहा था। इसी के सहारे वो घाटी में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए पैसा पहुंचाने के काम में जुटा था। भट्ट के साथ श्रीनगर का मो. रफीक शाह भी शामिल था। दोनों से इस मामले में पूछताछ चल रही है। डिजिटल साक्ष्य जुटाए गए पुलिस ने बताया कि छापेमारी के दौरान इनके ठिकानों से डिजिटल साक्ष्य, पाकिस्तानी हैंडलरों से बातचीत के संदिग्ध सुराग के साथ हवाला के जरिए पैसे के लेनदेन के साक्ष्य मिले हैं। अधिकारियों ने कहा कि जो साक्ष्य और दस्तावेज मिले हैं उससे आने वाले समय में आतंकी फंडिंग को लेकर बड़ा खुलासा हो सकता है। जम्मू- कश्मीर पुलिस के इस अभियान में दिल्ली पुलिस की टीम भी मौजूद थी। कश्मीर में खून खराबा चाहते थे जांच अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक स्तर की पूछताछ से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही फंडिंग का खुलासा हुआ है। इसमें खाड़ी देशों में रहने वाले विदेशी नागरिकों के साथ आतंकियों के मददगारों का पता चला है। इन सभी का उद्देश्य जम्मू- कश्मीर में खून खराबा और अशांति फैलाना था। उन्होंने कहा कि इस कड़ी के जरिए आने वाले समय में आतंकी फंडिंग को लेकर कई और खुलासे संभव हैं।

अवैध शराब कारोबार की आरोपित महिला की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । तीस हजारी स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत ने अवैध शराब कारोबार से जुड़े एक मामले में आरोपित महिला की दूसरी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने सभी तथ्यों और दलीलों को सुनने के बाद कहा कि आरोपित महिला लवली जांच में सहयोग नहीं कर रही है और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ जरूरी है चूंकि उसने जानबूझकर जांच से दूरी बनाई है। लवली की ओर से पेश अधिवक्ता ने दावा किया कि उनकी मुवक्किल के दो छोटे बच्चे हैं और उसे एक झूठे मामले में फंसाया गया है और वह जांच में सहयोग के लिए तैयार है। राज्य की ओर से पेश अतिरिक्त लोक अभियोजक ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि लवली लगातार जांच से बच रही है, जबकि उसे 22 जुलाई और 31 जुलाई को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। लेकिन न तो लवली ने नोटिस का जवाब दिया और न ही जांच में सहयोग किया। पुलिस के अनुसार, उससे पूछताछ जरूरी है ताकि अवैध शराब से हुई कमाई और उससे खरीदी गई संपत्तियों की जानकारी मिल सके। आरोपित महिला पर आरोप है कि वो गैरकानूनी रूप से शराब की बिक्री में शामिल रही है और उससे कमाई गई रकम से अवैध संपत्तियां अर्जित की हैं। लवली के खिलाफ यह तीसरी प्राथमिकी है। पुलिस ने दावा किया कि लवली सिर्फ शराब बेचने तक सीमित नहीं थी, बल्कि उसने इस अवैध व्यापार से काफी रुपये कमाकर संपत्ति खरीदी।

डीएसजे में 90 फीसद छात्रों का हुआ चयन

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म (डीएसजे) ने अकादमिक वर्ष 2024-25 की प्लेसमेंट में 90 फीसद छात्रों का चयन हुआ है। डीएसजे के विशेष कार्य अधिकारी डा. संजय वर्मा ने बताया कि इस वर्ष के प्लेसमेंट में देश की नामचीन मीडिया कंपनियों ने डीएसजे के विद्यार्थियों को रिपोर्टर, रिसर्च एक्जीक्यूटिव, एंकर, कंटेंट राइटर, एडिटोरियल ट्रेनी व जूनियर प्रोड्यूसर जैसे विविध पदों पर चयनित किया।

दिल्ली विधानसभा में फांसी घर के बोर्ड को हटाकर पूर्व स्वरूप बहाल करने का प्रस्ताव पारित, विपक्ष ने किया बहिर्गमन

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली विधानसभा में गुरुवार को फांसी घर के बोर्ड को हटाकर उसकी मूल स्थिति बहाल करने का प्रस्ताव पारित कर दिया गया। यह प्रस्ताव भारी हंगामे के बीच पारित हुआ, जिसमें विपक्ष ने इसके खिलाफ जमकर विरोध व्यक्त किया और सदन से बहिर्गमन कर लिया। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि पिछले तीन दिन से फांसी घर के मुद्दे पर सदन में तीव्र चर्चा चल रही थी। विपक्ष को अपने पक्ष में बोलने और सबूत पेश करने का मौका दिया गया, लेकिन वे इस बात को साबित करने में नाकाम रहे कि विधानसभा परिसर में कभी फांसी घर था। स्पीकर ने राष्ट्रीय अभिलेखागार, संबंधित विभागों और इतिहासकारों से प्राप्त जानकारी के आधार पर स्पष्ट किया कि दिल्ली विधानसभा परिसर, जो पहले संसद भवन हुआ करता था, में फांसी घर जैसी कोई संरचना नहीं रही। उन्होंने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी द्वारा फांसी घर बताई गई जगह वास्तव में टिफिन घर थी, जहां सदस्यों के लिए भोजन मुहैया कराया जाता था। इस प्रस्ताव के पारित होने के बाद विधानसभा का फांसी घर से जुड़ा विवाद समाप्त होता दिख रहा है। विपक्ष के बहिर्गमन के बावजूद सरकार ने बताया कि यह कदम सदन की प्रतिष्ठा और वास्तविक इतिहास को बरकरार रखने के लिए आवश्यक था। आगामी ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस से पहले सदन की गरिमा बनाए रखने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है।

एएनएम बबीता हत्याकांड का पुलिस ने किया सनसनीखेज खुलासा, मुठभेड़ में आरोपी गिरफ्तार

दुष्कर्म में विफल रहने पर तकिये से मुंह दबाकर की थी हत्या

मिमलाना रोड पर हुई मुठभेड़ में आरोपी के पैर में लगी गोली

प्रातः किरण: डॉ. अनुज अग्रवाल, मनोज जैन

मुजफ्फरनगर। नगर कोतवाली क्षेत्र के शाहबुद्दीनपुर गांव में एएनएम (सहायक नर्स) बबीता की हत्या के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने मात्र तीन घंटे में खुलासा कर दिया। आरोपी पड़ोसी बंटी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया, जिसमें उसके पैर में गोली लगी है। बंटी ने पूछताछ में बताया कि दुष्कर्म में विफल होने पर उसने महिला की हत्या कर दी थी। पुलिस अधीक्षक नगर सत्यनारायण प्रजापत ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में बताया कि मृतका बबीता (55 वर्ष), जो चरथावल ब्लॉक के ग्राम मलीरा में एएनएम के पद पर कार्यरत थीं, अकेली रहने के कारण आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। आरोपी बंटी पुत्र हरभजन, जो उसी गांव का निवासी है, महिला की संपन्नता से जलता था। 6 अगस्त को जब बबीता अकेली थीं, उसने दुष्कर्म का प्रयास किया, और विरोध होने पर तकिए से मुंह दबाकर और घूंसे मारकर उसकी हत्या कर दी। घटना की सूचना पर एसएसपी संजय कुमार वर्मा व एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत समेत पुलिस बल मौके पर पहुंचा और फील्ड यूनिट द्वारा सबूत जुटाए गए। सीसीटीवी और अन्य तकनीकी जांच के माध्यम से आरोपी की पहचान की गई और दबिश के दौरान बंटी को मिमलाना रोड के पास घेर लिया गया। पकड़े जाने के डर से आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसमें जवाबी कार्रवाई में उसके दाहिने पैर में गोली लगी। पुलिस ने आरोपी के पास से 315 बोर का तमंचा, एक जिंदा और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। घायल हालत में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके खिलाफ धारा 103 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है।

रक्षाबंधन पर छात्राओं ने एसएसपी को बाँधी राखी, मिला सुरक्षा का आश्वासन और भविष्य का आशीर्वाद

प्रातः किरण: डॉ. अनुज अग्रवाल, मनोज जैन

रक्षाबंधन पर्व 2025 के शुभ अवसर पर आज मुजफ्फरनगर स्थित पुलिस कार्यालय में एक भावुक और प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला। शहर के विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री संजय कुमार वर्मा को तिलक कर राखी बाँधी और उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएँ दीं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय ने नन्हीं बहनों के इस आत्मीय प्रेम को स्वीकारते हुए आभार प्रकट किया और उन्हें सुरक्षा का संपूर्ण आश्वासन दिया। छात्राओं को बालिका सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई , जिससे वे किसी भी आपात स्थिति में सहायता प्राप्त कर सकें। एसएसपी वर्मा ने छात्राओं को उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया और उन्हें जीवन में कठोर परिश्रम से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य हेतु स्नेहाशीष भी प्रदान किया। इस अवसर पर संबंधित स्कूलों के शिक्षक व स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे

तीन महीने से वेतन न मिलने पर नगरपालिका कर्मचारी ने की आत्महत्या

गुस्साए कर्मचारियों ने किया हंगामा

रायसेन, प्रातः किरण संवाददाता। मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में एक बेहद दुखद और आक्रोशपूर्ण घटना सामने आई है।

यहाँ नगरपालिका में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी मनोज लोधी (जेसीबी मशीन ऑपरेटर) ने पिछले तीन महीनों से वेतन न मिलने के कारण गंभीर आर्थिक तंगी और मानसिक तनाव से परेशान होकर अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना ने पूरे जिले में हड़कंप मचा दिया है, जिसके बाद नगरपालिका कर्मचारियों ने जमकर हंगामा किया और प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया।

आक्रोशित कर्मचारियों का प्रदर्शन, मौके पर पहुंचा पुलिस-प्रशासन

मनोज की आत्महत्या की खबर सुनते ही नगरपालिका के अन्य कर्मचारियों में भारी आक्रोश फैल गया। सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी नगरपालिका कार्यालय के सामने इकट्ठा हो गए और वेतन भुगतान में हो रही लगातार देरी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन शुरू कर दिया। कर्मचारियों ने नारेबाजी करते हुए प्रशासन पर मनोज की मौत का जिम्मेदार होने का आरोप लगाया। हालात को बेकाबू होते देख, स्थिति को नियंत्रित करने के लिए तत्काल एसडीएम और टीआई को मौके पर पहुंचना पड़ा। इस घटना ने नगरपालिका प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि वेतन न मिलने की समस्या यहाँ आम है, और प्रशासन इस पर कोई ध्यान नहीं देता। मनोज की मौत केवल एक व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि प्रशासन की घोर लापरवाही का परिणाम है।

वेतन की गुहार के बाद उठाया आत्मघाती कदम

जानकारी के अनुसार, मृतक मनोज लोधी पिछले कई महीनों से अपने वेतन के लिए नगरपालिका के चक्कर लगा रहा था। वह अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ था, जिससे वह गहरे मानसिक दबाव में था। बताया जा रहा है कि आत्महत्या से ठीक एक दिन पहले मनोज ने अपनी समस्या को लेकर मुख्य नगरपालिका अधिकारी (ष्टरूह्र) और नगरपालिका अध्यक्ष से मुलाकात की थी, लेकिन उसकी गुहार का कोई समाधान नहीं हो सका। प्रशासन की उदासीनता और निराशा से तंग आकर उसने यह आत्मघाती कदम उठाया।

मप्र में भूकंप के झटके-राजस्थान में आए भूकंप का मंदसौर में पड़ा असर, तीव्रता 3.9 रही

मंदसौर, प्रातः किरण संवाददाता। आज सुबह मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार, इन झटकों का केंद्र राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में था। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.9 मापी गई, जिसका असर सीमावर्ती मंदसौर जिले के कई गांवों में भी देखा गया।

क्या था पूरा मामला?

गुरुवार सुबह 10ः07 बजे राजस्थान के प्रतापगढ़ में भूकंप आया। इसका केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में था। इस भूकंप के हल्के झटके मंदसौर जिले के पिपलियामंडी, मल्हारगढ़, रेवास देवड़ा और अमरपुरा सहित कई गांवों में महसूस किए गए। झटके कुछ सेकंड तक रहे, जिससे घबराकर लोग अपने घरों और दुकानों से बाहर निकलकर खुले में आ गए। कुछ सीसीटीवी फुटेज में भी लोगों को अचानक घबराकर बाहर निकलते हुए देखा गया।

गनीमत यह रही कि इस हल्के भूकंप से किसी भी तरह के जान-माल के

हाई-प्रोफाइल ड्रामा- ओबीसी महासभा के नेता को पत्नी ने प्रेमिका के साथ रंगे हाथ पकड़ा, जमकर हुई पिटाई

रीवा, प्रातः किरण संवाददाता।

मध्य प्रदेश के रीवा शहर में एक सनसनीखेज घटना ने राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में हलचल मचा दी है। ओबीसी महासभा के प्रदेश महासचिव और चार बार के पार्षद प्रत्याशी पप्पू कनौजिया को उनकी पत्नी और बेटे ने कथित प्रेमिका के साथ रंगे हाथ पकड़ लिया। यह घटना बुधवार देर रात करीब 11 बजे की है, जिसके बाद जमकर हंगामा हुआ।

पत्नी और बेटे ने की प्रेमिका की पिटाई

जानकारी के अनुसार, पप्पू कनौजिया की पत्नी को लंबे समय से उनके अवैध संबंधों का शक था। बुधवार रात उन्होंने अपने बेटे के साथ मिलकर पति का पीछा किया और उन्हें एक अन्य घर में प्रेमिका के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया। यह देखते ही पत्नी और बेटे का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने कनौजिया की प्रेमिका की जमकर पिटाई कर दी,

जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

पत्नी ने बताया कि उन्होंने पहले भी अपने पति के खिलाफ शिकायत करने की कोशिश की थी, लेकिन पुलिस ने उनकी बात को अनसुना कर दिया था। फिलहाल, पुलिस ने कोई मामला दर्ज नहीं किया है, लेकिन पत्नी के आवेदन पर जांच की जा रही है। यह घटना शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है, और लोग पुलिस की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं।

पुलिस पर देरी का आरोप, जांच जारी

पत्नी का आरोप है कि पप्पू कनौजिया, जो ओबीसी समाज के एक प्रमुख नेता हैं, उनके साथ दुर्व्यवहार करते थे और अब खुलेआम दूसरी महिला के साथ रह रहे थे। जैसे ही पत्नी ने शोर मचाना शुरू किया, मोहल्ले के लोग इकट्ठा हो गए। इस दौरान बिछिया थाना पुलिस को सूचना दी गई, लेकिन पुलिस काफी देर से मौके पर पहुंची, जिससे स्थानीय लोगों में पुलिस की कार्यशैली के प्रति आक्रोश देखा गया।

रक्षाबंधन से पहले खाद्य विभाग ने मिठाई दुकानों पर मारा छापा, लिए फूड सैंपल

स्वच्छता मानकों के उल्लंघन पर 12 दुकानों को थमाया नोटिस

रायपुर, प्रातः किरण संवाददाता। (गौरेला-पेंड्रा-मरवाही) जिले में बारिश के मौसम में आगामी रक्षाबंधन में खाद्य सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई कि है. खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने बने खाबो-बने रहिबो के तहत सघन जांच और जागरूकता अभियान चलाते हुए जिले के होटलों, मिठाई दुकानों और स्ट्रीट फूड वेंडरों से दर्जनों मिठाई और नमकीन के नमूने जांच के लिए एकत्र किए. साथ ही स्वच्छता मानकों के उल्लंघन पर 12 से अधिक दुकानों को नोटिस भी जारी किया गया.

खाद्य जनित बीमारियों से बचाव और आम जनता को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के

नियंत्रक दीपक अग्रवाल और अभिहित अधिकारी ऋचा चंद्राकर के निर्देश में यह सघन अभियान चलाया गया.

इन प्रतिष्ठानों से लिए गए सैंपल-विपुल स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट, देवा होटल, कृष्णा स्वीट्स, करणी जोधपुर मिष्ठान भंडार, कान्हा स्वीट्स, मानव मंदिर, जैन स्वीट्स, श्रीनाथ स्वीट्स, गुप्ता होटल, प्रयागराज मिर्जापुर चटोरी सेंटर सहित अन्य प्रतिष्ठानों से खोवा जलेबी, पेड़ा, रसगुल्ला, सोनपापड़ी, काजू कतली, सेव, जलेबी आदि मिठाइयों और नमकीन के नमूने लिए गए. सभी सैंपल जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं.

निरीक्षण के दौरान 30 से अधिक स्ट्रीट फूड विक्रेताओं, ढाबों, होटलों और दुकानों पर बरसात के मौसम में खाद्य पदार्थों की स्वच्छता, सुरक्षित भंडारण और व्यक्तिगत साफ-सफाई की जांच की गई. इस दौरान कुछ दुकानदारों द्वारा अखबारी और प्रिंटेड पेपर का उपयोग भोजन परोसने में किया जा रहा था, जिसे लेकर 12 से अधिक दुकानों को नोटिस थमाया गया और भविष्य में ऐसा न करने की सख्त चेतावनी दी गई.

महिला पर गर्म तेल डाला, मौत, पुलिसकर्मियों ने गाड़ी से रास्ते में उतारा

भोपाल। भोपाल में तीन युवकों ने एक महिला पर गर्म तेल डाल दिया, जिससे वह बुरी तरह से झुलस गई। हमीदिया अस्पताल में चार दिन चले इलाज के बाद गुरुवार (7 जुलाई) सुबह उसकी मौत हो गई। घटना रविवार रात (3 जुलाई) को अन्ना नगर की है। महिला के बेटे का आरोप है कि आरोपी मुझे मारने आए थे। मां बचाने आई तो उन्हें पीटा और गर्म तेल डाल दिया।पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके पीछे चाय नाश्ते की दुकान के बाहर अतिक्रमण किए जाने के विवाद बताया जा रहा है। मृतका कांति प्रजापति (35) के पति ने गोविंदपुरा पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।बेटे को पीटने आए थे, पत्नी बचाने पहुंची तो गर्म तेल डाला कांति प्रजापति के पति मुकेश ने बताया कि रिश्तेदार कमलेश प्रजापति और उसका भांजा अतिक्रमण विवाद में बेटे को पीटने आए थे। यह देखकर कांति बेटे को बचाने पहुंची। आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। अपनी दुकान में कड़ाही में रखे गर्म तेल को पत्नी पर उड़ेल दिया। जिसने तेल डाला वह भी झुलस गया। हमने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

महिला ने कथित तौर पर दिया सांप के बच्चे को जन्म, मेडिकल जांच में निकला ब्लड क्लॉट

खजुराहों, प्रातः किरण संवाददाता।

मध्य प्रदेश के खजुराहो से एक अजीबोगरीब और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। राजनगर जनपद के मऊ मसनिया गांव में एक महिला को पेट दर्द की शिकायत के बाद यह सनसनीखेज अफवाह फैल गई कि उसने एक सांप के बच्चे को जन्म दिया है। इस अफवाह ने पूरे इलाके में कौतूहल और डर का माहौल बना दिया। इस कथित घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

गांववालों ने सर्प बच्चे को तसले से ढका, मेडिकल टीम ने किया इनकार-बुधवार की रात महिला को पेट में तेज दर्द हुआ, जिसके बाद यह अफवाह तेजी से

फैल गई। गांववालों ने इस कथित सर्प बच्चे को तसले से ढककर रख दिया, ताकि वह भाग न सके। इस खबर के बाद दूर-दराज से लोग इस घटना को देखने के लिए पहुंचने लगे।

हालाँकि, गुरुवार सुबह जब महिला को राजनगर अस्पताल ले जाया गया, तो मेडिकल जांच ने इस अफवाह पर विराम लगा दिया। बीएमओ अवधेश चतुर्वेदी ने जांच के बाद बताया कि यह कोई सांप का बच्चा नहीं, बल्कि ब्लड क्लॉट (खून का थक्का) था, जो जमीन में सोख लिया गया था। उन्होंने साफ किया कि चिकित्सा विज्ञान में मानव द्वारा सांप के बच्चे को जन्म देना जैविक रूप से असंभव है।

महिला को जिला अस्पताल रेफर, अफवाहों पर लगा विराम

इस घटना के बाद भी महिला को आगे के इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। इस घटना ने स्थानीय लोगों के बीच जहां भ्रम और उत्सुकता पैदा कर दी थी, वहीं मेडिकल जांच ने सच्चाई को सामने ला दिया है। यह मामला पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है, लेकिन डॉक्टरों के स्पष्टीकरण के बाद अफवाहों पर विराम लग गया है। महिला ने कथित तौर पर दिया %सांप के बच्चे% को जन्म, मेडिकल जांच में निकला ब्लड क्लॉट

भारत को हरा-भरा करने साइकिल यात्रा पर निकले महाराष्ट्र के सुबोध यात्रा

सतना, प्रातः किरण संवाददाता। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले से ताल्लुक रखने वाले 26 साल के सुबोध विजय गंगुर्डे भारत को हरा-भरा करने साइकिल यात्रा पर निकले है। देश के अलग-अलग हिस्सों में करीब 1 लाख पौधा रोपने का संकल्प लेकर चले सुबोध अब तक 35 हजार पौधे रोप चुके हैं। इस नेक काम में भारतीय सेना, वायु सेना, वन विभाग और विभिन्न राज्यों के अधिकारियों ने हाथ बंटाया। सुबोध पेशे से पर्वतारोही हैं और 19 जून 2024 को लद्दाख से साइकिल यात्रा शुरू की है। इस साइकिलिंग में सुबोध अब तक लगभग 20 हजार किलोमीटर का फासला तय करते हुए 8 राज्यों को पार कर मध्यप्रदेश में प्रवेश किया। सतना पहुंचने पर उन्होंने 38 हजार 840 किलोमीटर का रास्ता नाप लिया।

माउंट एवरेस्ट फतह करने की तमन्ना-सुबोध की तमन्ना माउंट एवरेस्ट फतह करने की है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2027 में वो माउंट एवरेस्ट के लिए समिट करेंगे। सुबोध ने बताया कि यह मिशन केवल एक व्यक्तिगत यात्रा नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, साइकिलिंग को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का संदेश है।

सरहद पर तैनात जवानों के लिए छात्राओं ने सौंपी कलेक्टर को राखी

सतना, प्रातः किरण संवाददाता। रक्षाबंधन के पावन अवसर से पहले सतना जिले में देशभक्ति और भाईचारे का एक अद्भुत दृश्य देखने को मिला है। शहर की साईं पब्लिक स्कूल और गार्जियन एंड गाइड स्कूल की छात्राओं ने सरहद पर तैनात देश के वीर सैनिकों के लिए प्रेम, सम्मान और आभार का प्रतीक बन चुकी राखियां तैयार कीं और गुरुवार को इन्हें कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस को सौंपा है ताकि ये राखियां समय रहते देश के बॉर्डर पर तैनात जवानों तक पहुंचाई जा सकें। छात्राओं ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर उन्हें भी राखी बांधी और मिठाई खिलाकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं है। कलेक्टर ने भी बच्चियों के इस पहल की सराहना की और उन्हें देशप्रेम की मिसाल बताया।छात्राओं ने राखियों से तिरंगे के रंगों में भारत का नक्शा भी तैयार किया, जिसे देख कर सभी उपस्थित अधिकारी भावुक हो गए। भारतमाता की जयघोष और देशभक्ति गीतों के साथ पूरा माहौल देशप्रेम से सराबोर हो गया।इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल राखी भेजना ही नहीं, बल्कि भावी पीढ़ी में देशभक्ति, सैनिकों के प्रति सम्मान और राष्ट्रीय एकता की भावना जागृत करना था। छात्राओं ने कहा कि यह राखियां केवल धागे नहीं हैं, बल्कि उनमें उनका स्नेह, आशीर्वाद और सुरक्षा की कामना बंधी है।

बिना वोटिंग के अविश्वास प्रस्ताव फेल

रामपुर बाघेलान जनपद में भाजपा का कब्जा बरकरार

सतना, प्रातः किरण संवाददाता।

जिले के रामपुर बघेलान जनपद पंचायत के अध्यक्ष रावेंद्र सिंह छोटू के खिलाफ लाए गया अविश्वास प्रस्ताव फेल हो गया। कई सदस्यों ने पिछले दिनों अध्यक्ष के खिलाफ लामबंदी की थी किन्तु जब गुरुवार को वोटिंग का नंबर आया तो अधिकांश जनपद सदस्य गैर हाजिर रहे। लिहाजा कोरम के अभाव में भाजपा ने जोर-जुगाड़ एवं तोड़फोड़ के बीच अपना कब्जा बरकरार रखा। इस खींचतान में क्षेत्रीय विधायक विक्रम सिंह विक्की की अहम भूमिका सामने आई।

भाजपा के रामपुर बाघेलान जनपद अध्यक्ष के अविश्वास के लिए विपक्षी दलों के जनपद सदस्यों ने मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 28 के तहत् अविश्वास प्रस्ताव लाने का भरपूर प्रयास किया था जिसके लिए निर्वाचन प्रक्रिया पीठासीन अधिकारी

एसडीएम रघुराज नगर राहुल सिलाड़िया की उपस्थिति में प्रारंभ की गई थी।रामपुर बाघेलान में 7 अगस्त गुरुवार को आयोजित की गई अविश्वास प्रस्ताव की निर्वाचन प्रक्रिया भारी पुलिस बल की सुरक्षा के बीच आयोजित किया गया आयोजित निर्वाचन प्रक्रिया में विपक्षी दलों के मात्र 11 जनपद सदस्य ही निर्वाचन स्थल पहुंचे कई घंटे सदस्यों का इंतजार किया गया मगर शेष जनपद सदस्यो की अनुपस्थिति के कारण निर्वाचन की प्रक्रिया पूर्ण करके अविश्वास प्रस्ताव को निरस्त कर दिया और संबंधित जानकारी उच्च अधिकारियों को प्रेषित कर दी। पंचायती राज्य का निर्वाचन 2022 में हुआ था जिसमें निर्वाचित हुए जनपद अध्यक्ष के पद के लिए जनपद अध्यक्ष रावेद्र सिंह छोटू को निर्वाचन के माध्यम से चुना गया था मगर 3 वर्ष पूर्ण होते ही विपक्षी दलों के जनपद सदस्य ने उनका अविश्वास पात्र लाने का भरपूर प्रयास किया। मगर अब स्थिति साफ होते ही रावेन्द्र सिंह छोटू जनपद अध्यक्ष बनें रहेंगे।

भोपाल में बैठकर यूं दिखाया दम...

जनपद सदस्यों ने अध्यक्ष पद से हटाने का विफल प्रयास किया, लेकिन उनकी फितरत नाकाम हो गई जब मोर्चे को विधायक विक्रम सिंह ने अपने हाथों में ले लिया विधायक विक्रम सिंह अपने सूझबूझ के साथ-साथ विरोधियों को अपना ताकत दिखाकर सभी को चारों खाने चित कर दिया है यह विधायक की खासियत है जिस काम में लगते हैं उसको पूरा करने के बाद ही दम लेते है आपको विदित है कि इसके पहले जनपद पंचायत अमरपाटन के अध्यक्ष के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था जिसमें विधायक ने एक तरफा कर दिया था विधायक भोपाल में विधानसभा के मानसून सत्र में शामिल थे लेकिन भोपाल में रहकर भी रामपुर बघेलान जनपद पंचायत में चल रहे अविश्वास प्रस्ताव को अपने हिसाब से चलाने का काम किया यही कार्य करने की पद्धति से जनता का विश्वास विधायक के प्रति बढ़ता है।

मुठभेड़ के बाद पिस्तौल और कारतूस के साथ एक नक्सली गिरफ्तार

मानपुर प्रातः किरण संवाददाता।

मदनवाड़ा थाना क्षेत्र में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों को एक बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षा बलों के जवानों ने मौके से एक नक्सली को जिंदा पकड़ लिया है, जिसके पास से पिस्तौल, कारतूस और अन्य महत्वपूर्ण नक्सल सामग्री बरामद हुई है। इस घटना से क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ चल रहे अभियान को बड़ी सफलता मिली है।

खुर्सेखुर्द-खुर्सेकला गांव के जंगल में हुई मुठभेड़-पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि 6 अगस्त को मदनवाड़ा थाना क्षेत्र के खुर्सेखुर्द-खुर्सेकला गांव से सटे घने जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच अचानक मुठभेड़ शुरू हो गई। नक्सलियों की ओर से हुई फायरिंग के बाद जवानों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों की घेराबंदी में एक नक्सली फंस गया, जिसे जवानों ने पकड़ने में सफलता हासिल की।

गिरफ्तार नक्सली से हथियार बरामद-गिरफ्तार किए गए नक्सली के पास से एक पिस्तौल और कई कारतूस बरामद हुए हैं। इसके अलावा, मुठभेड़ स्थल की तलाशी के दौरान पुलिस को कुछ अन्य नक्सल सामग्री भी मिली है।

जेल में बंद चैतन्य बघेल और पूर्व मंत्री लखमा से विधायक देवेंद्र यादव ने की मुलाकात

जेल में बंद चैतन्य बघेल और पूर्व मंत्री लखमा से विधायक देवेंद्र यादव ने की मुलाकात

रायपुर, प्रातः किरण संवाददाता। कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव ने आज जेल में बंद चैतन्य बघेल और कवासी लखमा से मुलाकात की. मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए और बीजेपी सरकार को आड़े हाथों लिया.जेल में हो रहा है मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न ‑ देवेंद्र यादव देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि जेल में चैतन्य बघेल और कवासी लखमा को लगातार परेशान किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि जेल प्रशासन नए-नए तरीके से उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है. कवासी लखमा की आंखों में सूजन और पानी की समस्या है, लेकिन उन्हें इलाज नहीं दिया जा रहा है.

जेल के अंदर भी लड़ाई जारी-देवेंद्र यादव ने कहा कि आज चैतन्य बघेल से मुलाकात कर गर्व हुआ कि वे जेल के अंदर भी पूरे हौसले के साथ लड़ाई लड़ रहे हैं. पूरी कांग्रेस पार्टी उनके साथ है. इस दौरान उनके साथ विधायक राम कुमार यादव भी मौजूद थे.

देश में अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति

विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश में अघोषित आपातकाल लागू कर दिया है. जो सरकार के खिलाफ आवाज उठाता है, उसे दबाने की कोशिश की जाती है. उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पूंजीपतियों के खिलाफ प्रदेश हित में लड़ाई लड़ रहे हैं, और चैतन्य बघेल को उसी लड़ाई की सजा दी जा रही है.

बीजेपी पर वोट चोरी का आरोप

देवेंद्र यादव ने एक और बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा वोटर लिस्ट से कांग्रेस समर्थक वोटरों के नाम कटवा रही है. बिहार में लाखों मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं. उन्होंने कहा कि इसका मकसद है कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के वोट बैंक को कमजोर करना. भाजपा को समझ आ गया है कि अब उनके झूठे प्रचार में जनता नहीं आने वाली, इसलिए अब वे वोटों की चोरी कर रहे हैं.

बिहार में बड़ी रैली की घोषणा

विधायक यादव ने कहा कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन स्ढ्ढक्रके खिलाफ बिहार में बड़ी रैली आयोजित करेंगे. वहीं छत्तीसगढ़ में भी वोटरों के नाम काटने की संभावना पर विधायक देवेन्द्र यादव ने कहा कि यह इनकी (भाजपा) तकनीक है. पहले सोशल मीडिया में भ्रम फैलाकर सरकार में आए. दूसरे दल के नेताओं को अपने में शामिल कर सरकार में आए. वोटर लिस्ट में अभी काम करना चालू कर दिए है. कांग्रेस और इंडी गठबंधन के पक्षकार वोटर को काटना चाहते हैं.

भारत में कृषि क्रांति तेज गति से जारी

शिवराज सिंह चौहान

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, निरंतर सुधारों और किसान-केंद्रित पहलों के कारण कृषि क्षेत्र में निरंतर प्रगति हुई है और देश ने धान, गेहूं, मक्का, मूंगफली और सोयाबीन का रिकॉर्ड उत्पादन किया है। कृषि वर्ष 2024-25 के लिए प्रमुख कृषि फसल उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, वर्ष 2024-25 में कुल खाद्यान्न उत्पादन 353.96 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो अब तक का सबसे अधिक खाद्यान्न उत्पादन होगा और वर्ष 2014-15 (252.02 मिलियन टन) की तुलना में यह 40 प्रतिशत अधिक रहेगा। 1960 के दशक से पहले की जड़ता और खाद्य असुरक्षा को पीछे छोड़ते हुए आज भारतीय कृषि खाद्य अधिशेष प्राप्त करने की स्थिति में आ गयी है, जिससे माल्थस की यह धारणा गलत साबित होती है कि जनसंख्या वृद्धि, खाद्य उत्पादन की तुलना में अधिक हो जाएगी। 1967 में, विलियम और पॉल पैडॉक ने भारत में अकाल की भविष्यवाणी की थी। उनका दावा था कि देश अपनी बढ़ती आबादी का पेट नहीं भर पाएगा। उन्होंने खाद्य सहायता के खिलाफ विवादास्पद तर्क दिया था, क्योंकि उन्हें डर था कि इससे भविष्य में भुखमरी और बढ़ेगी। उच्च उपज वाले चावल और गेहूं की किस्मों, कृषि रसायनों और सिंचाई से संचालित हरित क्रांति ने पैडॉक की भविष्यवाणी को गलत साबित कर दिया। भारत का खाद्यान्न उत्पादन 1966-67 के 74 मिलियन टन से बढ़ाकर 1979-80 तक 130 मिलियन टन हो गया। वार्षिक वृद्धि 8.1 मिलियन टन (2014-2025) के शिखर-बिंदु को छूते हुए 354 मिलियन टन तक पहुंच गई। बागवानी फसलें भी 1960 के दशक के 40 मिलियन टन से बढ़कर 2024-25 में 334 मिलियन टन हो गई, जिसमें हाल ही में 7.5 मिलियन टन की वार्षिक वृद्धि हुई है। विपरीत परिस्थितियों को सहन करने में सक्षम किस्मों और अनुकूल कृषि पद्धतियों में प्रगति के कारण फसल उत्पादन में भी अधिक स्थिरता आयी है। भारत के डेयरी, मुर्गीपालन और मत्स्य पालन क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 1970 के दशक में शुरू हुई श्वेत क्रांति ने दूध उत्पादन को 20 मिलियन टन से बढ़ाकर 2023-24 तक 239 मिलियन टन कर दिया, जो पूरे यूरोप के बराबर है। 1980 के दशक की नीली क्रांति ने मछली उत्पादन को 2.4 मिलियन टन से बढ़ाकर 2024-25 तक 19.5 मिलियन टन कर दिया, जिससे भारत दूसरा सबसे बड़ा समुद्री खाद्य उत्पादक और निर्यातक बन गया। मुर्गीपालन, घरेलू गतिविधि से आगे बढ़कर एक उद्योग के रूप में विकसित हुआ, जिसमें अंडों का उत्पादन 10 बिलियन से बढ़कर 143 बिलियन हो गया और इसी अवधि में मुर्गी के मांस का उत्पादन 113 हजार टन से बढ़कर 5,019 हजार टन हो गया। 2014-15 और 2023-24 के बीच, पशु-स्रोत से प्राप्त खाद्य के उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गईः दूध में सालाना 10.2 मिलियन टन, अंडों में 6.8 बिलियन इकाई, ब्रॉयलर मांस में 217 हजार टन और मछली (मुख्य रूप से जलीय कृषि) में 0.78 मिलियन टन की वृद्धि हुई। प्रजनन, संसाधन प्रबंधन और कुशल जनशक्ति में तकनीकी प्रगति ने इस तेज वृद्धि को गति दी है। फल, सब्ज़ियां और पशु उत्पाद जैसे उच्च-मूल्य वाले खाद्य पदार्थ अब खाद्यान्न वृद्धि से आगे निकल रहे हैं, जो कृषि विविधीकरण, बेहतर पोषण, किसानों की आय और जलवायु विषम परिस्थितियों के प्रति सहनीयता में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। भारत की खाद्य उत्पादन सफलता पोषण, किसानों की आय, जलवायु की विषम परिस्थितियों के प्रति सहनीयता और निर्यात को बढ़ावा देने में प्रौद्योगिकी व नीति की परिवर्तनकारी भूमिका को दर्शाती है। आईसीएआर के शोध से पता चलता है कि कृषि में निवेश पर उच्च आय प्राप्त होती है- अनुसंधान और विस्तार पर खर्च किए गए प्रत्येक रुपये पर क्रमशः 13.85 रुपये और 7.40 रुपये। पीएमकेएसवाई (सिंचाई), पीएम-किसान (प्रत्यक्ष किसान सहायता), राष्ट्रीय पशुधन मिशन और नीली क्रांति जैसी हाल की सरकारी पहलों ने संसाधनों के उपयोग को बढ़ाकर, जोखिमों को कम करके और कृषि-खाद्य प्रणाली में प्रौद्योगिकी अपनाने को प्रोत्साहन देकर कृषि विकास को और मजबूती दी है।

प्रलोभन का परिणामः जब प्रकृति निगलने लगती हैं

भारत में नदियों, पहाड़ों और जल स्रोतों के साथ हो रहा खिलवाड़ अब आपदाओं का कारण बन रहा है। लालचवश लोग नदियों के पाट में मकान और पहाड़ों पर रिसॉर्ट बना रहे हैं। एक टपकता नल प्रतीक है उस सोच का, जो पर्यावरण की उपेक्षा करती है। सेल्फी, पर्यटन और मुनाफे की इस भीड़ में प्रकृति दम तोड़ रही है। हमें चेतना की जरूरत है-विकास से पहले संवेदना। यदि अब भी नहीं रुके, तो अगली आपदा किसी की संवेदना नहीं देखेगी, बस सबकुछ बहा ले जाएगी। प्रकृति माफ नहीं करती, वह वापस लेती है। यह कोई आस्था नहीं थी, यह लालच था। और लालच कभी भी सुरक्षित नहीं रहता। कठोर शब्द हैं, लेकिन सच यही है कि हम एक मूर्ख और संवेदनहीन समाज में तब्दील हो चुके हैं। हम आपदाओं को रोकने के बजाय उनका इंतजार करते हैं ताकि मीडिया को दृश्य मिलें और सरकारें मुआवजे का तमाशा कर सकें। हमने पर्यावरण को सिर्फ.एक डॉक्युमेंट बना दिया है।

प्रियंका सौरभ
लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार

यह अजीब विडंबना है कि जब कोई प्राकृतिक आपदा आती है, तो हम सिर्फ. मरने वालों पर शोक प्रकट करते हैं-जबकि जिनके लालच, उपेक्षा और मूर्खता से वह आपदा आई, उन पर सवाल उठाने का साहस नहीं करते। एक नदी के बहाव में बहे मकानों और दुकानों को देखकर हम आंसू तो बहाते हैं, लेकिन क्या हम उस कुकर्म पर विचार करते हैं जिसने नदी की गोद में घर बनवा दिए? आज भारत के पहाड़ों से लेकर मैदानों तक, हर जगह मनुष्य का प्रलोभन ही विनाश का बीज बन चुका है। हाल की घटनाएं-उत्तरकाशी, जोशीमठ, केदारनाथ, किन्नौर या हिमाचल की तबाही-सभी हमें याद दिलाती हैं कि जब मनुष्य अपने हित में प्रकृति की रेखाएं मिटा देता है, तो नदी, पहाड़, बादल और धरती एक दिन सबकुछ वापस ले लेते हैं। मेरे घर के पास एक छोटा सा रेस्तरां है। उसके नल से दिन-रात पानी टपकता रहता है। मैंने कई बार कहा, लेकिन उन्हें फर्क नहीं पड़ा। एक ढीला वॉशर बदलने से समस्या हल हो सकती है, लेकिन सौ-पचास रुपये की मरम्मत उनके लिए बेमतलब है। पानी बहता है, तो बहता रहे। क्या यह एक रेस्तरां तक सीमित लापरवाही है? बिल्कुल नहीं। यह प्रतीक है उस मानसिकता का जो कहती है-ह्लजो हो रहा है, होने दो। हमें क्या फर्क पड़ता है? ह्व इस सोच के कारण हर दिन लाखों लीटर पानी व्यर्थ जाता है, गाड़ियों से निकलती धुआं-संस्कृति जारी रहती है, कचरे में दम तोड़ती गायें खड़ी रहती हैं, और हिमालय की छाती पर रिसॉर्ट्स उगते रहते हैं। भारत का हिमालय क्षेत्र न सिर्फ. भौगोलिक, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी हमारी धरोहर है। परंतु अब वह पर्यटन का बाजार बन चुका है। पहाड़ों की आत्मा शांति थी, अब वह शोर में डूब चुकी है। दो दिन की छुट्टी मिलते ही लाखों लोग सेल्फी, शराब और शोरगुल की भूख लिए हिमालय पर टूट पड़ते हैं। वे वहां शांति खोजने नहीं जाते, बल्कि वहां भी उसी बाजार को बसाना चाहते हैं जिससे भागने का दावा करते हैं। रिसॉर्ट, होटल, रेस्टोरेंट, पार्किंग, रोड-हर जगह अतिक्रमण है। पहाड़ की सीमित सहनशक्ति की कोई चिंता नहीं। जिस जमीन को सदियों से पेडों ने थामा हुआ था, वहां अब कंक्रीट की मोटी परतें बिछ गई हैं। जब बरसात आती है, तो वह जमीन अपने भीतर पानी को नहीं समेट पाती-परिणामस्वरूप, वही जल वेग बनकर जान लेता है। बादल फटते हैं, बाढ़ आती है, और हम सोशल मीडिया पर दुख प्रकट करके आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन क्या हम पूछते हैं कि उस बाढ़ ने रास्ता क्यों बदला? क्या वह प्राकृतिक था या उसे रोका गया था? नदियाँ सदियों से बहती आई हैं, उन्होंने अपने लिए रास्ता बनाया है। लेकिन जब हम घाटी में मकान बना लेते हैं, नदी के किनारे होटल ठोक देते हैं, तो वह नदी अपने रास्ते को करेगी ही। उत्तरकाशी की हालिया त्रासदी में पूरा गांव बह गया। लेकिन वह गांव पहाड़ों की गोद में नहीं था-वह नदी के पाट में बना था। यह कोई आस्था नहीं थी, यह लालच था। और लालच कभी भी सुरक्षित नहीं रहता। कठोर शब्द हैं, लेकिन सच यही है कि हम एक मूर्ख और संवेदनहीन समाज में तब्दील हो चुके हैं। हम आपदाओं को रोकने के बजाय उनका इंतजार करते हैं ताकि मीडिया को दृश्य मिलें और सरकारें मुआवजे का तमाशा कर सकें। हमने पर्यावरण को सिर्फ.एक डॉक्युमेंट बना दिया है। नीति आयोग से लेकर नगर पंचायत तक, हर स्तर पर विकास का मतलब अतिक्रमण हो गया है। क्या यह दुखद नहीं कि पहाड़ों पर हो रही तबाही के बीच भी लोग डील खोज रहे हैं-इस सीजन होटल सस्ते मिल जाएंगे? क्या हमने चेतना खो दी है? दिल्ली के डीएनडी फ्लाईओवर पर एक ऑटो चालक ने मुझे बताया कि उसने किसी को यमुना में प्लास्टिक की बोतल फेंकते देखा और बहुत दुखी हुआ। एक छोटे इंसान की बड़ी भावना! लेकिन क्या उस भीड़ को कोई समझा सकता है जो हर नदी, हर घाट, हर पहाड़ को बस घूमने की जगह समझती है? हमारी आंतरिक यात्रा कभी शुरू ही नहीं होती। हम गाड़ी में बैठकर पहाड़ तक तो पहुंच जाते हैं, लेकिन हमारे अंदर का इंसान वहीं के वहीं मैदान में पड़ा रहता है-लालची, उपभोगी और शोरगुल में डूबा। रेस्तरां का टपकता नल भले ही प्रतीकात्मक हो, लेकिन यह उसी उपेक्षा का प्रतीक है जो हमने हिमालय और पर्यावरण के साथ बरती है। हम जिस संसाधन को रोज टपकने देते हैं-पानी, हवा, हरियाली, मिट्टी, हिमनद-वे एक दिन सूख जाएँगे। फिर नल नहीं टपकेगा, तब शायद उसमें से हवा भी न निकले। हम गाय को कचरा खिला कर भी उससे दूध की उम्मीद रखते हैं। हम पेड़ काटकर भी चाहते हैं कि बारिश हो। हम नदी को नाला बनाकर भी उससे आचमन की कामना करते हैं। क्या यह पाखंड नहीं है? अब समय मौन शोक का नहीं, चेतना का है। अगर हम नहीं चेते, तो अगली बार कोई नदी, कोई पहाड़, कोई हवा, कोई भूचाल हमें बख्शेगा नहीं। हमें पुनर्विचार करना होगा किः क्या हम अपने छोटे-छोटे प्रलोभनों को तिलांजलि देने को तैयार हैं? क्या हम पर्यावरणीय संतुलन को विकास की नींव बना सकते हैं? क्या हम घूमने की जगह जुड़ने की भावना से प्रकृति के पास जा सकते हैं? क्या हम एक नल टपकने से पहले उसे ठीक कर सकते हैं-ताकि एक पहाड़ गिरने से रोका जा सके? मैं हिमालय नहीं जाती, न ही अपनी यात्राओं को पहाड़ों पर थोपती हूँ। यह कोई त्याग नहीं, सिर्फ.समझदारी है। मैं विंध्याचल और अरावली की छोटी पहाड़ियों से संतुष्ट हूँ, क्योंकि मुझे लगता है कि हिमालय की छाती पहले ही विदीर्ण है-उसे और कष्ट देना अब पाप है। जब तक हम विकास को सिर्फ.भवनों और दुकानों में मापते रहेंगे, तब तक विनाश हमारा पीछा नहीं छोड़ेगा। हर बहता नल एक आपदा की दस्तक है। हर रिसता पहाड़, हर भरा हुआ नदी का पाट, हर टूटता पुल हमें चेतावनी देता है-कि प्रलोभन का परिणाम बहुत गहरा होता है। नदियाँ जब निगलने लगती हैं, तब देर हो जाती है।

प्राकृतिक आपदाओं से जूझता हिमाचल

यह समय आत्ममंथन का है, व्यवस्था की समीक्षा का है और नई दिशा तय करने का है। जो परिवार अपने प्रियजनों को इन आपदाओं में खो चुके हैं, उनके घाव कभी नहीं भर सकते, लेकिन हम सबके लिए यह चेतावनी अवश्य है कि अब समय आ गया है चेतने का, समझने का और संभलने का। पहाड़ी प्रदेश उत्तराखंड में पांच अगस्त को एक जगह बादल फटने से कई लोगों की मौत हो गई, कई लापता हो गए और कइयों को बचा लिया गया। ऐसे में जब भी मौसम कुछ अधिक उग्र होता है, तबाही निश्चित हो जाती है। प्रदेश सरकार को चाहिए कि आपदा जोखिम को कम करने के लिए बनाए गए नियमों को सख्ती से लागू करे। अधिकारी केवल फाइलों तक सीमित न रहें, बल्कि जमीनी स्तर पर जाकर कार्य करें।

अनुज आचार्य
लेखक

हिमाचल इस समय प्रकृति के विकराल प्रकोप से कराह रहा है। 20 जून 2025 से प्रदेश में जारी मूसलाधार बारिश ने न केवल जनजीवन को अस्त-व्यस्त किया है, बल्कि लोगों के जीवन, संपत्ति, संसाधनों और भविष्य पर भी प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। 30 जून की रात मंडी जिले के सराज क्षेत्र की रोहांडी की पहाडिों पर बादल फटने की घटना के बाद भराड़, शरण, रुकचूई, प्याला, लंबाथाच, देजी और थुनाग जैसे गांवों में जो तबाही मची, उसने वहां के निवासियों की वर्षों की पूंजी और स्मृतियों को मिट्टी में मिला दिया। सडकों का टूटना, पुलों का बह जाना, वाहन दुर्घटनाएं, बिजली और जल योजनाओं का ध्वस्त हो जाना, यह सब मानो हिमाचल के विकास को एक झटके में दशकों पीछे ले गया। अभी यह आपदा पूरी तरह थमी भी नहीं थी कि 28 जुलाई को मंडी शहर के सैण मोहल्ले में आई बाढ़ ने चार लोगों की जान ले ली। लगभग 22 परिवारों को अपने घर छोडे पड़े, 50 मकान क्षतिग्रस्त हो गए और दो सौ से अधिक वाहन पानी में बह गए। उधर ऊना शहर में शनिवार 2 अगस्त को मूसलाधार बारिश ने 38 वर्षों का रिकार्ड तोड़ दिया। छह घंटे में कुल 222.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इससे पहले वर्ष 1988 में 198 मिलीमीटर बारिश हुई थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में 20 जून से 31 जुलाई तक की अवधि में हुई घटनाओं पर यदि एक नजर डालें, तो 173 लोगों की मृत्यु दर्ज की गई, जिनमें 95 मौतें प्राकृतिक आपदाओं और 78 सडक दुर्घटनाओं में हुईं। हिमाचल जैसे संवेदनशील पहाड़ी राज्य में निर्माण कार्यों को लेकर अब तक कोई समग्र, वैज्ञानिक और स्थानीय भूगोल के अनुकूल नीति नहीं बन सकी है। अतिक्रमण, अनियंत्रित शहरीकरण, अवैध निर्माण और प्राकृतिक जल स्त्रोतों, नालों व नदियों पर अतिक्रमण हमारी त्रासदी को निमंत्रण देने वाली भूलें हैं। यह देखना बेहद पीड़ादायक है कि सडक किनारे, नदियों के तटों और नालों पर खुलेआम निर्माण हो रहे हैं और संबंधित विभाग आंखें मूंदे हुए हैं। उदाहरण के लिए कांगड़ा जिले में अवेरी से पालमपुर तक राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे दशकों पुराने प्राकृतिक नालों पर किए गए अतिक्रमण किसी से छिपे नहीं हैं। क्या इन निमार्णों को देखना और रोकना लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, एनएचएआई और पंचायत प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी नहीं है? हमें यह स्वीकार करना होगा कि हिमाचल में आपदाएं अब केवल प्रकृति की नहीं, बल्कि हमारी नीतिगत विफलताओं की भी देन हैं। विकास की अंधी दौड़ में हमने प्रकृति की सीमाएं लांघ दी हैं। पहाड़ों की काटछांट, नदियों के किनारों का अतिक्रमण, जंगलों की बेरहम कटाई और पर्यावरणीय प्रभाव का आंकलन किए बिना निर्माण कार्यों ने इस भूगोल को अस्थिर बना दिया है। ऐसे में जब भी मौसम कुछ अधिक उग्र होता है, तबाही निश्चित हो जाती है। प्रदेश सरकार को चाहिए कि आपदा जोखिम को कम करने के लिए बनाए गए नियमों को सख्ती से लागू करे। अधिकारी केवल फाइलों तक सीमित न रहें, बल्कि जमीनी स्तर पर जाकर कार्य करें। राहत और पुनर्वास की कार्यवाही पारदर्शी हो और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र मजबूत किया जाए। जनजागरूकता अभियान गांव-गांव तक पहुंचे और आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण स्कूली शिक्षा से ही प्रारंभ किया जाए। राष्ट्रीय स्तर पर भी कुछ सकारात्मक प्रयास सामने आए हैं। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हिमाचल में आपदाओं की आवृत्ति और तीव्रता को देखते हुए एक बहुक्षेत्रीय केंद्रीय टीम के गठन का निर्देश दिया है। वहीं, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा ह्यसचेतह्व नामक मोबाइल ऐप शुरू किया गया है, जो आपदा से जुड़ी चेतावनियों और सूचनाओं का सटीक माध्यम बन सकता है। नागरिकों को राज्य और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की वेबसाइटों से भी निरंतर जानकारी लेनी चाहिए। हम स्कूली पाठ्यक्रमों में ह्यसतत पोषणीय विकासह्व की अवधारणा पढ़ाते हैं, जिसका सार यह है कि वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए भविष्य की आवश्यकताओं के लिए संसाधनों का संरक्षण किया जाए। दूसरी तरफ सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल में हो रहे अनियंत्रित विकास पर गहरी चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राजस्व के लिए पर्यावरण की बलि नहीं दी जा सकती। नदी नालों के किनारों पर अतिक्रमण, जल विद्युत परियोजनाएं, चौड़ी सडकें, वनों की कटाई और बहुमंजिला इमारतें राज्य में आपदाओं के मुख्य कारण हैं। हिमालय की नाजुक पारिस्थितिकी में कोई भी निर्माण कार्य भूवैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और स्थानीय लोगों की राय के बिना नहीं होना चाहिए। अनियंत्रित पर्यटन ने भी पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया है। कोर्ट ने चेताया कि यदि हालात नहीं सुधरे, तो हिमाचल नक्शे से गायब हो सकता है और भगवान न करे ऐसा हो। आज का हिमाचल एक बार फिर चौराहे पर खड़ा है, जहां एक ओर भौतिक विकास की चाह है और दूसरी ओर प्रकृति का स्पष्ट संदेश कि यदि अब भी नहीं चेते, तो वह बार-बार अपने रास्ते खुद बनाएगी और वह रास्ते विनाश की ओर ही जाएंगे। अतः यह स्पष्ट है कि पहाड़ी क्षेत्रों में हो रहे कटाव, भूस्खलन और सडकों के धंसने जैसी आपदाओं के लिए प्रकृति नहीं, बल्कि मानव की अविवेकपूर्ण योजनाएं, लालची विकास मॉडल और पर्यावरणीय उपेक्षा ही मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। जब तक विकास की दिशा में संतुलन और संवेदनशीलता नहीं लाई जाती, तब तक ऐसी त्रासदियां दोहराती रहेंगी।

सवालों में घिरे माननीय - लोकतंत्र पर खतरा

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में जब आम नागरिक अपने मत का प्रयोग करता है, तो उसके मन में यह उम्मीद होता है कि जो जनप्रतिनिधि वह चुन रहे है, वह उसकी आवाज बनेगा, उसकी समस्याओं को विधानसभाओं और संसद तक पहुंचाएगा, और जवाबदेही तय कर उसे समाधान भी दिलाएगा। लेकिन दुर्भाग्यवश, राजनीति का जो चेहरा आज सामने उभर रहा है, वह इस विश्वास को बार-बार तोड़ रहा है। जनप्रतिनिधि ही जब भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, और ब्लैकमेलिंग में लिप्त पाए जाएं, तो सवाल लोकतंत्र की नींव पर खड़ा होने लगता हैं। राजस्थान में भारत आदिवासी पार्टी (वीएपी) के विधायक जयकृष्ण पटेल द्वारा विधानसभा में सवाल न पूछने के बदले खनन माफिया से 10 करोड़ की मांग करना, केवल एक विधायक का निजी भ्रष्ट आचरण नहीं है बल्कि भारतीय राजनीति के भीतर फैली उस गंदगी की बानगी है जो लोकतंत्र को भीतर से खोखला कर रहा है। भारत की संसदीय प्रणाली में प्रश्नकाल एक ऐसा अवसर होता है, जब विपक्ष सरकार से सीधे सवाल करता है और उसे जवाब देने के लिए मजबूर करता है। प्रश्नकाल केवल राजनीति का मंच नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक संवाद का सबसे बड़ा औजार है। जनता की आवाज जब विधायिका में गूंजती है, तब सरकार की जवाबदेही भी तय होती है। लेकिन यदि चुने गए प्रतिनिधि इस मंच का इस्तेमाल सौदेबाजी, दलाली या ब्लैकमेलिंग के लिए करने लगें, तो यह न केवल संसद की गरिमा का अपमान है बल्कि लोकतंत्र के प्रति गहरी असंवेदनशीलता भी है। जब सवाल पूछने के बदले करोड़ों की डील होती है, तब यह साबित करता है कि कुछ माननीयों के लिए लोकतंत्र महज एक बिजनेस मॉडल बन गया है। यह पहली बार नहीं है जब सवाल पूछने को लेकर जनप्रतिनिधि विवादों में आए हों। वर्ष 2005 में कैश फॉर क्वेश्चन स्कैम सामने आया था, जिसमें 11 सांसदों को कैमरे पर पैसे लेते हुए पकड़ा गया था। इन सांसदों ने कुछ विशेष व्यवसायिक घरानों के लिए सवाल पूछने के बदले रिश्वत ली थी। संसद की जांच समिति की सिफारिश पर इन सभी को तत्काल निष्कासित कर दिया गया था। हाल ही में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पर उद्योगपति गौतम अडानी से जुड़े सवाल पूछने के लिए कारोबारी से ह्यगिफ्टह्व लेने का आरोप लगा। लोकसभा की एथिक्स कमेटी की सिफारिश पर उन्हें भी लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया। इन घटनाओं से यह स्पष्ट है कि भ्रष्टाचार किसी एक पार्टी, जाति या राज्य तक सीमित नहीं है। यह पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त एक गहरी बीमारी है, जिसका इलाज अब समय की मांग बन चुका है। राजनीति वह साधन है जो समाज के सबसे निचले वर्ग को भी ऊपर उठाने की क्षमता रखता है। यदि जनप्रतिनिधि ईमानदार हो, तो समाज की दिशा और दशा दोनों सुधर सकता है। लेकिन जब वही प्रतिनिधि रिश्वत ले, सत्ता का दुरुपयोग करे, और जनता के साथ विश्वासघात करे, तो लोकतंत्र पर से जनता का भरोसा उठने लगता है। ईमानदारी न केवल नैतिक गुण है, बल्कि यह नेतृत्व की नींव है। एक भ्रष्ट नेता, चाहे वह विधायक हो या सांसद, न केवल अपने क्षेत्र की समस्याओं को दरकिनार करता है, बल्कि लोकतंत्र को व्यापार में बदल देता है। प्रश्नकाल की शुरूआत ब्रिटिश संसदीय परंपरा से हुई है, जहां जनता के प्रतिनिधि सरकार से नीति और निर्णयों पर सवाल करते थे।

मोदी-ट्रंप युग के आईने में भारतीय आत्मनिर्भरता और विदेश नीति की समीक्षा

डॉ. नयन प्रकाश गांधी,
युवा मैनेजमेंट विश्लेषक

विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विश्व की चौथी महाशक्ति भारत पर 25% अतिरिक्त टैरिफ लगाने के आदेश से भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में तनाव गहराने की आशंका है वहीं देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी कुशल कूटनीति और प्रभावशाली व्यक्तित्व से वैश्विक मंच पर भारत की एक नई पहचान बनाई है। विशेष रूप से, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी केमिस्ट्री की दुनिया भर में चर्चा हुई। ह्यूस्टन में हाउडी मोदी और अहमदाबाद में नमस्ते ट्रंप जैसे भव्य कार्यक्रमों ने दोनों नेताओं के बीच की गर्मजोशी को प्रदर्शित किया। इन आयोजनों के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल वैश्विक पटल पर भारत की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई, बल्कि प्रवासी भारतीयों में भी एक नए आत्मविश्वास का संचार किया।लेकिन इस प्रशंसा और गर्मजोशी के पर्दे के पीछे एक और सच्चाई है—दादागिरी या अमेरिकी दबाव की। यह एक ऐसा द्वंद्व है जिसमें भारत को अपने राष्ट्रीय हितों और वैश्विक दबावों के बीच संतुलन साधना पड़ता है। ट्रंप प्रशासन ने जहां एक ओर मोदी की प्रशंसा की, वहीं दूसरी ओर अमेरिका फर्स्ट की अपनी नीति के तहत भारत पर व्यापार और अन्य मुद्दों को लेकर लगातार दबाव भी बनाया। यह स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या वैश्विक मित्रता केवल दिखावे तक सीमित है और असली कूटनीति परदे के पीछे से ही संचालित होती है?

स्वदेशी की नई परिभाषा और चुनौतियाँ

इस वैश्विक परिदृश्य में, स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत की अवधारणाएं अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती हैं। हालांकि, आज के स्वदेशी की भावना महात्मा गांधी के स्वदेशी से भिन्न है। गांधीजी का स्वदेशी केवल विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार तक सीमित नहीं था; यह एक सकारात्मक दर्शन था जो आत्मनिर्भरता, ग्राम स्वराज और मानवीय मूल्यों पर आधारित था। इसका उद्देश्य भारत को आंतरिक रूप से मजबूत बनाना था ताकि वह किसी बाहरी शक्ति पर निर्भर न रहे। डॉ नयन प्रकाश गांधी के अनुसार, आज स्वदेशी का विचार एक ह्यविशेष समूहों या विचारधाराओं तक सीमित होकर रह गया है। सच्ची आत्मनिर्भरता के लिए आवश्यक है कि हम अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करें, घरेलू उत्पादन को विश्व-स्तरीय बनाएं, और अपनी संस्थागत प्रणालियों में सुधार करें। केवल भावनात्मक नारों या प्रतीकात्मक कार्यों से देश आत्मनिर्भर नहीं बन सकता। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारा स्वदेशी अभियान हमें दुनिया से अलग-थलग न कर दे, बल्कि हमें एक मजबूत और आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में दुनिया के साथ जुड़ने में सक्षम बनाए। आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए यह जरूरी है कि भारत अपनी निर्माण क्षमता को बढ़ाए और चीन जैसे देशों पर अपनी निर्भरता कम करे। इसके लिए एक दीर्घकालिक और सुविचारित रणनीति की आवश्यकता है, जिसमें व्यापार नीतियों, औद्योगिक सुधारों और तकनीकी नवाचार पर ध्यान केंद्रित किया जाए।

दायित्व और वक्तव्यों की गंभीरता

कूटनीति और राजनीति में शब्दों का बहुत महत्व होता है। नेताओं द्वारा दिए गए बयानों का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गहरा प्रभाव पड़ता है। एक गैर-जिम्मेदाराना बयान देशों के बीच संबंधों को बिगाड़ सकता है, जबकि एक सोचा-समझा वक्तव्य मुश्किल परिस्थितियों में भी सकारात्मक माहौल बना सकता है। प्रधानमंत्री मोदी इस बात को समझते हैं और उनकी संवाद शैली इसका प्रमाण है। हालांकि, यह भी आवश्यक है कि सरकार की नीतियां और कार्य उसके बयानों के अनुरूप हों। प्रशंसा और दबाव के इस वैश्विक खेल में, भारत को अत्यंत सावधानी, दूरदर्शिता और रणनीतिक स्पष्टता के साथ आगे बढ़ना होगा ताकि देश के हितों की रक्षा की जा सके और एक वास्तविक आत्मनिर्भर भारत का निर्माण हो सके।

संक्षिप्त खबरें

गंगा, यमुना और शारदा समेत कई प्रमुख नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित जलग्रहण क्षेत्र में व्यापक वर्षा होने से गंगा, यमुना और शारदा समेत राज्य की अनेक प्रमुख नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बना हुआ है। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को गंगा नदी कछला पुल (बदायूं), गाजीपुर, छतनाग और फाफामऊ (प्रयागराज), बलिया, मिजार्पुर और वाराणसी में खतरे के निशान से ऊपर है। रिपोर्ट के अनुसार कछला पुल पर गंगा नदी का जलस्तर बढ़ रहा है जबकि गाजीपुर में यह स्थिर है। वहीं छतनाग और फाफामऊ (प्रयागराज), बलिया, मिजार्पुर और वाराणसी में नदी का जलस्तर घट रहा है। इसी तरह, घाघरा नदी अयोध्या और एल्गिन ब्रिज (बाराबंकी) में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। अयोध्या में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ रहा है जबकि एल्गिन ब्रिज पर स्थिर है। नैनी (प्रयागराज) में खतरे के निशान से ऊपर बह रही यमुना नदी का जलस्तर भी कम होने लगा है। वहीं, भिनगा (श्रावस्ती) और राप्ती बैराज (श्रावस्ती) में खतरे के निशान से ऊपर बह रही राप्ती नदी का जलस्तर भी घट रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक शारदा नहर पलियाकलां (लखीमपुर खीरी) में अब भी खतरे के निशान से ऊपर है मगर अब इसका जलस्तर कम हो रहा है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली और ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की मौत

मथुरा। मथुरा जिले के यमुना पार क्षेत्र में बरेली-मथुरा राजमार्ग पर बृहस्पतिवार तड़के टायर पंक्चर होने के कारण अनियंत्रित हुए एक ट्रक के सामने से आ रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकरा जाने से तीन लोगों की मौत हो गई तथा एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर क्षेत्र) राजीव कुमार ने बताया कि सिहोरा गांव के पास ट्रक का अगला टायर पंक्चर हो गया जिससे वह अनियंत्रित होकर दूसरी तरफ से आ रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराया। टक्कर लगने से ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गयी और उसमें आग लग गई। उन्होंने बताया कि इस हादसे में ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार भीम, भूपेंद्र और बबली (सभी 40 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि सोनू (42) नामक एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सवार सभी लोग राजस्थान में भरतपुर जिले के बयाना थाना क्षेत्र में लहचोरा कला गांव के निवासी थे। वे कासगंज के सोरों इलाके से गंगाजल लेकर भरतपुर लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने टक्कर मारने वाले ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

भैंस के सींग लादकर ले जा रहे ट्रक में ग्रामीणों ने लगायी आग

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर जिले में भैंस के सींग लादकर ले जा रहे ट्रक में विवाद के बाद ग्रामीणों ने आग लगा दी। पुलिस ने अज्ञात लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने बृहस्पतिवार को बताया कि थाना कलान क्षेत्र के जलालाबाद-बदायूं मार्ग पर सुबह एक ट्रक में भैंस के सींग लादकर ले जाए जा रहे थे। उन्होंने बताया कि यह ट्रक जब वाराकला के पास पहुंचा तभी ट्रक चालक का ग्रामीणों से कुछ विवाद हो गया इसके बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने ट्रक में तोड़फोड़ की। बाद में इसके टायरों में आग लगा दी। द्विवेदी ने बताया कि अग्निशमन दल की गाड़ियों ने आग बुझाई। मामले में अज्ञात लोगों पर ट्रक में आग लगाने की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। द्विवेदी ने बताया कि मौके पर पशु चिकित्सक को बुलाया गया और उनकी जांच में पाया गया कि ट्रक में जो सींग लदे हैं वह भैंस के हैं। इसके बाद भी उन्होंने सींग का नमूना लेकर जांच के लिए भेज दिया है।

जान से मारने की नीयत से गोलियां चलाने के आरोप में तीन अभियुक्तों पर मुकदमा

लखनऊ,। राजधानी लखनऊ के महिगवां क्षेत्र में आतंक फैलाने और जान से मारने के उद्देश्य से गोलीबारी करने के आरोप में तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बृहस्पतिवार को बताया कि महिगवां थाना क्षेत्र के किशनपुर ने भूखंड की खरीद-फरोख्त का काम करने वाले कल्याणपुर निवासी दुर्गेश सिंह की तहरीर पर बुधवार रात राजीव कुमार उर्फ राजू रावत, मुख्तार गाजी एवं कुद्दूस गाजी नामक बदमाशों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 61(2) (आपराधिक षड्यंत्र), 351(3) (आपराधिक धमकी) और 109(1) (हत्या का प्रयास) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।दर्ज मुकदमे में वादी दुर्गेश सिंह ने आरोप लगाया है कि तीनों अभियुक्तों ने पिछले महीने 15 जुलाई को किशनपुर गांव में उसके कार्य स्थल पर पहुंचकर उसके भतीजे पंकज सिंह को जान से मारने के लिए गोलियां चलाईं। उसने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई। इस दौरान आरोपियों ने हवा में भी गोलीबारी करते हुए धमकी दी कि अगर दोबारा इलाके में दिखायी दिये तो जान से मार देंगे।

संभल के साथ पाप करने वालों को मिलेगी सजा, दंगाइयों पर बरस रहा महाकाल का प्रकोप : योगी आदित्यनाथ

- संभल में 659 करोड़ की 222 विकास परियोजनाओं का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण और शिलान्यास
- जनसभा को संबोधित करते हुए दंगाइयों के साथ ही सपा और कांग्रेस पर जमकर बरसे सीएम योगी
- मुख्यमंत्री ने नवजात बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया
- कार्यक्रम स्थल पर लगी प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री ने किया अवलोकन

प्रात : किरण संवाददाता

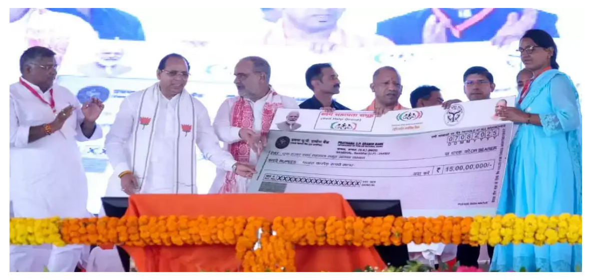

संभल,। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को संभल जिले के बहजोई में 659 करोड़ की 222 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने संभल के धार्मिक विरासत के संरक्षण, ऐतिहासिक अन्यायों और राजनीतिक विरोधियों पर तीखे हमले किये। सीएम योगी ने संभल को हिंदू आस्था का प्रतीक बताते हुए विदेशी आक्रांताओं, कांग्रेस और सपा को निशाने पर लिया और चेतावनी दी कि ह्यसंभल के साथ पाप करने वालों को उनके पापों की कड़ी सजा मिलेगी। उनके भाषण ने सभा में उपस्थित हजारों लोगों को जोश से भर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को संभल जिले के बहजोई में 659 करोड़ की 222 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने संभल के धार्मिक विरासत के संरक्षण, ऐतिहासिक अन्यायों और राजनीतिक विरोधियों पर तीखे हमले किये। सीएम योगी ने संभल को हिंदू आस्था का प्रतीक बताते हुए विदेशी आक्रांताओं, कांग्रेस और सपा को निशाने पर लिया और चेतावनी दी कि ह्यसंभल के साथ पाप करने वालों को उनके पापों की कड़ी सजा मिलेगी। उनके भाषण ने सभा में उपस्थित हजारों लोगों को जोश से भर दिया। विदेशी बर्बर आक्रांताओं ने हमारे तीर्थों को अपवित्र और नष्ट करने का कार्य किया योगी आदित्यनाथ ने संभल की ऐतिहासिक सच्चाई को उजागर करते हुए विदेशी आक्रांताओं पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि संभल में कभी 68 तीर्थ, 19 पावन कूप और परिक्रमा मार्ग थे, लेकिन विदेशी बर्बर आक्रांताओं ने हमारे तीर्थों को अपवित्र और नष्ट करने का कार्य किया। सभी कूपों और तीर्थों पर कब्जे हो गए। 24 और 84 कोस परिक्रमा मार्ग को बाधित किया गया। एक सत्य को छिपाने का कुत्सित प्रयास किया गया। मुख्यमंत्री ने इस अन्याय को कुत्सित चेष्टा बताते हुए जोर देकर कहा कि उनकी सरकार अब इन 68 तीर्थों और 19 कूपों के पुनरोद्धार की जिम्मेदारी उठाएगी। उन्होंने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे उन्होंने काशी विश्वनाथ और सोमनाथ मंदिरों का पुनरोद्धार किया, वैसे ही संभल के तीर्थों को भी नया जीवन दिया जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि विकास तभी सार्थक होता है जब वह विरासत के साथ जुड़ता है। ये विरासत का संरक्षण भी है और वर्तमान एवं भविष्य के सुनहरे सपने को उड़ान देने का अभियान है। जिनकी पृष्ठभूमि विवादित, उन्हें हिन्दू परंपरा में विवाद नजर आता है मुख्यमंत्री ने संभल की धार्मिक महत्वता पर जोर देते हुए कहा कि यह स्थान हरि (विष्णु) और हर (शिव) दोनों का सामूहिक दर्शन स्थल है, जहां भगवान विष्णु के 10वें अवतार कल्कि अवतरित होंगे। उन्होंने पुराणों का हवाला देते हुए बताया कि श्रीमद्भागवत महापुराण, स्कंद पुराण और विष्णु पुराण में संभल की चर्चा है और यह कलियुग में भगवान कल्कि के अवतार का केंद्र होगा। सीएम योगी ने कहा कि कुछ लोगों को ये विवादित विषय लगता होगा, क्योंकि जिनकी पृष्ठभूमि ही विवादित है, उन्हें हिंदू परंपरा में विवाद नजर आता है। मगर ये विवाद का विषय नहीं हो सकता। उन्होंने स्पष्ट रूप से उन लोगों पर निशाना साधा जो हिंदू विरासत को विवादित बनाने की कोशिश करते हैं और चेतावनी दी कि ऐसे कुत्सित प्रयासों को ध्वस्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को संभल जिले के बहजोई में 659 करोड़ की 222 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने संभल के धार्मिक विरासत के संरक्षण, ऐतिहासिक अन्यायों और राजनीतिक विरोधियों पर तीखे हमले किये। सीएम योगी ने संभल को हिंदू आस्था का प्रतीक बताते हुए ।

यूपी टूरिज्म का ग्लोबल शोकेस बनेगा पेरिस का आईएफटीएम

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश को बीते 8 साल में बीमारू प्रदेश से उबार कर देश का ग्रोथ इंजन बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अब यूपी के पर्यटन सेक्टर को ग्लोबल मार्केट से जोड़ने का बीड़ा उठा लिया है। पर्यटन विभाग के अधिकारियों को आगामी 23 से 25 सितम्बर के बीच फ्रांस की राजधानी पेरिस के पोर्टे डे वर्सेल्स में आयोजित होने वाले ह्यइंटरनेशनल एंड फ्रेंच ट्रैवल मार्केट (आईएफटीएम) टॉप रेसा 2025 में भागीदारी के लिए तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए हैं। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यह अंतरराष्ट्रीय आयोजन प्रतिवर्ष होता है। इस ह्यइंटरनेशनल एंड फ्रेंच ट्रैवल मार्केट में यूपी पर्यटन विभाग प्रदेश के टूरिज्म सेक्टर की अनगिनत संभावनाओं को दुनिया के सामने रखने की पूरी योजना बना रही है। ताकि विदेशी पर्यटक और निवेशक उत्तर प्रदेश की ओर आकर्षित हो सकें। इस आयोजन में 120 से अधिक देशों के प्रतिनिधि जुटेंगे। आईएफटीएम टॉप रेसा 2025 में छाने की हो रही जोरदार तैयारी इंटरनेशनल एंड फ्रेंच ट्रैवल मार्केट (आईएफटीएम) टॉप रेसा 2025 के लिए यूपी पर्यटन विभाग जोर-शोर से तैयारी कर रहा है। यहां विदेशी आगंतुकों को उत्तर प्रदेश के स्थानीय उत्पाद, हस्तशिल्प, जैसे ओडीओपी उत्पादों और विविध संस्कृतियों की झलक दिखाई जाएगी। स्टॉल पर उत्तर प्रदेश के हस्तशिल्प, कलाकृतियां और मंदिर वास्तुकला से सजा रचनात्मक सेट-अप होगा, जो आगंतुकों को सीधे आकर्षित करेगा। फ्रांस और भारत के बीच और मजबूत होगा पर्यटन का रिश्ता बता दें कि, हर साल करीब 3 लाख फ्रेंच पर्यटक भारत आते हैं। वहीं 7 लाख भारतीय पर्यटक फ्रांस की सैर करते हैं। यह आंकड़े दोनों देशों के बीच पर्यटन के मजबूत रिश्ते को दिखाते हैं। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग इस अवसर का लाभ उठाकर फ्रेंच और यूरोपीय पर्यटकों को वाराणसी, अयोध्या और बौद्ध सर्किट जैसे स्थलों की ओर आमंत्रित करने की तैयारी कर रहा है, जहां वे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुभव ले सकेंगे। पेरिस में टूरिज्म सेक्टर के दिग्गजों से जुड़ने का सुनहरा मौका यूपी के लिए पेरिस में फ्रेंच और यूरोपीय ट्रैवल प्रोफेशनल्स, टूर ऑपरेटर्स तथा पर्यटन निवेशकों से जुड़ने का यह महत्वपूर्ण अवसर है। पर्यटन विभाग यहां अपने स्टॉल पर आकर्षक डिस्प्ले, एलईडी स्क्रीन और इंटरएक्टिव कियोस्क के जरिए उत्तर प्रदेश को आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र के तौर पर दर्शाएगा। इससे न केवल विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि इससे भारत और यूरोप के बीच नए व्यापारिक रिश्ते भी बनेंगे। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में भी यह उपयोगी होगा। उल्लेखनीय है कि, उत्तर प्रदेश में आने वाले विदेशी पर्यटकों में दक्षिण एशियाई देशों के टूरिस्ट्स की संख्या ज्यादा है। योगी सरकार का फोकस है कि यूरोपीय और पश्चिमी देशों के पर्यटकों को भी बड़ी तादात में आकर्षित किया जाए। महाकुम्भ के दौरान प्रदेश में विदेशी पर्यटकों की आमद में खासतौर पर पश्चिमी देशों के पर्यटकों की भी बड़ी संख्या देखने को मिली थी, जिसे आगे भी जारी रखने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। इस कड़ी में ह्यइंटरनेशनल एंड फ्रेंच ट्रैवल मार्केट (आईएफटीएम) टॉप रेसा 2025ह्न एक अहम कड़ी साबित हो सकता है। यूपी के हेरिटेज और वेलनेस पर्यटन पर होगा विशेष जोर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पर्यटन विभाग यहां के हेरिटेज टूरिज्म, वेलनेस और आयुर्वेद, इको और ग्रामीण पर्यटन की विशिष्टताओं को प्रदर्शित कर विदेशी सैलानियों और निवेश को आकर्षित करने के लिए विशेष तैयारी कर रहा है। आयुर्वेद रिट्रीट, योग केंद्र और ग्रामीण होमस्टे जैसे अवसरों को पेरिस में आयोजित होने वाले इवेंट में विशेष रूप से हाइलाइट किया जाएगा। उत्तर प्रदेश की पर्यटन नीति के तहत निवेशकों को पूंजीगत सब्सिडी, भूमि आवंटन और आसान मंजूरी जैसे लाभ बताए जाएंगे, जो यहां के खंडहर हो रहे किले, महल और आध्यात्मिक स्थलों के विकास में मदद करेंगे। आगंतुक उठा सकेंगे यूपी की सांस्कृतिक कलाओं का लुत्फ विभाग उत्तर प्रदेश के पारम्परिक नृत्यों जैसे मयूर नृत्य, रास लीला, आदिवासी नृत्य, बुंदेली लोक नृत्य और कथक को लाइव प्रदर्शित करने की तैयारी कर रहा है।

इन्वेस्ट यूपी के पूर्व सीईओ, अन्य के खिलाफ धनशोधन मामले में ईडी के लखनऊ में छापे

लखनऊ,। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने निलंबित आईएएस (भारतीय प्रशासनिक सेवा) अधिकारी एवं इन्वेस्ट यूपी के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अभिषेक प्रकाश, कथित बिचौलिए निकांत जैन और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ धन शोधन के एक मामले में बृहस्पतिवार को यहां छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि प्रकाश की ओर से कथित तौर पर रिश्वत मांगने वाले निकांत जैन के घर सहित उसके चार परिसरों की धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत तलाशी ली जा रही है। उन्होंने बताया कि जैन के घर के अलावा, उससे और उसके परिवार के सदस्यों से संबंधित कंपनियों के कार्यालयों के रूप में पंजीकृत दो परिसरों पर भी छापे मारे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि उस होटल में भी छापे मारे जा रहे हैं जिसमें उसके परिवार के सदस्य संयुक्त निदेशक हैं। इससे पहले जैन को उत्तर प्रदेश पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उत्तर प्रदेश सरकार ने 2006 बैच के आईएएस अधिकारी प्रकाश को इस साल मार्च में उस समय निलंबित कर दिया था जब सौर उद्योग के एक निवेशक ने जैन पर परियोजनाओं को मंजूरी दिलाने के लिए कमीशन मांगने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। इन्वेस्ट यूपी निवेश को प्रोत्साहित करने वाली राज्य की एजेंसी है जिसका उद्देश्य निवेश आकर्षित करना और उसे सुगम बनाना है। प्रकाश इसके सीईओ के रूप में कार्यरत थे। अधिकारियों ने पहले बताया था कि जैन को एक उद्यमी के प्रस्ताव को इन्वेस्ट यूपी के अधिकारियों की मदद से मंजूरी दिलाने के लिए उससे पैसे मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

बाढ़ से बंद हुए रास्ते, नाव पर सवार होकर बिहार से बलिया पहुंची बारात

प्रात : किरण संवाददाता

बलिया। बलिया में गंगा नदी में आयी बाढ़ से सड़क मार्ग बंद हो जाने के कारण बिहार से एक बारात नाव पर सवार होकर बलिया पहुंची। नाव पर सवार बारातियों को नदी की मौजों से बेखबर पूरे उत्साह से तालियां बजाते हुए मंजिल की तरफ बढ़ने का नजारा ग्रामीणों के लिये कौतूहल भरा रहा। यह पूरा मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। बिहार के बक्सर जिला के नैनीजोर लाल डेरा गांव के रहने वाले कमलेश राम के बेटे राजेश कुमार की शादी बलिया के बेयासी गांव में तय हुई थी। शादी की तैयारियों के बीच बक्सर जिला भारी बारिश के कारण गंगा नदी की बाढ़ की चपेट में आ गया। बाढ़ की वजह से सारे रास्ते जलमग्न होकर बंद हो गए। सड़क मार्ग के पूरी तरह जलमग्न हो जाने से बारात लेकर जाना मुश्किल हो गया। कमलेश राम ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं को बताया कि बाढ़ के कारण शादी पर ग्रहण लग गया। ऐसी विषम स्थिति में परिवार ने नाव से बारात ले जाने का फैसला किया। गंगीली गांव के पास तटबंध के नीचे से एक सजी-धजी नाव पर बारात निकली। दूल्हा राजेश साफा पहन कर पारंपरिक पोशाक में नाव पर बैठा और उसके साथ तकरीबन 25 बाराती दो नावों पर सवार होकर निकले। नाव पर कोई डीजे नहीं था, न ही बैंड-बाजा लेकिन गंगा की लहरों की थपकी और नाविकों की ताल ने माहौल को खास बना दिया। बारातियों ने भी पूरे जोश में ढोलक की जगह तालियां बजाईं। ग्रामीणों के लिए यह दृश्य अनोखा था। लोगों ने अपने मोबाइल से इस खास बारात की फोटो ली व वीडियो बनाई और सोशल मीडिया पर साझा शुरू कर दिया। देखते ही देखते यह बारात इलाके में चर्चा का विषय बन गई। दूल्हे के पिता कमलेश राम ने बताया कि शादी की तारीख पहले से तय थी और इसे रद्द करना संभव नहीं था, इसीलिए नाव से बारात ले जाने का निर्णय लिया गया। गंगा मैया की लहरों ने इस बारात को यादगार बना दिया।

प्रयागराज के पास एसटीएफ से मुठभेड़ में वांछित अपराधी घायल, गिरफ्तार

प्रयागराज। प्रयागराज के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र स्थित शिवराजपुर चौराहे के पास बृहस्पतिवार को हत्या के कई मामलों में वांछित एक अपराधी विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के साथ मुठभेड़ में घायल हो गया। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) अमिताभ यश ने बताया कि एसटीएफ को विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिली थी कि झारखंड के धनबाद का निवासी हिस्ट्रीशीटर आशीष रंजन उर्फ छोटू सिंह अपने एक साथी के साथ किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने के लिए प्रयागराज जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस गोपनीय सूचना के आधार पर एसटीएफ की प्रयागराज इकाई की एक टीम आरोपी को पकड़ने के लिए शिवराजपुर चौराहे के पास पहुंची। इस दौरान अभियुक्त आशीष रंजन वहां से गुजरा एसटीएफ ने उसे ललकारा तो उसने एके-47 राइफल और 9 एमएम पिस्तौल से एसटीएफ टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। यश ने बताया कि इस गोलीबारी में एसटीएफ के तीन जवान जेपी राय, प्रभंजन और रोहित बाल-बाल बच गए। जवाबी गोलीबारी में रंजन को गोली लग गई। उसे तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि एसटीएफ ने घटनास्थल से एक एके-47 राइफल, 9 एमएम पिस्तौल, भारी मात्रा में कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की। आगे की कानूनी कार्यवाही और जांच जारी है।

पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई हत्याकांड मामले में वांछित दो इनामी अभियुक्त मुठभेड़ में मारे गये

प्रात : किरण संवाददाता

सीतापुर। सीतापुर जिले में पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई की हत्या के मामले में वांछित एक-एक लाख रुपये के इनामी दो अभियुक्त राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम से मुठभेड़ में मारे गये। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) अमिताभ यश ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि छह और सात अगस्त की मध्यरात्रि को एसटीएफ की नोएडा इकाई और सीतापुर पुलिस की संयुक्त टीम की पिसावां थाना क्षेत्र में बदमाशों से मुठभेड़ हुई, जिसमें दो बदमाश गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल पास के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां से उन्हें सीतापुर जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया। वहां उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृत बदमाशों की पहचान राजू तिवारी उर्फ रिजवान तथा संजय तिवारी उर्फ शिब्बू के रूप में हुई है। दोनों बदमाश सीतापुर में पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई के हत्या के मामले में वांछित थे। दोनों पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। सीतापुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अंकुर अग्रवाल ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई हत्याकांड मामले के वांछित दो अभियुक्त हरदोई-सीतापुर की सीमा से होकर गुजरने वाले हैं। इस पर पुलिस और एसओएफ की संयुक्त टीम रवाना की गई। उन्होंने बताया कि पिसावां थाना क्षेत्र में जब पुलिस जांच और घेराबंदी कर रही थी तभी एक मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध जाते दिखाई दिये। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो रुकने के बजाय उन्होंने पुलिस पर गोलियां चलाईं। जवाबी कार्रवाई में राजू तिवारी और संजय तिवारी को गोली लगी। सीतापुर के महोली कोतवाली क्षेत्र के विकासनगर निवासी पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई (36) की इसी साल आठ मार्च को मोटरसाइकिल से सीतापुर जाते हुए रास्ते में लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर रेलवे ओवर ब्रिज हेमपुर के पास गोली मार कर हत्या कर दी गयी थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मुठभेड़ में मारे गए दोनों बदमाशों का लंबा आपराधिक इतिहास है। दोनों पर हत्या, लूट और डकैती सहित 24 से अधिक मामले दर्ज थे। राजू उर्फ रिजवान ने साल 2006 में लखीमपुर खीरी जिले में उप निरीक्षक परवेज अली की धारदार हथियारों से हत्या कर दी थी और उनके सरकारी रिवॉल्वर को लूट लिया था। इसी तरह संजय तिवारी ने वर्ष 2011 में सीतापुर के मछरेहटा में देवी सहाय शुक्ल की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

मथुरा : ट्रक व ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर में तीन कांवड़ियों मौत, मुख्यमंत्री ने जताया शोक

प्रात : किरण संवाददाता

मथुरा,। थाना जमुनापार क्षेत्र के गांव नगला सिरिया के समीप गुरुवार तड़के जयपुर-बरेली बाईपास पर ट्रक और ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर में तीन कांवड़ियों की मौत हो गई। एक अन्य की हालत भी गंभीर बताई जा रही है। हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना की व्यक्त की है। रामघाट से डांक कांवड़ लेकर भरतपुर बयाना के गांव लहचोरा निवासी सोनू पुत्र मुन्ना लाल, भीम पुत्र होरीराम, भूपेंद्र पुत्र देवी सिंह और बबली पुत्र रामकिशन ट्रैक्टर-ट्रॉली से जयपुर-बरेली बाईपास पर होकर जा रहे थे। गुरुवार तड़के लगभग साढ़े तीन बजे मथुरा की ओर से एक सीमेंट की बोरियां लाद कर एक ट्रक बरेली की ओर जा रहा था। अचानक चालक को झपकी लगने से ट्रक रेलिंग तोड़ता हुआ ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराया। हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। इस भीषण हादसे में भीम, भूपेंद्र और बबली की मौके पर मौत हो गई, जबकि सोनू गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलने पर जमुनापार थाना प्रभारी अजय किशोर और एसपी सिटी राजीव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायल को तुरंत अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने जांच पड़ताल कर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। एसपी सिटी राजीव कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि टायर फटने से ट्रक बेकाबू हो गया और ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गया। मृतकों की पहचान की जा रही है और उनके परिजनों को सूचित कर दिया गया है। घायल का उपचार अस्पताल में जारी है। पुलिस ने आगे की विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद मथुरा में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट कर मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायल का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने घायल के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

केजरीवाल को मिली पासपोर्ट नवीनीकरण की सशर्त अनुमति

प्रात : किरण संवाददाता

सुलतानपुर। सुलतानपुर की विशेष एमपी/एमएलए अदालत ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पासपोर्ट नवीनीकरण की सशर्त अनुमति दे दी है। इससे उन्हें विदेश यात्रा की अनुमति मिल गई है। अदालत ने निर्देश दिया कि केजरीवाल को देश छोड़ने से पहले अदालत से इजाजत लेनी होगी। केजरीवाल के वकील मदन सिंह ने बृहस्पतिवार को बताया कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने विदेश यात्रा में आने वाली कठिनाइयों का हवाला देते हुए अदालत में एक याचिका दायर की है। विशेष न्यायाधीश शुभम वर्मा ने बुधवार को याचिका पर सुनवाई करते हुए केजरीवाल के पासपोर्ट के नवीनीकरण की अनुमति इस शर्त पर दी कि उन्हें किसी भी विदेश यात्रा से पहले अदालत को सूचित करना होगा। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनावों के दौरान केजरीवाल के खिलाफ अमेठी जिले में आदर्श आचार संहिता के कथित उल्लंघन के संबंध में एक मामला दर्ज किया गया था। वह फिलहाल इस मामले में जमानत पर हैं।

कानपुर : फर्जी मुकदमों में फंसाकर वसूली करने वाला वकील और उसकी सहयोगी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

कानपुर। कानपुर जिले में एक वकील और उसके सहयोगी को जबरन वसूली गिरोह संचालित करने और एक भाजपा नेता समेत कई हाई-प्रोफाइल लोगों को ब्लैकमेल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बृहस्पतिवार को बताया कि वकील अखिलेश दुबे और उसकी सहयोगी लवी मिश्रा को बुधवार रात कानपुर पुलिस ने जबरन वसूली रैकेट का भंडाफोड़ करने और भू-माफियाओं से निपटने के लिए एक महीने तक चले ह्यऑपरेशन महाकालह्न के तहत गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि दोनों पर धन ऐंठने के लिए भाजपा नेता रवि सतीजा समेत कई लोगों को बलात्कार के झूठे मामले दर्ज कराकर फंसाने का आरोप है। उन्होंने बताया कि भाजपा नेता रवि सतीजा ने सोमवार को दर्ज कराई गई प्राथमिकी में अधिवक्ता दुबे पर पिछले साल बर्रा थाने में उनके खिलाफ बलात्कार के फर्जी मामले की रिपोर्ट दर्ज कराने और मामला वापस लेने के लिए 50 लाख रुपये मांगने का आरोप लगाया है। चौधरी ने बताया कि प्राथमिकी एक नाबालिग लड़की ने दर्ज कराई थी, मगर वह बयान दर्ज कराने के लिए जांच दल के सामने कभी नहीं आई। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप पुलिस ने मामले में अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर दी थी। उन्होंने बताया कि पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मामले की पड़ताल की, तो बलात्कार के आरोप झूठे पाये गये। चौधरी ने बताया कि पुलिस ने दुबे को किदवई नगर स्थित उसके आवास से उसकी सहयोगी लवी मिश्रा के साथ पूछताछ के लिए हिरासत में लिया और छह घंटे की पूछताछ के दौरान अपने बचाव में कोई सुबूत पेश नहीं कर पाने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने जबरन वसूली रैकेट में कथित रूप से शामिल निशा कुमारी, गीता कुमारी, विमल यादव, अभिषेक बाजपेयी, शैलेंद्र यादव उर्फ टोनू यादव और कई अन्य लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। चौधरी ने संवाददाताओं को बताया कि सीतापुर से भाजपा सांसद अशोक कुमार रावत ने पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर फर्जी आपराधिक मामलों के जरिए पैसे वसूलने के लिए कानूनी प्रावधानों का दुरुपयोग करने वाले व्यक्तियों के बढ़ते नेटवर्क के बारे में बताया था। सांसद के पत्र का संज्ञान लेते हुए गत तीन मार्च को एसआईटी का गठन किया गया था।

एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में कुख्यात अपराधी आशीष रंजन ढेर

प्रयागराज,। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के यमुना नगर में शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार को तड़के उत्तर प्रदेश विशेष कार्यबल (यूपी एसटीएफ) की प्रयागराज इकाई ने धनबाद के कुख्यात अपराधी आशीष रंजन सिंह उर्फ छोटू को एक मुठभेड़ में मार गिराया। एसटीएफ के एक अधिकारी ने बताया कि झारखंड के धनबाद में हत्या, रंगदारी, लूट और सुपारी लेकर हत्या करने जैसे कई जघन्य आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने के आरोपी आशीष रंजन सिंह पर चार लाख रुपये का इनाम घोषित था। उन्होंने बताया कि एसटीएफ ने घटनास्थल से एक एके 47 राइफल और एक मैगजीन, सात जिंदा कारतूस, 10 खोखा कारतूस, एक देशी पिस्तौल और मैगजीन, पिस्तौल के छह कारतूस और दो खोखा कारतूस और एक बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद की है। अधिकारी ने बताया कि एसटीएफ को विश्वस्त सूत्रों से पता चला कि आशीष रंजन प्रयागराज में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। इस सूचना पर एसटीएफ की टीम बुधवार देर रात यमुना नगर के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में वाहनों की जांच शुरू की। उन्होंने बताया कि आज तड़के एक मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति आते दिखे जिन्हें रुकने का इशारा किया गया। तभी उन्होंने पुलिस टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी घायल हो गया, जबकि दूसरा आरोपी अंधेरे का फायदा उठाते हुए भाग निकला। आरोपी आशीष रंजन के इलाज के लिए शंकरगढ़ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि मृतक आशीष रंजन (28) के खिलाफ धनबाद के सरायढेला थाना में जमीन कारोबारी समीर मंडल की हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज है। इसी तरह, इसके खिलाफ कोयला व्यापारी नीरज तिवारी की हत्या के आरोप में थाना कतरास में मुकदमा दर्ज है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, मृतक आशीष रंजन पर सर्फुल हसन उर्फ लाला की हत्या की सुपारी लेकर हत्या करने और झरिया निवासी टायर शोरूम के मालिक रंजीत साव की हत्या कराने का भी आरोप है। इसके खिलाफ धनबाद के विभिन्न थानों में एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

नई दिल्ली, शुक्रवार, 08 अगस्त, 2025

बिजनौर में बाढ़ का कहर: हाईवे बंद, राहत कार्य तेज

जिलाधिकारी ने किया हाईवे व बाढ़ग्रस्त गांवों का निरीक्षण, सरकार स्तर पर त्वरित राहत और दीर्घकालिक रणनीति पर चर्चा

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जनपद में गंगा नदी के जलस्तर में हो रही लगातार वृद्धि के कारण बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है। गुरुवार को जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर द्वारा मेरठ-पौड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि पहाड़ी क्षेत्रों से अधिक मात्रा में पानी आने के चलते गंगा बैराज पर जल प्रवाह तेज है, जिससे सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है और मार्ग पर तीन फीट तक पानी भर गया है। इस स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने मेरठ-पौड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों का आवागमन अग्रिम आदेश तक बंद कर दिया है। जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि हाईवे पर फंसे यात्रियों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के लिए ट्रैक्टरों की मदद ली जा रही है। इसके पश्चात उन्होंने चांदपुर तहसील के बाढ़ प्रभावित ग्राम मीरापुर सीकरी का मोटर बोट से निरीक्षण किया, जहां ग्रामीण अपने-अपने घरों की छतों पर शरण लिए हुए मिले। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि प्रभावित ग्रामीणों के लिए शुद्ध पेयजल, गैस और पशुओं के चारे की तत्काल व्यवस्था कराई जाए। साथ ही, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि प्रभावित गांवों में पशुओं का टीकाकरण अभियान चलाया जाए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) वान्या सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट स्मृति मिश्रा, उप जिलाधिकारीगण और सिंचाई विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। इसी क्रम में राजधानी लखनऊ में जनपद बिजनौर के प्रभारी मंत्री एवं कौशल विकास मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने सिंचाई मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से मुलाकात कर बाढ़ की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बाढ़ नियंत्रण, तटबंधों की मजबूती, त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों के संचालन के लिए आवश्यक संसाधनों और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। सिंचाई मंत्री ने जनपद की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि बिजनौर में राहत कार्यों को प्राथमिकता पर लेकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही दोनों मंत्रियों के बीच भविष्य में आपदा प्रबंधन हेतु दीर्घकालिक रणनीति को लेकर सार्थक चर्चा भी हुई। निर्णय लिया गया कि न केवल वर्तमान आपदा से राहत प्रदान की जाएगी, बल्कि भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से निपटने हेतु संरचनात्मक तैयारियों को भी सुदृढ़ किया जाएगा। बिजनौर में वर्तमान बाढ़ संकट को देखते हुए प्रशासनिक एवं राजनीतिक स्तर पर समन्वय के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि जन-धन की हानि को न्यूनतम रखा जा सके तथा जनता को हर संभव सहायता समय पर उपलब्ध कराई जा सके।

सेक्टर-62 में स्काईवॉक बनाने के लिए टेंडर जारी

प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर-62 मॉडल टाउन गोलचक्कर पर बनने वाले स्काईवॉक के लिए टेंडर जारी कर दिया है। इसको बनाने के लिए 21 अगस्त तक आवेदन मांगे गए हैं। 22 अगस्त को टेंडर खोला जाएगा। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद यह स्काईवॉक एक वर्ष में बनकर तैयार होगा। यह स्काईवॉक दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर बने एफओबी को छोड़ते हुए छिजारसी की तरफ जीरो आकार में बनाया जाएगा। स्काईवॉक के निर्माण से सेक्टर-62 में लगने वाले जाम की समस्या का समाधान होगा। इसका निर्माण करीब 28 करोड़ की लागत से होगा। आईआईटी दिल्ली ने हाल ही में इस परियोजना के डिजाइन और बजट को मंजूरी दी थी। मॉडल टाउन गोलचक्कर दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से सटा हुआ है। एक्सप्रेसवे से आकर इस गोलचक्कर से आकर वाहन नोएडा शहर में प्रवेश करते हैं। यहां ऑटो वालों का काफी जमावड़ा रहता है। इसके अलावा यहां पर पैदल लोगों का काफी आवागमन है। इन वजहों से अक्सर जाम की समस्या रहती है। इसको देखते हुए प्राधिकरण ने पिछले साल यहां पर स्काईवॉक बनाने का निर्णय लिया था। करीब एक महीने पहले इसका डिजाइन और लागत तैयार कर मंजूरी के लिए आईआईटी दिल्ली को भेजा गया था। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि यह स्काईवॉक 530 मीटर लंबा और चार मीटर चौड़ा होगा। यह स्काईवॉक, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर खोड़ा कॉलोनी की तरफ बने एफओबी को जोड़ते हुए बनाया जाएगा। इसके बाद जीरो के आकार में छिजारसी की तरफ बनेगा। मॉडल टाउन गोलचक्कर के चारों तरफ जीरो आकार में बनेगा। आने वाले समय में यहां पर दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे को जोड़ते हुए नया एफओबी बनाया जाएगा। इस स्काईवॉक पर नोएडा की तरफ सेक्टर-62, 63 और छिजारसी की तरफ चढ़ने-उतरने की सुविधा मिलेगी। स्काईवॉक में राहगीरों को ऊपर चढ़ने में कोई परेशानी न हो, इसके लिए नोएडा की तरफ एस्केलेटर (स्वचलित सीढ़ियां) लगाए जाएंगे। इसके अलावा दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के कोनों पर दो लिफ्ट लगाई जाएंगी।

संक्षिप्त खबरें

सदरपुर कॉलोनी के नाले में भ्रूण मिला

नोएडा,। सदरपुर कॉलोनी के नाले में गुरुवार की सुबह कपड़ा से लिपटा भ्रूण मिला। लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। बताया कि गया भ्रूण करीब चार महीने के आसपास का था। पुलिस ने उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। लोगों ने अंदेशा जताया कि भ्रूण नाले में कहीं से बहकर आ गया होगा। हालांकि, पुलिस यहां लगे सीसीटीवी फुटेज और आसपास के लोगों से पूछताछ के बाद भ्रूण को फेंकने वाले के बारे में पता लगा रही है।

विवाद के बाद समझौता के बहाने बुलाकर पीटा

नोएडा,। एक व्यक्ति को पड़ोसी ने सेक्टर-9 स्थित दुकान पर बुलाकर कर्मचारी के साथ मिलकर पीट दिया। नाली के विवाद की शिकायत पुलिस से करने पर पड़ोसी रंजिश मानता है। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ फेज-1 थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी निवासी प्रकाश कुमार मिश्रा ने पुलिस को बताया कि उनका बादलपुर थाना क्षेत्र के छपरौली गांव में घर है। उसमें किरायेदार रहते हैं। वहां पर पड़ोस में रामबहादुर का भी मकान है। प्रकाश का रामबहादुर से नाली को लेकर विवाद चल रहा है। आरोप है कि आए दिन रामबहादुर परेशान करता है। वह मारपीट तक कर चुका है। उसके गलत आचरण से परेशान होकर प्रकाश मामले की शिकायत बादलपुर थाना पुलिस से भी कर चुके हैं। इसकी जानकारी होने पर रामबहादुर ने पांच जून को सेक्टर-9 स्थित दुकान पर बुलाया। आरोप है कि वहां पर रामबहादुर ने अपने कर्मचारी के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट की। थाना प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

संगठन का दादरी तहसील में प्रदर्शन

दादरी,। किसानों और गरीबों के मुद्दों को लेकर करप्शन फ्री इंडिया संगठन के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को तहसील में प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित एक पत्र उप जिलाधिकारी को सौंपा। संगठन के संस्थापक प्रवीण भारतीय और दिनेश नागर ने बताया कि तहसील में अधिकारियों के दुर्व्यवहार से स्थानीय किसानों का शोषण किया जा रहा है।

कार की टक्कर से किशोर की मौत

नोएडा,। सेक्टर-126 लोटस वैल्यू सोसाइटी के सामने तेज रफ्तार कार ने 16 साल के किशोर को टक्कर मार दी। आसपास के लोगों ने घायल को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया। जहां उसने दो दिन बाद दम तोड़ दिया। पिता ने सेक्टर-126 थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज से आरोपी की पहचान करने में जुटी है। झारखंड मूल निवासी इंद्रदेव शर्मा ने पुलिस को बताया कि वह परिवार के साथ सेक्टर-126 रायपुर खादर गांव में रहते हैं। उनका बेटा अनुज शर्मा बाइक से 25 जून को लोटस वैल्यू सोसाइटी के सामने से गुजर रहा था। इसी दौरान एक तेज रफ्तार कार ने उसको टक्कर मार दी। घटना में उसे गंभीर चोट आईं। लोगों ने उसको अस्पताल में भर्ती कराया। किशोर ने दो दिन बाद दम तोड़ दिया। परिजन अंतिम संस्कार करने के बाद गांव चले गए। लौटने के बाद पिता ने सेक्टर-126 थाने में शिकायत दी। इस मामले में पुलिस केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिजनौर में महिला एथलेटिक्स प्रशिक्षक की नियुक्ति से स्टेडियम में खुशी की लहर

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर,। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश द्वारा महिला खिलाड़ियों की मांग पर एक अहम निर्णय लेते हुए एथलेटिक्स प्रशिक्षिका पूजा देवी का स्थानांतरण जनपद बुलंदशहर से बिजनौर कर दिया गया है। इस फैसले से नेहरू स्पोर्ट्स स्टेडियम, बिजनौर में हर्ष और उत्साह का माहौल है। विशेष रूप से महिला खिलाड़ियों और खेल अधिकारियों ने इस पहल का स्वागत किया है। बिजनौर स्टेडियम में लंबे समय से महिला प्रशिक्षक की मांग की जा रही थी, ताकि महिला खिलाड़ियों को तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ एक सुरक्षित और संवादशील वातावरण मिल सके। पूजा देवी की नियुक्ति इसी दिशा में एक सकारात्मक कदम मानी जा रही है। जिला क्रीड़ाधिकारी राजकुमार ने इस निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, खेल निदेशालय द्वारा महिलाओं को प्राथमिकता देना स्वागतयोग्य है। पूजा देवी के मार्गदर्शन में जिले की महिला खिलाड़ी तकनीकी रूप से समृद्ध होंगी और आत्मविश्वास के साथ राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन कर सकेंगी। सहायक जिला खेल अधिकारी हिमांशु ने भी इस कदम को खेल और महिला सशक्तिकरण दोनों की दृष्टि से प्रेरणादायक बताते हुए कहा, महिला प्रशिक्षक की नियुक्ति से खिलाड़ियों को संवाद और प्रशिक्षण में नया संतुलन मिलेगा। पूजा देवी के अनुभव का लाभ जिले की युवा प्रतिभाओं को अवश्य मिलेगा। स्टेडियम से जुड़े प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों ने भी इस निर्णय को ऐतिहासिक और उत्साहवर्धक बताया है। महिला प्रशिक्षिका की मौजूदगी से अब महिला खिलाड़ी न केवल खेल की बारीकियों को बेहतर तरीके से सीख सकेंगी, बल्कि उन्हें अपनी समस्याएं और विचार भी खुलकर साझा करने का अवसर मिलेगा। पूजा देवी की नियुक्ति से बिजनौर में एथलेटिक्स के क्षेत्र में नई ऊर्जा और दिशा की उम्मीद की जा रही है। यह कदम न केवल खेल को बढ़ावा देगा, बल्कि महिला सशक्तिकरण की ओर एक महत्वपूर्ण प्रयास भी सिद्ध होगा।

उर्वरक वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सहायक आयुक्त का निरीक्षण, गोदामों में स्टॉक मिला सही

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर, जनपद बिजनौर में उर्वरक वितरण व्यवस्था की पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता द्वारा जिले के 7 प्रमुख बफर गोदामों, थोक एवं फुटकर उर्वरक विक्रेताओं का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मैसर्स पीसीएफ बफर केंद्र चक्कर रोड, मैसर्स चांदपुर सहकारी क्रय-विक्रय समिति लिमिटेड, मैसर्स जिला सहकारी संघ लिमिटेड, मैसर्स आईएफएफडीसी कृषक सेवा केंद्र फरीदपुर उद्दा, मैसर्स बी-पैक्स भरैरा एवं मैसर्स ओम ट्रेडिंग कंपनी विदुर कुटी रोड सहित कुल 07 प्रतिष्ठानों की जांच की गई। निरीक्षण में यूरिया, डीएपी, एनपीके, एसएसपी व अन्य उर्वरकों के स्टॉक का आईएफएमएस पोर्टल पर दर्ज आंकड़ों से भौतिक सत्यापन किया गया, जो पूर्णतः सही पाया गया। इस अवसर पर संबंधित गोदाम प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि जनपद की सहकारी समितियों को आवश्यकतानुसार शीघ्र उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित करें तथा उनके भंडारण में गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखें। निरीक्षण के दौरान कहीं भी ओवर रेटिंग या मुख्य उर्वरकों के साथ अन्य उत्पादों की टैगिंग की कोई शिकायत सामने नहीं आई। साथ ही सभी थोक एवं फुटकर विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि वे केवल किसानों की तत्कालीन आवश्यकता, जोतबही/खतौनी एवं फसलवार सिफारिश के आधार पर ही उर्वरकों का वितरण करें। यह भी स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि बिना पॉस मशीन के उर्वरक वितरण नहीं किया जाएगा और किसी भी परिस्थिति में बल्क बिक्री पर रोक रहेगी। यदि कोई विक्रेता निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर उर्वरक बेचते हुए या टैगिंग करते हुए पाया गया, तो उसके विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश-1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 के अंतर्गत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अंत में, सभी उर्वरक विक्रेताओं को किसानों को रसीद प्रदान करना अनिवार्य करने के निर्देश भी जारी किए गए। प्रशासन की इस सक्रियता को लेकर किसानों में संतोष एवं आश्वस्ति का माहौल देखा गया।

सीतापुर एनकाउंटर: पत्रकार राघवेंद्र हत्याकांड में शामिल दो बदमाश ढेर

सीतापुर/नोएडा,। उत्तर प्रदेश एसटीएफ की नोएडा यूनिट और सीतापुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में पत्रकार राघवेंद्र हत्याकांड में शामिल दो वांछित इनामी बदमाश मुठभेड़ में ढेर हो गए हैं। इन पर एक-एक लाख का इनाम रखा गया था। नोएडा एसडीएम से मिली जानकारी के मुताबिक बीती रात यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट और सीतापुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में थाना पिसावां क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हाथ लगी। पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में दो कुख्यात इनामी बदमाश गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए तत्काल सीएचसी भेजा गया, जहां से उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल सीतापुर रेफर किया गया। उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई। एसटीएफ ने जानकारी दी कि मृतकों की पहचान राजू तिवारी उर्फ रिजवान (पुत्र कृष्ण गोपाल उर्फ करीम खान, निवासी अटवा, थाना मिसरिख) और संजय तिवारी उर्फ शिब्बू उर्फ शकील खान (पुत्र कृष्ण गोपाल उर्फ करीम खान, निवासी अटवा, थाना मिसरिख) जनपद सीतापुर के रूप में हुई है। दोनों बदमाश सीतापुर में पत्रकार राघवेंद्र वाजपेयी की हत्या के मामले में वांछित थे और इन पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, राजू तिवारी उर्फ रिजवान वर्ष 2006 में जनपद लखीमपुर खीरी के थाना क्षेत्र में तैनात उपनिरीक्षक परवेज अली की धारदार हथियार से हत्या कर चुका था और उसकी सरकारी रिवॉल्वर भी लूट ली थी। वहीं, संजय तिवारी उर्फ शकील खान ने वर्ष 2011 में देवी सहाय शुक्ल (थाना मचरहेता, सीतापुर) की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इन दोनों पर हत्या, लूट, डकैती सहित दो दर्जन से अधिक गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। ये लंबे समय से फरार चल रहे थे और पुलिस के लिए चुनौती बने हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि इन अपराधियों की धरपकड़ के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ को अंजाम दिया गया। पुलिस अब इस केस से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है ताकि हत्या की साजिश से जुड़े बाकी पहलुओं का भी खुलासा किया जा सके।

जनपद की समितियों पर पर्याप्त मात्रा में है उर्वरक खाद्य की उपलब्धता: कृषि अधिकारी

कार्यवाई: नियमानुसार विक्रय न करने पर 03 उर्वरक लाइसेंस निरस्त तथा 08 निलम्बित

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि जनपद में पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों 07 अगस्त को 5232 मी0 टन यूरिया, 1872 मी0 टन डीएपी तथा 2604 मी0 टन एनपीके उपलब्ध है, जिले में उर्वरक की कोई कमी नहीं है। कोई भी समिति ऐसी नहीं है जिस पर शून्य उपलब्धता हो, आवश्यकतानुसार समितियों पर उर्वरक प्रेषण के निर्देश दिये गये है, इसके अलावा जनपद के किसानों से भी अनुरोध है कि संतुलित मात्रा में ही उर्वरकों का प्रयोग करें ताकि मृदा की उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। और फसल की संस्तुति के अनुसार ही संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें। अधिक मात्रा में यूरिया उर्वरक का प्रयोग करने से फसलों की वानस्पतिक वृद्धि अधिक हो जाने के कारण फसलों में बीमारियों/रोगों की सम्भावना भी बढ़ जाती है। उर्वरक, कीटनाशी रसायन एवं सहकारी समिति से सम्बन्धित कोई समस्या या सुझाव देने के लिए कन्ट्रोल रूम भी स्थापित है। कंट्रोल रूम पर अवनीश कुमार मोबाइल नंबर 8954963512, दिनेश कुमार मोबाइल नंबर 9149305622, प्रदीप कुमार मोबाइल नंबर 7839882774 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। जिला कृषि अधिकारी ने जनपद के सभी उर्वरक आपूर्तिकर्ता संस्थाओं के प्रतिनिधियों, थोक उर्वरक विक्रेताओं तथा खुदरा उर्वरक / कृषि रक्षा रसायन विकेताओं को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों को नियमानुसार ही उर्वरक और कृषि रसायनों का वितरण किया जाये।और सभी उर्वरक विक्रेताओं को यह भी निर्देशित किया गय है कि किसानों को दी जाने वाली रसीद बुक. स्टॉक और सेल रजिस्टर अपडेटेड रखें। उर्वरक का भौतिक स्टॉक एवं पी०ओ०एस० मशीन का स्टॉक समान होना चाहिए तथा विक्रय केन्द्रों पर स्टॉक और रेट बोर्ड जरूर लगा हो किसी भी दशा में यदि ओवर रेटिंग या टैगिंग (मुख्य उर्वरकों के साथ जबरदस्ती अन्य उत्पादों को किसानो को विक्रय करना) की शिकायत प्रकाश में आती है तो नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की जायेगी। किसानों को नियमानुसार उर्वरक और कृषि रसायनों का वितरण सुनिश्चित कराने के लिए लगातार निरीक्षण किए जा रहे हैं तथा नियमानुसार विक्रय न करने तथा जमीन से अधिक विक्रय करने पर या अभिलेख पूर्ण न करने पर 03 उर्वरक लाइसेंस निरस्त कर दिये गये हैं तथा 08 उर्वरक लाइसेंस निलम्बित किये गये हैं, यदि नियमानुसार विक्रय न हुआ तो आगे भी सख्त कार्यवाही की जायेगी।

वेंक्टेश्वरा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंसेस में विश्व स्तनपान सप्ताह-2025 का समापन

वेंक्टेश्वरा समूह स्वस्थ भारत-आयुष्मान भारत के नारे के साथ कदमताल कर रहा है : सुधीर गिरि

अमरोहा। श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय के अधीन विम्स मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल में एक सप्ताह (01 अगस्त-07 अगस्त) से चले आ रहे विश्व स्तनपान सप्ताह-2025 का शानदार समापन हो गया। एक सप्ताह तक चले इस वीक में विम्स के शिशु एवं बाल रोग विभाग एवं गाईनी विभाग के संयुक्त तत्वांधान में वरिष्ठ चिकित्सको, मेडिकल/नर्सिंग प्रोफेशनल्स एवं मेडिकल छात्र-छात्राओ ने क्विज कम्पीटीशन, नुक्कड नाटक, पोस्टर मैकिंग कम्पीटीशन, डिबेट कम्पीटीशन समेत एक दर्जन से अधिक कार्यक्रम आयोजित कर आम जनमानस एवं आये हुए महिला मरीजो को स्तनपान का महत्व/लाभ बताते हुए सभी को स्तनपान कराने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी ने कुलपति प्रो0 कृष्णकान्त दवे के साथ मिलकर विश्व स्तनपान सप्ताह-2025 में विभिन्न प्रतियोगिताओ के विजेताओ को स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मानित किया।श्री वेंक्टेश्वरा संस्थान के हॉस्पिटल ब्लॉक में विश्व स्तनपान सप्ताह-2025 की क्लोजिंग सेरेमनी का शुभारम्भ संस्थापक अध्यश सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, कुलपति प्रो0 कृष्णकान्त दवे, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 सुरेश जी मेहता, पीडिया विभागाध्यक्ष प्रो0 राजेश बंसल आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। इस अवसर पर वरिष्ठ ओर्थो सर्जन डॉ0 नजमुल हुदा, स्त्री रोग विभागाध्यश डॉ0 रेहाना हुदा, डॉ0 बी0एन0 सिंह, डॉ0 श्वेता सिंह, डॉ0 अजय परवर्धन, डॉ0 शहजाद, डॉ0 वारिस बिलाल, डॉ0 रुफीदा, डॉ0 अंकिता, डॉ0 रिषभ बत्रा, डॉ0 राजामहात्री, एस0कृष्णा, मेरठ परिसर निदेशक डॉ0 प्रताप मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

बिजनौर में NH-47 पर निमार्णाधीन फ्लाईओवर पहली बरसात में ही बैठा, गनीमत रही कि जनहानि नहीं हुई

ग्राम बरूकी में एनएचआई निर्माण पर उठे सवाल, एसडीओ की भूमिका संदिग्ध

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। बिजनौर के ग्राम बरूकी स्थित एनएच-47 पर निमार्णाधीन फ्लाईओवर पहली ही बरसात में क्षतिग्रस्त हो गया। फ्लाईओवर के ढांचे में एकाधिक गहरी दरारें देखी गईं हैं, जिससे इसकी निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। राहत की बात यह रही कि हादसे के वक्त कोई व्यक्ति या वाहन निर्माण स्थल पर मौजूद नहीं था, अन्यथा जानमाल की बड़ी क्षति हो सकती थी। स्थानीय नागरिकों में इस घटना को लेकर भारी रोष है। उनका कहना है कि फ्लाईओवर का कार्य अभी पूर्ण भी नहीं हुआ है और पहली बरसात में ही यह निर्माण दरकने लगा है। इससे पूर्व भी एनएचआई द्वारा बनाए जा रहे एक अन्य पुल का लेंटर कुछ ही समय बाद ढह गया था, जिसकी यादें अब तक लोगों के मन में ताजा हैं। ग्राम बरूकी में हो रहे इस निर्माण कार्य को लेकर स्थानीय लोगों ने एनएचआई के एसडीओ पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि संबंधित अधिकारी ने शुरूआत से ही निर्माण एजेंसी के पक्ष में कार्य किया है। सड़क निर्माण में मिट्टी की जगह शहर के कूड़े का प्रयोग कराया गया, जिससे आधारभूत ढांचे की मजबूती पर सीधा असर पड़ा है। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं के बावजूद एनएचआई की ओर से न तो किसी अधिकारी पर कार्रवाई हुई और न ही कोई जवाबदेही तय की गई। यह स्थिति दशार्ती है कि निर्माण कार्यों की निगरानी में घोर लापरवाही बरती जा रही है। सामाजिक संगठनों ने इस प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराए जाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि अब भी सख्त कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में ऐसी घटनाएं जानलेवा साबित हो सकती हैं। साथ ही स्वतंत्र एजेंसी से निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराए जाने की मांग भी जोर पकड़ रही है।

संपादकीय टिप्पणी

बिजनौर जैसे महत्वपूर्ण जनपद में राष्ट्रीय राजमार्ग जैसे संवेदनशील प्रोजेक्ट्स में इस प्रकार की लापरवाही बेहद चिंताजनक है। यदि निमार्णाधीन पुल पहली ही बरसात में दरक जाए, तो यह केवल निर्माण एजेंसी नहीं, पूरी व्यवस्था पर सवाल है। अब समय आ गया है कि लापरवाही को छुपाने के बजाय दोषियों की जवाबदेही तय कर जनविश्वास की पुनर्स्थापना की जाए।

फुसलाकर ले जाने के बाद किशोरी से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

गाजियाबाद,। बहला-फुसलाकर ले जाने के बाद किशोरी से दुष्कर्म करने के आरोपी युवक को क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। किशोरी के पिता ने दूसरे समुदाय से ताल्लुक रखने वाले आरोपी और उसके तीन परिजनों के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कराया था। बरामद होने पर पीड़िता ने आरोपी द्वारा दुष्कर्म करने के बारे में बताया। क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र में रहने वाले व्यक्ति ने 31 जुलाई को क्रॉसिंग रिपब्लिक थाने में दर्ज कराए केस में बताया कि उनकी 17 वर्षीय बेटी 27 जुलाई की शाम करीब सात बजे बिना बताए घर से चली गई। काफी खोजबीन के बाद भी कोई सुराग न लगने पर उन्होंने गुमशुदगी दर्ज कराने के लिए 29 जुलाई को कमला टाकीज पुलिस चौकी पर प्रार्थना-पत्र दिया। उन्हें शक था कि बहरामपुर में रहने वाला दूसरे समुदाय का जावेद उर्फ इजाज उर्फ जाहिद उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर ले गया है। लेकिन 29 जुलाई की शाम को उनकी बेटी ने व्हॉट्सएेप कॉल करके बताया कि उसने इस्लाम धर्म अपनाते हुए जावेद के साथ निकाह कर लिया है और दोनों ने कोर्ट मैरिज भी कर ली है। पीड़ित पिता के मुताबिक जावेद पहले से शादीशुदा है। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि शिकायत के आधार पर जावेद, उसके जीजा चमन, मैसेरा भाई रिजवान तथा जावेद की मां के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कर किशोरी की बरामदगी के लिए टीम गठित की गई थी। दो अगस्त को किशोरी को बरामद कर लिया गया। मेडिकल परीक्षण और बयान में जावेद द्वारा किशोरी से दुष्कर्म की बात सामने आई, जिसके चलते केस में पॉक्सो ऐक्ट और दुष्कर्म की धारा बढ़ाई गई। इसी क्रम में आरोपी जावेद गुरुवार को तिगरी गोल चक्कर के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने बताया कि किशोरी के घर के पास उसकी बिजली मिस्त्री की दुकान है। किशोरी के घर उसका दस साल से आना-जाना था। इसका फायदा उठाकर वह किशोरी को बहला-फुसलाकर ले गया और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। एसीपी का कहना है कि केस में नामजद अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है।

बेल्ट-पंच से हमला कर 12वीं के छात्र की हत्या का प्रयास

गाजियाबाद,। विजयनगर थानाक्षेत्र में स्कूल से लौट रहे 12वीं कक्षा के छात्र पर तीन लड़कों ने साथियों के साथ मिलकर बेल्ट और पंच से हमला कर दिया। हमले में लहूलुहान हुआ छात्र बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा तो हमलावर फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि तीन नामजद तथा अन्य अज्ञात के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया गया है। क्रॉसिंग रिपब्लिक के ओम विहार में रहने वाले सचिन का कहना है कि उनका छोटा भाई मुकुल चौधरी विजयनगर सेक्टर-नौ के-ब्लॉक स्थित निजी स्कूल में 12वीं कक्षा का छात्र है। छह अगस्त की दोपहर करीब दो बजे उनका भाई स्कूल से पढ़कर घर लौट रहा था। स्कूल से कुछ ही दूर पहुंचने पर अंशू, नीशू और शिवम अपने अन्य अज्ञात साथियों के साथ आए और उनके भाई पर बेल्ट और पंच से हमला कर दिया। सरेराह हुई घटना से आस-पास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। उनका भाई बचने के लिए भागा, लेकिन आरोपियों ने उसे दबोचकर फिर से हमला शुरू कर दिया। गंभीर रूप से घायल होने के कारण उनका भाई बेहोश हो गया तो आरोपी उसे मरा समझकर फरार हो गए। सचिन के मुताबिक हमले में उनके भाई को सात-आठ जगह चोट आई, जिससे वह बुरी तरह लहूलुहान हो गया। घटना के संबंध में सचिन ने विजयनगर थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। एसीपी कोतवाली रितेश त्रिपाठी का कहना है कि शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास तथा अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

फुंका ट्रांसफार्मर ठीक नहीं होने के विरोध में ग्रामीणों का प्रदर्शन

हसनपुर। तीन दिन से ट्रांसफार्मर फुंका होने की वजह से गांव की बिजली ठप है। जिसके विरोध में ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर नारेबाजी की तथा ट्रांसफार्मर जल्दी बदलवाने की मांग की। क्षेत्र के डाकेवाली डगरौली गांव में बीते तीन से ट्रांसफार्मर फुंका हुआ है। जिसके चलते गांव में रात को अंधेरा छाया रहता है। ऐसे में ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। चोरों का शोर ग्रामीण इलाके में मच रहा है। अंधेरा होने पर चोरी की घटना होने का अंदेशा और भी बढ़ गया है। ग्रामीण बिजली विभाग से मामले की शिकायत करके ट्रांसफार्मर बदलवाने की मांग कर चुके हैं लेकिन अभी तक भी समस्या का समाधान नहीं हो सका है। जिसके विरोध में ग्रामीणों ने बुधवार की शाम गांव में जमा होकर बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया तथा ट्रांसफार्मर जल्द ही बदलवाने की मांग की। प्रदर्शन करने वालों में अमरीश, सतवीर, अजय, जितेंद्र, जीराज, जबर सिंह, विजय, टेकचंद, लाखन सिंह, वीर सिंह आदि मौजूद रहे।

नौकरी दिलवाने के नाम पर एक लाख रुपये हड़पे, रिपोर्ट दर्ज

प्रात: किरण संवाददाता

गजरौला। नौकरी दिलवाने के नाम पर एक लाख रुपये हड़प लिए गए। पीड़िता महिला ने कोर्ट के आदेश पर तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। घटना वर्ष 2024 की बताई जा रही है। क्षेत्र के गांव हाशमपुर पखरौला निवासी सुकिया ने अपने पुत्र मुबारक की नौकरी लगवाने के नाम पर असगर को 15 अक्तूबर 2024 को एक लाख रुपये दिए थे। काफी दिन बीत जाने के बाद भी असगर ने मुबारक की नौकरी नहीं लगवाई तो सुकिया ने अपने रुपये वापस मांगे। आरोप है कि मुबारक टालमटोल करता रहा। चार अप्रैल को सुकिया ने अपने रुपये वापस मांगे तो आरोपी ने रुपये देने से मना कर दिया। अपने साथियों के साथ मिलकर जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने घटना की तहरीर पुलिस को दी लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। पीड़िता ने कोर्ट की शरण ली। प्रभारी निरीक्षक अखिलेश प्रधान ने मामले में असगर अली, अरशद व राशिद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने की बात कही।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शुक्रवार, 08 अगस्त, 2025

रश्मिका मंदाना के लिए बेहद खास है महारानी येसुबाई और श्रीवल्ली के किरदार

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने बताया कि उनके करियर में निभाए दो किरदार बेहद मायने रखते हैं। रश्मिका ने बताया कि पुष्पा में श्रीवल्ली और छावा में महारानी येसुबाई के किरदार ने उन्हें और साहसी बनाया। इन किरदारों ने उन्हें न केवल एक अभिनेत्री के रूप में बल्कि व्यक्तिगत रूप से भी काफी प्रभावित किया। रश्मिका का मानना है कि इन किरदारों ने न केवल उनकी अभिनय क्षमता को निखारा बल्कि उन्हें एक कलाकार के तौर पर काफी कुछ सिखाया। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में रश्मिका ने बताया, पुष्पा और छावा ने मुझे बहुत प्रेरित किया।

उन्होंने बताया कि श्रीवल्ली और महारानी येसुबाई के किरदारों ने उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। रश्मिका ने कहा, इन किरदारों को निभाने से मैं एक अभिनेत्री के रूप में और मजबूत बनी। श्रीवल्ली और येसुबाई दोनों मजबूत और बेबाक हैं। इन किरदारों ने मुझे ईमानदारी से काम करना, खुद पर भरोसा करना और हर सीन में सच्ची भावनाएं लाना सिखाया। पुष्पा एक तेलुगू फिल्म है, जिसे सुकुमार ने बनाया है। इसमें रश्मिका मंदाना के साथ अल्लू अर्जुन मुख्य भूमिका में हैं। पहली फिल्म पुष्पा- द राइज साल 2021 में रिलीज हुई, जिसमें अल्लू अर्जुन ने पुष्पा राज का किरदार निभाया। लाल चंदन की तस्करी पर बनी फिल्म में अल्लू का अलग अंदाज देखने को मिला। यह फिल्म 2021 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बनी थी। दूसरी फिल्म पुष्पा 2- द रूल साल 2024 में रिलीज हुई, जिसने पहले दिन की कमाई के कई रिकॉर्ड तोड़े और भारत में सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म बनी। यह साल 2024 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म, भारत की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म, दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तेलुगू फिल्म बन गई। वहीं, छावा एक पीरियड-एक्शन फिल्म है, जो मराठा साम्राज्य के दूसरे शासक संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। इसमें रश्मिका मंदाना के साथ विक्की कौशल मुख्य भूमिका में हैं। शिवाजी सावंत के मराठी उपन्यास छावा पर आधारित इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ने किया है।

मिर्जापुर की गोलू ने मुंबई में खरीदा करोड़ों का घर

मिर्जापुर की गोलू गुप्ता यानी श्वेता त्रिपाठी ने मुंबई में रियल एस्टेट में बड़ा निवेश किया है। श्वेता से पहले कई बॉलीवुड स्टार्स रियल एस्टेट में इन्वेस्ट कर चुके हैं। कोई घर खरीद रहा है तो कोई बेच रहा है। अब श्वेता त्रिपाठी ने एक 3क्काद्य अपार्टमेंट खरीदा है, जो मुंबई के चेंबूर में स्थित है। यह एरिया मुंबई के तेजी से विकसित हो रहे रेजिडेंशियल एरिया में से एक है। श्वेता त्रिपाठी के इस नए अपार्टमेंट की कीमत 3 करोड़ रुपये है। रियल एस्टेट एनालिटिक्स फर्म सीआरई मैट्रिक्स को मिले डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक, यह प्रॉपर्टी सुप्रीम बुलेवार्ड बिल्डिंग की 9वीं फ्लोर पर स्थित है। इस बिल्डिंग का डेवलपर सुप्रीम यूनिवर्सल ने निर्माण किया है। इसमें 938 स्क्वायर फुट यूजेएबल एरिया है।

15 लाख रुपये की स्टांप ड्यूटी, 30 हजार का रजिस्ट्रेशन शुल्क

श्वेता त्रिपाठी के इस अपार्टमेंट का रजिस्ट्रेशन 22 जुलाई को किया गया। इसके लिए एक्ट्रेस ने 15 लाख रुपये की स्टांप ड्यूटी और 30,000 रुपये की रजिस्ट्रेशन फीस चुकाई। हालांकि, श्वेता ने स्टांप स्टाम्प ड्यूटी में महाराष्ट्र सरकार द्वारा दी जाने वाली छूट का लाभ उठाया। उन्हें दो कार पार्किंग भी मिलीं, जिनकी कीमत लगभग 32,000 रुपये प्रति स्क्वायर फुट है। श्वेता त्रिपाठी के करियर की बात करें, तो वह पहली बार फिल्म मसान से चर्चा में आई थीं, जिसमें उन्होंने विक्की कौशल की गर्लफ्रेंड का रोल प्ले किया था। उन्होंने कई विज्ञापन और साउथ की फिल्में भी कीं, पर स्टारडम वेब सीरीज मिर्जापुर से मिला। श्वेता ने और भी कई प्रोजेक्ट्स किए हैं, पर असल जिंदगी में लोग उन्हें मिर्जापुर की गोलू गुप्ता के किरदार से जानते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिर्जापुर के लिए श्वेता त्रिपाठी ने 2.20 लाख रुपये प्रति एपिसोड फीस ली थी। उनकी नेट वर्थ 8 करोड़ रुपये के आसपास बताई जाती है। श्वेता के पति चैतन्य शर्मा भी एक एक्टर और रैपर हैं। वह भी मोटी कमाई करते हैं। श्वेता त्रिपाठी का एक प्रोडक्शन हाउस भी है, जिसका नाम बंडरफुल है।

फिल्म उदयपुर फाइल्स 8 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी

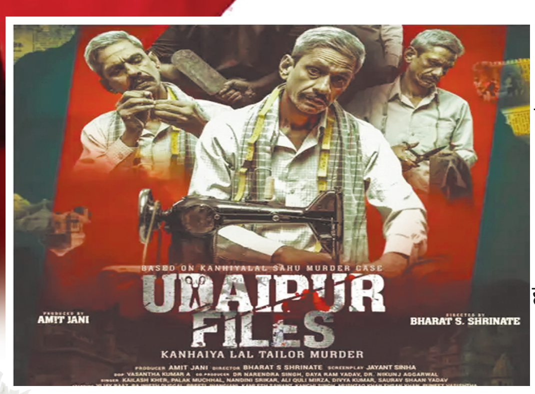

फिल्म उदयपुर फाइल्स को लेकर चल रहे लंबे विवाद के बाद अब फाइनली फिल्म की रिलीज को हरी झंडी मिल गई है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने फिल्म पर लगाई गई आपत्तियों को खारिज करते हुए इसकी रिलीज पर से रोक हटा दी है। लंबे समय से जिस फिल्म की रिलीज को लेकर बहस चल रही थी, वो अब 8 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म को लेकर शुरू से ही विवाद बना रहा। पहले इसे 11 जुलाई को रिलीज किया जाना था, लेकिन कुछ धार्मिक संगठनों और एक आरोपी ने इसके खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी। याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि फिल्म धार्मिक समुदाय विशेष को बदनाम करती है और इससे कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपियों के न्यायपूर्ण मुकदमे पर असर पड़ सकता है। दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि वो फिल्म की समीक्षा दोबारा करे और सिनेमैटोग्राफ एक्ट की धारा 6 के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करे। इसके बाद केंद्र सरकार ने एक कमेटी गठित की जिसने फिल्म को लेकर 55 कट लगाने का सुझाव दिया। निर्माता इन बदलावों पर राजी हो गए। 'उदयपुर फाइल्स' में विजय राज मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।

एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं मृणाल और धनुष? ऐसे शुरू हुई लव स्टोरी

इन दिनों मृणाल ठाकुर और धनुष बी-टाउन का हॉट टॉपिक बने हुए हैं। वजह है दोनों के अफेयर की खबरें। पिछले कुछ वक्त से दोनों के एक-दूसरे के प्यार में होने की खबरें एंटरटेनमेंट जगत के गलियारों में छाई हुई हैं। हाल ही में 'सन ऑफ सरदार 2' की स्क्रीनिंग के सामने आए एक वीडियो ने इन दोनों के अफेयर की खबरों को और भी हवा दे दी। सोशल मीडिया पर वायरल हुए में धनुष अभिनेत्री मृणाल ठाकुर का हाथ पकड़े दिख रहे हैं। जबकि वहीं मृणाल भी वीडियो में धनुष के कान में कुछ गुफ्तगू करती नजर आ रही हैं। इस दौरान दोनों सितारे एक-दूसरे के काफी क्लोज और खुश नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद नेटिजंस दोनों के अफेयर की खबरों को लेकर चर्चा करने लगे। हालांकि, अभी तक ये सिर्फ चर्चाएं ही हैं।

सूत्र ने की दोनों की डेटिंग की पुष्टि

हालांकि, इन अफवाहों के बीच अब एक सूत्र ने यह पुष्टि की है कि दोनों डेटिंग कर रहे हैं। इस सूत्र के हवाले से न्यूज 18 शोशा ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा है कि हां, यह सच है कि वे डेटिंग कर रहे हैं। लेकिन यह अभी बहुत नया है और वे अपने रिश्ते को अभी ऑफिशियल नहीं करना चाहते हैं। साथ ही दोनों बाहर घूमने-फिरने और देखे जाने से भी बेफिक्र हैं। दोनों के दोस्त इनके साथ आने से काफी पसंद हैं। क्योंकि इन दोनों के विचार, इनके एथिक्स और इनकी सोच काफी हद तक मिलती हैं।

बॉलीवुड के साथ साउथ में लगातार काम कर रही हैं मृणाल

मृणाल ठाकुर इन दिनों बॉलीवुड के साथ-साथ साउथ इंडस्ट्री में भी लगातार काम कर रही हैं। 'सीता रामम' की सफलता ने मृणाल के लिए साउथ में भी दरवाजे खोल दिए हैं। मृणाल वर्तमान में अदिवी शेष के साथ 'डकैत- ए लव स्टोरी' की शूटिंग कर रही हैं। इसके लिए वो मुंबई और हैदराबाद के बीच आना-जाना करती रहती हैं और दक्षिण में एक कार्यक्रम के दौरान उनकी मुलाकात धनुष से हुई। सूत्र ने आगे बताया कि पहले उनकी दोस्ती हुई फिर बाद में वो दोस्ती प्यार में बदल गई।

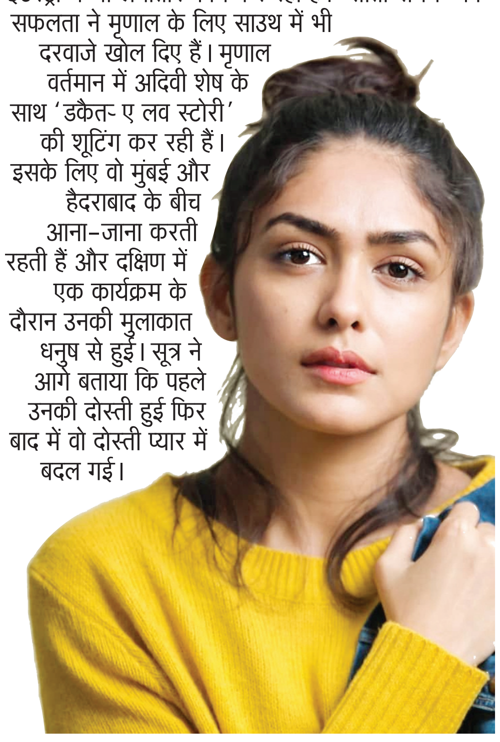

'120 बहादुर' के लिए राशि खन्ना को क्यों चुना, फरहान अख्तर ने किया खुलासा

फिल्म '120 बहादुर' का टीजर मंगलवार को मुंबई में लॉन्च हुआ। इस कार्यक्रम में पैन-इंडिया स्टार फरहान अख्तर और राशि खन्ना ने दर्शकों को अपने ऑफ-स्क्रीन रिश्ते की एक झलक दिखाई। फिल्म के टीजर में जहां रेजांग-ला के युद्ध की एक गंभीर और भावनात्मक कहानी दिखाई गई। वहीं फरहान अख्तर ने राशि और उनकी एक्टिंग की खूब तारीफ की। एक व्यक्ति के रूप में उनकी खासियत पर विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, मेरे माता-पिता ने हमेशा सिखाया है कि किसी इंसान को समझना हो, तो यह देखो कि वह अपने आसपास के लोगों से कैसा व्यवहार करता है। और फरहान सर हर किसी को बराबरी का सम्मान देते हैं, चाहे वह कोई भी हो। यह एक ऐसी खूबी है जो मैंने बहुत कम लोगों में देखी है। इसलिए मैं उन्हें एक इंसान के तौर पर और भी ज्यादा पसंद करती हूं। बेशक, मैं उन्हें एक अभिनेता और निर्देशक के रूप में सराहती हूं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं उन्हें एक इंसान के रूप में भी बहुत पसंद करती हूं। वह बहुत ही प्रेरणादायक और बहुत ही अनुशासित हैं। फिल्म में राशि के किरदार पर बात करते हुए फरहान अख्तर उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए उन्होंने कहा, राशि, आपके साथ काम करना एक बेहद शानदार अनुभव रहा। वह कहती हैं कि यह कहानी खुद उनके पास आई, लेकिन मुझे लगता है कि शायद इसका उल्टा हुआ है। मेरा मानना है कि रास्ते खुद उन लोगों को ढूंढते हैं जो उन्हें निभाने के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं। और इस भूमिका के लिए राशि को लेना, इससे बेहतर निर्णय हम कर ही नहीं सकते थे। वह फिल्म में बेहद शानदार हैं।

हंसिका मोटवानी का ढाई साल बाद हो रहा तलाक?

हंसिका मोटवानी ने अपनी शादी की सारी तस्वीरें और वीडियो डिलीट कर दिए है, जिसके बाद पति सोहेल कथूरिया संग उनके तलाक की चर्चाएं तेज हो गई हैं। हंसिका काफी समय से मां के साथ रह रही हैं और पति अपने पैरेंट्स संग शिफ्ट हो चुके हैं। हंसिका मोटवानी ने साल 2022 में सोहेल कथूरिया से शादी की थी, पर ऐसा लगता है कि उनका तलाक होने वाला है। उनकी शादी मुश्किल दौर से गुजर रही है। हंसिका और सोहेल कथूरिया की शादी में दरार की काफी समय से खबरें आ रही थीं, और अब एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम से अपनी शादी की सारी तस्वीरें डिलीट कर दी हैं। इससे तलाक की खबरें तेज हो रही हैं। हंसिका मोटवानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से पति सोहेल कथूरिया संग शादी की सारी तस्वीरें डिलीट कर दी हैं। हालांकि, अभी इस पर कपल की तरफ से कोई रिएक्शन नहीं आया है, लेकिन एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हंसिका और सोहेल शादी के दो साल बाद से ही अलग रह रहे हैं। हंसिका अब मां के साथ रहती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम से अपनी शादी का वीडियो भी डिलीट कर दिया है।

हंसिका मोटवानी इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं और तस्वीरें-वीडियो शेयर करती रहती हैं, लेकिन 18 जुलाई 2025 से उन्होंने कोई पोस्ट शेयर नहीं किया है। वह पूरी तरह इनएक्टिव हैं, जिसने तलाक की अफवाहों को और हवा दे दी है। फैंस का दावा है कि हंसिका मोटवानी और सोहेल कथूरिया के बीच कुछ ठीक नहीं है। उनकी शादीशुदा जिंदगी में दिक्कतें चल रही हैं। वहीं सोहेल कथूरिया ने इंस्टाग्राम पर अपने अकाउंट को प्राइवेट कर दिया है। वह साल 2023 से इंस्टाग्राम पर इनएक्टिव हैं।

हंसिका मोटवानी का करियर और आने वाली फिल्म

प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें, तो हंसिका मोटवानी ने अपने करियर की शुरुआत चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में की थी। वह ऋतिक रोशन स्टारर कोई मिल गया में नजर आई थीं। वह टीवी शो शाका लाका बूम बूम का भी हिस्सा रहीं। कई साल से वह साउथ फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रही हैं। साल 2024 में हंसिका तेलुगू फिल्म में नजर आईं। अब वह नशा में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग चल रही है।

मां के साथ रह रहीं हंसिका, पैरेंट्स संग शिफ्ट हुए सोहेल कथूरिया

हाल ही खबरें आई थीं कि हंसिका मोटवानी और सोहेल कथूरिया साथ नहीं रह रहे हैं। जहां हंसिका मां के साथ रह रही हैं, वहीं पति सोहेल अपने पैरेंट्स के साथ रहने चले गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, हंसिका शादी के बाद दिसंबर 2022 से ससुरालवालों के साथ रहने लगी थीं, पर वह परिवार में एडजस्ट नहीं कर पा रही थीं। इसलिए सोहेल और हंसिका ने उसी बिल्डिंग में अलग फ्लैट ले लिया, जिसमें ससुरालवाले रह रहे थे। और अब खबर है कि हंसिका और सोहेल कथूरिया के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा है। मतभेद काफी बढ़ गए हैं। हंसिका मोटवानी और सोहेल कथूरिया की शादी खूब आलीशान तरीके से हुई थी और काफी चर्चा में रही थी। यह शादी जयपुर के एक किले में हुई थी। सोहेल कथूरिया की हंसिका मोटवानी से दूसरी शादी थी। उनकी पहली शादी रिंकी बजाज से हुई थी, जो हंसिका मोटवानी की अच्छी दोस्त हैं। हंसिका ने अपनी बेस्ट फ्रेंड के एक्स-हस्बैंड से शादी की, पर हंसिका ने एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्हें जबरदस्ती विलेन बनाया जा रहा है।

सूर्या फाउंडेशन द्वारा संचालित कन्या शिक्षा परिसर में रक्षाबंधन के पर्व पर मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह का आगमन

सीहोर । सूर्या फाउंडेशन द्वारा संचालित कन्या शिक्षा परिसर, सीहोर में दिनांक 4 अगस्त के दिन रक्षाबंधन का पावन पर्व परंपरागत रूप में हर्ष, उल्लास एवं आत्मीयता के वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह रहे, जिनकी उपस्थिति से आयोजन की गरिमा और भावनात्मकता दोनों ही बढ़ गई ।छात्राओं ने अपने हाथों से मंत्री डॉ. शाह, जनजातीय कार्य विभाग के जिला संयोजक श्री अरविंद कुशवाहा तथा सूर्या फाउंडेशन द्वारा संचालित कन्या शिक्षा परिसर, सीहोर के प्रबंधक श्री सत्येंदर शर्मा को राखी बाँधी एवं स्नेहपूर्ण आशीर्वाद प्राप्त किया। मंत्री डॉ. शाह ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा कि सूर्या फाउंडेशन द्वारा संचालित यह संस्थान बालिकाओं के सर्वांगीण विकास की दिशा में सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यहाँ की

छात्राएँ निकट भविष्य में एनइइओ एवं जेइइजैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होकर विद्यालय और प्रदेश का नाम गौरवान्वित करेंगी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि छात्राओं की प्रत्येक मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति प्रशासन के माध्यम से सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, उन्होंने विद्यालय से जुड़े कई महत्वपूर्ण एवं लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु आवश्यक स्वीकृतियाँ भी प्रदान कीं ।इस अवसर पर मंत्री डॉ. शाह ने पद्मश्री श्री जयप्रकाश जी, संस्थापक सूर्या फाउंडेशन तथा संपूर्ण प्रबंधन टीम के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उन्हें सादर प्रणाम किया। उन्होंने कहा कि सूर्या फाउंडेशन न केवल शिक्षा, बल्कि नैतिकता और राष्ट्रनिर्माण की दिशा में भी अनुकरणीय योगदान दे रहा है।

बालाक्सी फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 25 में शानदारप्रदर्शन किया और रणनीतिक विस्तार को आगे बढ़ाया

मुंबई, एजेंसी। बालाक्सी फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड जो एकब्रांडेड आईपीआर-आधारित फार्मास्युटिकल कंपनी है और अग्रणी बाजारों में अपनी विशिष्ट उपस्थिति बना रही है, ने 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और वित्त वर्ष के लिए अपने ऑडिटेडवित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। कंपनी ने मजबूत संचालन और रणनीतिक प्रगति का प्रदर्शन किया है। कंपनी के समेकित राजस्व में साल दर साल 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो अफ्रीका और लैटिन अमेरिका मेंजोरदार प्रदर्शन के चलते संभव हुआ। महंगाई के दबाव के बावजूद कंपनी की लाभप्रदता मजबूत रही, और अच्छेग्रॉस मार्जिन से उत्पाद पोर्टफोलियो की मजबूत प्राइसिंग पावर झलकती है। इस वर्ष कंपनी ने 85 नए उत्पादपंजीकरण प्राप्त किए, जिससे उसके कुल पंजीकरण 7 देशों में 915 हो गए। संस्थागत (हॉस्पिटल) वटेंडर आधारित कारोबार जैसे नए सेल्स चैनलों में विस्तार से कंपनी को नई विकास संभावनाएँ मिलीं। हैदराबाद में फार्मा फार्मुलेशनमैन्युफैक्चरिंग सुविधा का निर्माण अपनेअंतिम चरण में है; इसके वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में शुरू होने और परीक्षण पूरे होने की संभावना है। वित्त वर्ष के दौरान अफ्रीका में ब्रांडेड जेनेरिक्सके क्षेत्र में कंपनी ने अपनी लीडरशिप बनाए रखी, जिसमें मजबूत वितरण नेटवर्क और गहरे ग्राहक संबंधों की भूमिका रही। लैटिन अमेरिका में भी प्रदर्शन संतोषजनक रहा, जिससे यह सिद्ध होता है कि कंपनीकेंद्रित क्रियान्वयन एवं अनूठे उत्पाद प्रस्तावों के साथ नए बाजारों में तेजी से पैठ बना सकती है। महंगाई एवं बढ़ती प्रशासनिक तथा कर्मचारी लागत के बावजूद कंपनीकी लाभप्रदता सुदृढ़ बनी रही। ग्रॉस प्रॉफिट मार्जिन स्वस्थ रहे, जिससे पोर्टफोलियो की मजबूती औरअविकसित बाजारों में प्राइसिंग पावर जाहिर होती है।

अमीरों की लिस्ट में और लुढ़के अडानी

अंबानी को झटका, खतरे में मस्क का ताज

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में उथल-पुथल मची है। भारत ही नहीं बल्कि एशिया के सबसे रईस मुकेश अंबानी और गौतम अडानी को झटका लगा है। दोनों अरबपतियों ने न केवल दौलत गंवाई है बल्कि अमीरों की लिस्ट में उनका रुतबा भी घटा है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में मुकेश अंबानी 100 अरब डॉलर क्लब से बाहर हो गए हैं और अडानी एक और पायदान लुढ़क कर 22वें स्थान पर आ गए हैं। ट्रंप के टैरिफ के बाद दुनिया में काफी कुछ तेजी से बदल रहा है। कहीं फायदा तो कही नुकसान नजर आ रहा है। दुनिया भर के शेयर बाजारों में इसका असर देखने को मिल रहा है। इससे अरबपतियों की संपत्ति में भी काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, जिसका असर उनकी रैंकिंग पर भी देखने को मिल रही है।

मस्क की भी कुर्सी खतरे में- एलन मस्क की संपत्ति बुधवार को 7.61 अरब डॉलर बढ़कर 364 अरब डॉलर हो गई है। वहीं, लैरी एलिसन तेजी से मस्क के करीब पहुंच रहे हैं। उनकी संपत्ति अब 307 अरब डॉलर हो गई है।

कभी अरबपति नंबर-1 थे अर्नाल्ट- इनके बाद स्टीव बाल्मर (180 अरब डॉलर), लैरी पेज (176 अरब डॉलर), सर्गी ब्रिन (164 अरब डॉलर) हैं। जेनसन हुआंग (156 अरब डॉलर) के साथ 8वें स्थान पर हैं। कभी दुनिया के नंबर वन अमीर रहे बर्नार्ड अर्नाल्ट (151 अरब डॉलर) अब नौवें स्थान पर हैं। वॉरने बफेट भी 141 अरब डॉलर के साथ 10वें पर हैं।

टॉप-20 से बाहर हो गए अडानी- अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी दुनिया के अमीरों की टॉप-20 लिस्ट से बाहर हो गए हैं। इस साल अडानी दुनिया के टॉप लूजर अरबपतियों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। उनकी दौलत इस साल 2.73 अरब डॉलर कम होकर 76 अरब डॉलर रह गई है।

पेटीएम के बाद अब जोमैटो से बाहर निकलेगी चीन के अरबपति की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन के दिग्गज उद्योगपति जैक मा की कंपनी-एंट फाइनेंशियल भारत की एक और कंपनी से बाहर निकलने के मूड में है। दरअसल, एंट फाइनेंशियल ऑनलाइन फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी इटरनल लिमिटेड यानी जोमैटो में एक ब्लॉक डील के जरिए समूची हिस्सेदारी बेच सकती है। बता दें कि एंट फाइनेंशियल ने हाल ही में हिस्सेदारी बेचकर पेटीएम से खुद को अलग कर लिया है।

क्या है डील की डिटेल

सीएनबीसी की एक खबर के मुताबिक इटरनल में एंट फाइनेंशियल ब्लॉक डील के तहत 18.85 करोड़ शेयर बेच सकता है। एंटफिन जितने शेयर बेचने की योजना बना रहा है, वह कंपनी की बकाया इक्विटी का 2 प्रतिशत है। ब्लॉक डील के लिए फ्लोर प्राइस 285 प्रति शेयर तय किया गया है, जो बुधवार को इटरनल के बंद भाव से 5 प्रतिशत कम है। इस खबर के बीच, इटरनल के शेयर

बुधवार को 0.7 प्रतिशत गिरकर 300 पर बंद हुए। पिछले एक महीने में यह शेयर 16 प्रतिशत चढ़ा है।

पेटीएम से भी बाहर निकली कंपनी

एक सप्ताह में यह भारत की दूसरी कंपनी है जिसमें से एंट फाइनेंशियल ने हिस्सेदारी बेच रही है। बीते दिनों उद्योगपति जैक मा की कंपनी एंट फाइनेंशियल ने डिजिटल भुगतान मंच पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस में अपनी समूची 5.84 प्रतिशत हिस्सेदारी करीब 3,980 करोड़ रुपये में बेच दी है। इसके साथ कंपनी में चीन की कंपनियों का स्वामित्व शून्य हो गया है ।पेटीएम से एंटफिन के बाहर निकलने से उसे लगभग 2 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। चीन की कंपनी ने 33,000 करोड़ रुपये से अधिक के शुरुआती निवेश किए थे लेकिन उसे केवल 17,000 करोड़ रुपये का रिटर्न मिला।

डेटा लीक से जुड़ी चिंताओं के बीच मास्टरकार्ड ग्राहक परेशान, बैंकों से नहीं मिल पा रहा ठोस जवाब

मुंबई, एजेंसी। क्रेडिट व डेबिट कार्ड से जुड़े डेटा लीक होने की खबरों के बीच बैंकों की ओर से मास्टरकार्ड और वीजा पर आधारित कार्ड जारी करना बंद करने की अटकलें हैं। इस बीच ग्राहकों को भी परेशानी झेलने से जुड़ी जानकारी सामने आ रही हैं। कई ग्राहकों ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि प्रमुख बैंक मास्टरकार्ड व वीजा से जुड़े डेबिट और क्रेडिट कार्ड नहीं जारी कर रहे हैं। वहीं मौजूदा कार्ड ग्राहकों को भी इसके संचालन से जुड़ी कई कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। बड़े पैमाने पर ग्राहकों के कार्ड एक्सपायर होने के बाद उन्हें नए कार्ड नहीं मिल पा रहे हैं। उससे भी बड़ी दिक्कत यह है कि ग्राहकों को बैंकों की ओर से न तो कोई मदद ही नहीं मिल पा रही है न ही कोई आधिकारिक जानकारी।

पहले भी विवादों में रहा है मास्टरकार्ड- भारतीय रिजर्व बैंक ने मास्टरकार्ड पर 2021 में भी कार्रवाई की थी। डेटा स्थानीयकरण मानदंडों का पालन न करने के कारण मास्टरकार्ड को भारत में नए ग्राहकों को शामिल करने से प्रतिबंधित कर दिया गया था। जुलाई 2021 से

जून 2022 तक चले इस प्रतिबंध के दौरान मास्टरकार्ड को घरेलू ग्राहकों को नए डेबिट, क्रेडिट या प्रीपेड कार्ड जारी करने से रोक दिया गया था। मास्टरकार्ड की ओर से संतोषजनक अनुपालन सुनिश्चित करने करने के बाद जून 2022 में यह प्रतिबंध हटा दिया गया था।

परेशानी झेलने को मजबूर मास्टरकार्ड ग्राहक, नहीं हो रहा समाधान- बैंकिंग जगत से जुड़े जानकारों का दावा है कि बैंकों की ओर से जारी होने वाले डेबिट और क्रेडिट कार्ड के मामले में पिछले कुछ समय से बड़े पैमाने पर ग्राहक परेशान हैं, खासकर, मास्टरकार्ड के ग्राहक। ऐसी स्थिति बनी है डेटा लीक होने से जुड़ी अटकलें सामने आने के बाद। बड़े पैमाने पर मौजूदा ग्राहकों ने संचालन से जुड़ी परेशानी झेलने की भी शिकायत की है। हालांकि, मास्टरकार्ड और बैंक इस बारे में आधिकारिक तौर पर कुछ भी टिप्पणी करने से बच रहे हैं। कोटक महिन्द्रा बैंक से जुड़े एक आधिकारिक सूत्र ने अमर उजाला डॉटकॉम से बातचीत में बताया कि सभी बैंकों को डेबिट और क्रेडिट कार्ड जारी करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दिशानिर्देशों का पालन करना होता है, तब ही वह बैंक डेबिट और क्रेडिट कार्ड जारी कर सकता है।

क्या आरबीआई जांच के कारण मास्टकरकार्ड ग्राहकों को हो रही परेशानी- उन्होंने बताया कि इसके लिए आरबीआई बैंकों के आईटी विभाग का ऑडिट करता है, जिसमें यह देखा जाता है कि खाताधारकों का डेटा सुरक्षित रखने के लिए बैंक कितनी सुरक्ष लेयर का इस्तेमाल करता है और बैंक का डेटा कितना सुरक्षित है।

टीवी फल-फूल रहा है और कलर्स वास्तविक और साहसिक कहानियों के साथ आगे बढ़ रहा है: आलोक जैन

मुंबई, एजेंसी। कलर्स लगातार बोल्ड कहानियां, बोल्ड आवाजें पेश कर रहा है, जिनकी जड़ें गहरी हैं। हमारी सबसे बड़ी कोशिश यही रहती है कि हम अपने दर्शकों को जितना समझ सकें, उतना समझें। हम लगातार कंज़्यूमर रिसर्च करते हैं। हम टियर 1 और टियर 2 टाउन में जाते हैं, ये जानने के लिए कि लोगों की ज़िंदगी में क्या चल रहा है। वरना बिना रिसर्च के हमारी सोच एक सीमित दायरे में सिमट जाती है। भारत एक बहुत विशाल और विविधताओं से भरा देश है। हमारे देश में पूरा यूरोप समाया हुआ है। हमारी कोशिश यही होती है कि हम यह समझें कि दर्शक क्या देखना चाहते हैं, और उसी के आधार पर कहानियां सुनाएं। पति पत्नी और पंगा की प्रेरणा भी वहीं से आई। जब हमने देखा कि हर कपल एक-दूसरे से अलग होता है। जब शादी होती है तो कभी पति एडजस्ट करता है, कभी पत्नी - और ये उनकी अनोखी बॉन्डिंग होती है, जिसे सेलिब्रेट किया जाना चाहिए, जज नहीं। इसलिए हम यह शो लेकर आ रहे हैं, ताकि उन 'पंगों' को सेलिब्रेट किया जा सके। ये इनसाइट हमें आम लोगों को करीब से देखने के बाद मिली। हमारी कोशिश हमेशा यही होती है कि हम कंज़्यूमर को समझें नई कहानियां लेकर आएं और नए कहानीकारों को मौका दें। हमने देखा है कि ज़मीन से जुड़ा कहानीकार हमेशा कमाल करता है इसलिए हम उसे ही प्रोत्साहित करना चाहते हैं।

आनंद राठी समेत 5 आईपीओ को सेबी ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पर पैसा लगाने की सोच रहे हैं तो ये खबर आपके लिए है। दरअसल, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 5 कंपनियों के आईपीओ को मंजूरी दे दी है। इनमें से एक कंपनी आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स भी है। बता दें कि यह आनंद राठी ग्रुप की कंपनी है, जो शेयर ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म है।

किन कंपनियों को मिली मंजूरी- आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स के अलावा प्रेस्टीज हॉस्पिटैलिटी वेंचर्स, एसएसएफ प्लास्टिक्स इंडिया, गुजरात किडनी एंड सुपर स्पेशियलिटी और ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज के आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। इन पांचों कंपनियों ने इस साल जनवरी से अप्रैल के बीच आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए थे।

आईपीओ की डिटेल- प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स की इकाई प्रेस्टीज हॉस्पिटैलिटी वेंचर्स 2,700 करोड़ रुपये का आईपीओ लेकर आएगी। इसमें 1,700 करोड़ रुपये के नए शेयर और 1,000 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश शामिल होगी। आनंद राठी ग्रुप की ब्रोकरेज इकाई आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स का आईपीओ पूरी तरह से 745 करोड़ रुपये के फ्रेश इश्यू पर आधारित होगा।

56 पर आ गया 290 वाला टीटीएमएल का शेयर

भारी कर्ज में कंपनी, लगातार करा रहा नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा टेलीसर्विसेज महाराष्ट्र लिमिटेड यानी टीटीएमएल के शेयर आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। कंपनी के शेयर में आज 2 प्रतिशत तक गिरकर 56.75 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गए थे। शेयरों में इस गिरावट के पीछे एक खबर है। दरअसल, कंपनी में मैनेजमेंट लेवल पर कुछ बदलाव हुए हैं। इसका असर शेयर पर निगेटिव पड़ा है। बता दें कि कंपनी के शेयर साल 2022 में 290 के भाव पर थे। पांच साल में कंपनी के शेयर 1600 प्रतिशत तक चढ़ गए हैं।

क्या है डिटेल

कंपनी ने शेयर बाजार को गैर-कार्यकारी गैर-स्वतंत्र निदेशक के इस्तीफे की सूचना दी है। इसके अलावा, अतिरिक्त निदेशक (गैर-कार्यकारी गैर-स्वतंत्र) की नियुक्ति के बारे में जानकारी दी है। बता दें कि कंपनी कर्ज फ्री नहीं है। यह सेक्टर में भारी बोझ के साथ आपरेट कर रही है।

लाखों करोड़ रुपये के‚तक्र ड्यूज के चलते लगातार घाटे में है। कंपनी निगेटिव नेटवर्थ और कर्ज से भरे बैलेंस शीट के साथ काम कर रही है। कंपनी ने जून तिमाही में 324.98 करोड़ का नेट घाटा दर्ज किया, जो पिछले वर्ष क्यू1 एफवाय2025 में 323.40 करोड़ के घाटे से लगभग 0.5 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान ऑपरेशनल राजस्व 284.25 करोड़ रहा, जो एक वर्ष पहले की तुलना में करीब 12.13 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। कंपनी की कुल आय में लगभग

12.5 प्रतिशत की कमी आई, जबकि खर्चों में कटौती करते हुए उन्हें 139.55 करोड़ पर लाया गया, जो पिछले वर्ष की 188.64 करोड़ के मुकाबले काफी कम था।

क्या है कंपनी का कारोबार

बता दें कि टीटीएमए एक भारतीय टेलीकॉम कंपनी है जो टाटा ग्रुप की एक सहायक कंपनी है। यह मुख्य रूप से महाराष्ट्र (मुंबई को छोड़कर) और गोवा क्षेत्रों में दूरसंचार सेवाएं प्रदान करती है। टाटा टेली बिज़नेस सर्विसेज के अंतर्गत छोटे, मझोले और बड़े व्यवसायों को विभिन्न प्रकार की एंटरप्राइज समाधान सेवाएं जैसे क्लाउड कम्युनिकेशन, इंटरनेट कनेक्टिविटी, साइबर सुरक्षा और ढ्ढश्ञ्ज सेवाएं देती है। कंपनी का मुख्य फोकस ड्ढ2ड्ढ सेवाओं पर है और यह डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को बढ़ावा देने में मदद करती है। स्टॉक मार्केट में टीटीएमएल के शेयर काफी चर्चा में रहते हैं, खासकर जब इसमें अचानक तेजी या गिरावट आती है। निवेशकों को इस कंपनी में निवेश करने से पहले इसके वित्तीय प्रदर्शन, बाज़ार की स्थिति और दीर्घकालिक रणनीति का अच्छी तरह से विश्लेषण करना चाहिए।

पूर्व राजनयिक ने कहा-

ट्रंप का रास्ता तर्कहीन, फैसले एकतरफा; उद्योग जगत बोला- अर्थव्यवस्था पर असर कम

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर रूसी तेल खरीद को लेकर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। इस फैसले से भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों में तनाव बढ़ गया है। हालांकि भारत के कई विशेषज्ञों और आर्थिक संस्थानों ने इसे चिंताजनक लेकिन नियंत्रण में बताया है। पूर्व राजदूत अनिल त्रिगुणायत ने ट्रंप के फैसले को अतार्किक और व्यक्तिगत नाराजगी से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा ट्रंप एक बार फिर बिना वजह सजा देने के रास्ते पर चल पड़े हैं। 6 जुलाई को भारत-अमेरिका के बीच वार्ता लगभग पूरी हो चुकी थी, लेकिन खुद ट्रंप ने उसे रोककर अपनी टीम को फिर से बातचीत शुरू करने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने सवाल उठाया, अगर अमेरिका कहता है कि भारत को रूस से तेल नहीं खरीदना चाहिए, तो क्या वह वैसा ही सस्ता तेल दे सकता है भारत को अपने राष्ट्रीय हितों को पहले रखना ही होगा। अनिल त्रिगुणायत ने यह भी कहा कि, लगता है कि पश्चिमी देश भारत की स्वतंत्र आर्थिक ताकत से खुश नहीं हैं और उसे रोकने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इसमें उन्हें सफलता नहीं मिलेगी। डॉ. रणजीत मेहता, जो भारत के प्रमुख वाणिज्य मंडल के ष्टश्वह्र हैं, उन्होंने कहा कि टैरिफ से नुकसान तो है, लेकिन वो बहुत सीमित है।

टैरिफ से इन क्षेत्रों में लग सकता है झटका

वहीं इन्फोमेरिक्स रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री डॉ. मनोरंजन शर्मा ने कहा, ट्रंप के इस कदम से औषधि, कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, रत्न और आभूषण जैसे क्षेत्रों को झटका लगेगा। लेकिन उन्होंने भरोसा जताया कि भारत एक घरेलू खपत पर आधारित अर्थव्यवस्था है। जैसे हमने 2008 का आर्थिक संकट और कोविड-19 की महामारी को झेला, वैसे ही इस झटके को भी झेल लेंगे।

घर गिरवी रखकर एवरेस्ट पर चढ़ा, 'अनदेखी' से शीर्ष खेल पुरस्कार से चूका पर्वतारोही

इंदौर(एजेंसी)। वर्ष 2017 में महज 20 साल की उम्र में दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत शिखर माउंट एवरेस्ट को फतह करने वाले मध्यप्रदेश के पर्वतारोही मधुसूदन पाटीदार ने आरोप लगाया कि अफसरों की अनदेखी से वह राज्य के सबसे बड़े खेल अलंकरण 'विक्रम पुरस्कार' से चूक गए। पाटीदार की याचिका पर मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली राज्य की अन्य पर्वतारोही भावना डेहरिया को साहसिक खेलों की श्रेणी में वर्ष 2023 का विक्रम पुरस्कार प्रदान किए जाने पर मंगलवार (पांच अगस्त) को अंतरिम रोक लगा दी थी।

उच्च न्यायालय ने यह स्थगन आदेश सूबे की राजधानी भोपाल में राज्य सरकार के शिखर खेल अलंकरण समारोह के आयोजन के चंद घंटे पहले जारी किया था। इस आयोजन के दौरान ही मंगलवार शाम डेहरिया को साहसिक खेलों की श्रेणी में विक्रम पुरस्कार प्रदान किया जाना था, लेकिन अदालत के आदेश के मद्देनजर इस श्रेणी में पुरस्कार वितरण नहीं किया गया। पाटीदार (29) ने इंदौर में संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि वह महज 20 साल की

उम्र में 21 मई 2017 को माउंट एवरेस्ट के शिखर पर पहुंचे थे और इस बेहद मुश्किल पर्वतारोहण अभियान के खर्च के इंतजाम के लिए उन्हें अपना घर गिरवी रखकर कर्ज लेना पड़ा था जिसकी किस्तें वह अब भी चुका रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'प्रदेश में साहसिक खेलों की श्रेणी में पहला विक्रम पुरस्कार 2021 के लिए दिया गया था। वर्ष 2022 के लिए किसी भी खिलाड़ी को इस श्रेणी में यह पुरस्कार नहीं दिया गया। 2023 के 'विक्रम पुरस्कार' (साहसिक खेल श्रेणी) के लिए डेहरिया का नाम घोषित कर दिया गया, जबकि वह मेरे दो साल बाद 2019 में माउंट एवरेस्ट के शिखर पर पहुंची थीं। पाटीदार ने आरोप लगाया कि सरकारी अफसरों ने पर्वतारोहण के क्षेत्र में उनकी वरिष्ठता की अनदेखी की जिसके कारण वह अब तक 'विक्रम पुरस्कार' से वंचित हैं।

उधर, डेहरिया (33) ने कहा कि तमाम पैमानों पर खरे उतरने के बाद ही उनका नाम 'विक्रम पुरस्कार' के लिए घोषित किया गया था और सूबे का सबसे बड़ा खेल अलंकरण ऐन मौके पर हाथ से फिसल जाने के कारण वह बेहद दुःख और मानसिक पीड़ा से गुजर रही हैं। उन्होंने कहा, 'मैं रिहर्सल के बाद राज्य सरकार के शिखर खेल अलंकरण समारोह में 'विक्रम पुरस्कार' लेने पहुंच गई थी, लेकिन ऐन मौके पर खेल विभाग के अधिकारियों ने मुझे उच्च न्यायालय के स्थगन आदेश के बारे में जानकारी दी।

आप समझ ही सकते हैं कि बिना 'विक्रम पुरस्कार' लिए घर लौटने पर मेरी और मेरे परिवार के लोगों की स्थिति क्या रही होगी? डेहरिया ने कहा कि उन्हें अदालत से न्याय मिलने का पूरा भरोसा है। 'विक्रम पुरस्कार' पर दावे को लेकर पाटीदार की याचिका पर उच्च न्यायालय में 17 सितंबर को अगली सुनवाई होनी है। प्रदेश सरकार के एक अधिकारी ने राजपत्र में प्रकाशित 'मध्यप्रदेश पुरस्कार नियम 2021 के हवाले से बताया कि साहसिक खेलों की श्रेणी में वे खिलाड़ी शासकीय पुरस्कार के आवेदन के पात्र होते हैं जिन्होंने पिछले पांच वर्षों में साहसिक खेल गतिविधियों में निरंतर भाग लेते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ विशेष उपलब्धि अर्जित की हों।

अधिकारी के मुताबिक इन नियमों में यह भी कहा गया है कि साहसिक खेल श्रेणी में पुरस्कार की अनुशंसा 'उपलब्धि और वरिष्ठता' के आधार पर की जाएगी। 'विक्रम पुरस्कार', राज्य का सबसे बड़ा खेल अलंकरण है जिसे वर्ष 1972 से प्रदान किया जा रहा है। अलग-अलग खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 12 वरिष्ठ खिलाड़ियों को 'विक्रम पुरस्कार' से नवाजा जाता है। 'विक्रम पुरस्कार' से सम्मानित किए जाने वाले हर खिलाड़ी को 2 लाख रुपए और स्मृति चिन्ह प्रदान किया जाता है। 'विक्रम पुरस्कार' से सम्मानित खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित करके शासकीय सेवा में नियुक्ति भी दी जाती है।

ब्रैंडन टेलर 42 महीने बैन के बाद टेस्ट खेलने उतरे

आईसीसी से स्पॉट फिक्सिंग की जानकारी छिपाई थी ; जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी

हरारे (एजेंसी)। आईसीसी का बैन पूरा होने के बाद जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान ब्रेंडन टेलर ने इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी कर ली है। वे शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला खेलने उतरे। टेलर को 30 जुलाई को टीम में शामिल किया गया था। 39 साल के टेलर पर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने एंटी करप्शन और एंटी डोपिंग नियम तोड़ने के लिए साढ़े तीन साल का प्रतिबंध लगाया गया था। टेलर को जनवरी 2022 में एक भारतीय व्यवसायी ने 2019 में स्पॉट फिक्सिंग के लिए संपर्क किया था, लेकिन उन्होंने इसकी सूचना एंटी करप्शन यूनिट को नहीं दी।टेलर को उस समय कोकीन के सेवन से जुड़ी डोप जांच में विफल होने के कारण भी एक महीने के लिए निलंबित किया गया था। उन पर 2019 में 15,000 अमेरिकी डॉलर लेने की बात स्वीकार करने के आरोप थे।प्रतिबंध लगने से पहले टेलर लाल गेंद के क्रिकेट में शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने अपनी पिछली तीन टेस्ट पारियों में क्रमशः 92, 81 और 49 रन बनाए थे।ब्रैंडन टेलर जिम्बाब्वे की ओर से ओपन करने उतरे।बुलवायो में चल रहे इस मुकाबले में न्यूजीलैंड की ओर से 3 खिलाड़ियों ने टेस्ट डेब्यू किया है, इनमें जैकब डफी, मैट फिशर और जैक फैल्कस शामिल हैं। डफी 289, फिशर 290 और फैल्कस को 291 नंबर की टेस्ट कैप मिली।टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में जिम्बाब्वे ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। फिलहाल, टीम 2 मैचों की सीरीज में 0-1 से पिछड़ रही है। न्यूजीलैंड ने पहला मुकाबला 9 विकेट से जीता था।

रोहित ने जायसवाल को मुंबई में ही बने रहने की सलाह दी, अध्यक्ष नाइक का बड़ा खुलासा

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा ने यशस्वी जायसवाल को घरेलू क्रिकेट के लिए गोवा जाने के बजाय मुंबई के साथ बने रहने के लिए मनाने में अहम भूमिका निभाई। यह खुलासा तब हुआ जब यशस्वी जायसवाल ने इस साल की शुरुआत में मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन से एनओसी (एनओसी) लिया, जिसके बाद उन्होंने मुंबई टीम छोड़कर गोवा जाने का फैसला किया।हालांकि जायसवाल ने आश्चर्यजनक रूप से यू-टर्न लेते हुए घरेलू प्रतियोगिता के लिए मुंबई टीम के साथ बने रहने का फैसला किया है। 23 वर्षीय इस खिलाड़ी के मन बदलने का कारण किसी को पता नही था, लेकिन अब मुंबई मिरर की एक रिपोर्ट ने इस मामले पर स्पष्टता प्रदान किया है। रिपोर्ट के अनुसार जायसवाल को मुंबई के साथ बने रहने के लिए मनाने वाले कोई और नही बल्कि रोहित ही है और इस बात का खुलासा एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने किया।नाइक के कहा, रोहित ने यशस्वी से अपने करियर के इस पड़ाव पर मुंबई में ही बने रहने को कहा। रोहित ने यशस्वी को समझाया कि मुंबई जैसी टीम के लिए खेलना बहुत गर्व और प्रतिष्ठा की बात है, जिसने रिकॉर्ड 42 बार रणजी ट्रॉफी जीती है।उन्होंने आगे कहा, मुंबई में ही उसने मैदान पर क्रिकेट खेलना शुरू किया और फिर मुंबई की सभी आयु वर्ग की टीमो के लिए चुना गया। रोहित ने यशस्वी से यह भी कहा कि उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि मुंबई क्रिकेट की वजह से ही उसे अपनी प्रतिभा दिखाने और भारत के लिए खेलने का मंच मिला, और इसके लिए उसे इस शहर का आभारी होना चाहिए।

इंडिया दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम का किया ऐलान

कोंस्टास-मैकस्वीनी को जगह मिली, हैरिस-बैनक्रॉफ्ट बाहर, 16 सितंबर से सीरीज

सिडनी (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को इंडिया टूर के लिए ऑस्ट्रेलिया ए का ऐलान कर दिया है। टीम में पिछली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में टेस्ट डेब्यू कर चुके सैम कोंस्टास, नाथन मैकस्वीनी, ओलिवर पीक और कैंपबेल केलावे को शामिल किया है। श्रीलंका दौरे में टीम का हिस्सा रहे जेक वेदराल्ड, जेसन सांघा और कर्टिस पैटरसन को मौका नहीं मिला। इतना ही नहीं, टेस्ट अनुभव रखने वाले ओपनर्स मार्कस हैरिस, कैमरून बैनक्रॉफ्ट और मैट रेनशॉ को बाहर रखा गया है।

ऑस्ट्रेलिया की युवा टीम सितंबर महीने में भारत का दौरा करेगी। 16 सितंबर से शुरू हो रहे दौरे में दो 4 दिनी मैच खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलियन सिलेक्टर्स अपने युवा खिलाड़ियों भारत में खेलने का अनुभव दिलाना चाहते थे, ताकि 2027 में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में इसका फायदा मिल सके।

19 साल के ओपनर सैम कोंस्टास ने मेलबर्न टेस्ट में डेब्यू किया था। उन्होंने फिफ्टी लगाई। इसी मैच में कोहली ने उन्हें धक्का मारा था और बहस भी की थी।नाथन मैकस्वीनी ने ब्रिस्बेन में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। उन्हें खराब प्रदर्शन के कारण ड्रॉप कर दिया गया था।

एशेज के लिए टीम का चयन शेफील्ड शील्ड के आधार पर

चयनकर्ताओं का कहना है कि भारत में यह सीरीज आगामी एशेज चयन को प्रभावित नहीं

करेगी। एशेज के लिए टीम का चयन अक्टूबर में शुरू होने वाले शेफील्ड शील्ड के शुरुआती तीन राउंड के प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा।

चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा- उपमहाद्वीप में खेलना चुनौतीपूर्ण होता है। हम चाहते हैं कि खिलाड़ी बार-बार इन परिस्थितियों में खेलकर अपनी तकनीक और रणनीति विकसित करें।

टॉड मर्फी और कूपर कॉनॉली भी टीम में शामिल

टेस्ट स्पिनर टॉड मर्फी, जिन्होंने 2023 में भारत के खिलाफ डेब्यू पर 7 विकेट लिए थे, को भी टीम में शामिल किया गया है। उनके साथ ऑफस्पिनर कोरी रोचिचिओली को भी मौका मिला है। लेफ्ट आर्म ऑलराउंडर कूपर कॉनॉली, जिन्होंने श्रीलंका में टेस्ट डेब्यू किया था, भी इस दौरे में रहेंगे।वहीं, तेज गेंदबाज लांस मॉरिस, जेवियर बार्टलेट और फर्गस ओ-नील भी टीम में हैं। जोश फिलिप एकमात्र विकेटकीपर हैं।

4 दिवसीय सीरीज के बाद वनडे भी खेलेंगे

चार दिवसीय मैचों के बाद कुछ खिलाड़ी कानपुर में तीन वनडे मैच भी खेलेंगे। कूपर कॉनॉली, मर्फी, हार्डी, एडवर्ड्स और स्कॉट वनडे टीम में भी रहेंगे, जबकि बाकी खिलाड़ी भारत से लौटकर शील्ड सीजन में खेलेंगे।

वनडे टीम में जेक फ्रेजर-मैकगर्क, टॉम स्ट्रेकर, कैलम विडलर, विल सदरलैंड, टैनवीर संगा, और लॉकी शॉ जैसे युवा चेहरे शामिल हैं। फ्रेजर-मैकगर्क को पहली बार लिस्ट ए में विकेटकीपिंग का मौका मिल सकता है।

ऑस्ट्रेलिया ए चार दिवसीय टीम

जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, जैक एडवर्ड्स, एरॉन हार्डी, कैंपबेल केलावे, सैम कोन्स्टास, नाथन मैकस्वीनी, लांस मॉरिस, टॉड मर्फी, फर्गस ओ-नील, ओलिवर पीक, जोश फिलिप, कोरी रोक्कीचोली, लियाम स्कॉट।

ऑस्ट्रेलिया ए वनडे टीम

कूपर कोनोली, हैरी डिक्सन, जैक एडवर्ड्स, सैम इलियट, जैक फ्रेजर-मैकगर्क, एरॉन हार्डी, मैकेंजी हार्वे, टॉड मर्फी, तनवीर सांघा, लियाम स्कॉट, लैची शॉ, टॉम स्ट्रेकर, विल सदरलैंड, कैलम विडलर।

हिसार की इंटरनेशनल रेसलर पूजा की बिजनेसमैन से सगाई, ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट को हरा चुकीं

हिसार (एजेंसी)। हरियाणा की इंटरनेशनल रेसलर पूजा ढांडा ने बिजनेसमैन अभिषेक बूरा से सगाई कर ली है। गुरुवार को हिसार में तोशाम रोड पर स्थित ताज पैलेस में दोनों ने एक-दूसरे को रिंग पहनाई। इससे पहले पूजा और अभिषेक ने फोटोशूट भी कराया। 13 नवंबर को इसी पैलेस में इनकी शादी होगी।

पूजा अरेंज मैरिज कर रही हैं। उनके पिता अजमेर ढांडा ने रिश्ता तय किया है। इससे पहले 23 फरवरी को रोके की रस्म हुई थी। पूजा फिलहाल हिसार के सुंदर नगर में रह रही हैं और हिसार में बतौर सीनियर कुश्ती ट्रेनर अपनी सेवाएं दे रही हैं।

पिता अजमेर ढांडा पशुपालन विभाग से ड्राइवर रिटायर्ड हुए थे। हिसार के महावीर स्टेडियम से पूजा ने कुश्ती की शुरुआत की थी। आज वह इस स्टेडियम में बच्चों को कुश्ती की ट्रेनिंग देती हैं। पूजा की मां कमलेश ढांडा गृहिणी हैं।पूजा ढांडा ने यूथ ओलिंपिक में भारत के लिए रजत पदक भी जीता था। इसके अलावा कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीत चुकी हैं। उन्होंने दंगल फिल्म का ऑफर ठुकराया था।

जूडो से की शुरुआत बाद में कुश्ती में आई- हिसार जिले के गांव बुडाना की रहने वाली पूजा शुरुआती दिनों में अपने पिता अजमेर ढांडा के साथ दौड़ने जाया करतीं थीं। वहीं से खेल को लेकर इनमें रुचि बढ़ती गई। आगे चलकर इन्होंने खेल को ही अपना करियर बनाया। पूजा ढांडा ने जूडो से अपने खेल जीवन की शुरुआत की। जूडो में पूजा ने नेशनल लेवल पर कई मेडल अपने नाम किए। साथ ही इंटरनेशनल लेवल पर भी 3 मेडल हासिल किए हैं।

वेस्टइंडीज ने वनडे सीरीज के लिए टीम का ऐलान किया

नईदिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। इस बार तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ को आराम दिया गया है, जबकि ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड की वनडे टीम में वापसी हुई है। अल्जारी जोसेफ को इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज में भी आराम दिया गया था। टीम मैनेजमेंट उनके वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए उन्हें लगातार ब्रेक दे रहा है। वहीं, रोमारियो शेफर्ड ने आखिरी बार दिसंबर 2024 में वनडे मैच खेला था। इस साल इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में वह टीम का हिस्सा नहीं थे। वेस्टइंडीज फिलहाल वनडे रैंकिंग में 10वें स्थान पर है और उनकी नजर 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए डायरेक्ट क्वालिफिकेशन हासिल करने पर है। टीम के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा,पाकिस्तान एक अलग तरह की चुनौती है। उनके खिलाफ खेलने से हमें अहम रैंकिंग अंक मिल सकते हैं जो वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए जरूरी हैं।अल्जारी जोसेफ की जगह 23 वर्षीय लेफ्ट आर्म तेज गेंदबाज जेडियाह ब्लेड्स को मौका मिला है। ब्लेड्स ने अभी तक सिर्फ 1 वनडे और 4 टी-20 मैच खेले हैं और वे नई गेंद से स्विंग कराने में सक्षम हैं।हाल ही में वेस्टइंडीज को पाकिस्तान से टी-20 सीरीज 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन वनडे में उनका घरेलू प्रदर्शन मजबूत रहा है। उन्होंने घर में पिछली तीन वनडे सीरीज जीती हैं।सीरीज की सभी तीन मैच त्रिनिदाद के ब्रायन लारा क्रिकेट अकैडमी में 8, 10 और 12 अगस्त को खेले जाएंगे।

दो-स्तरीय वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के खिलाफ ईसीबी

कहा- इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया और भारत से अलग नहीं किया जा सकता

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप को दो-स्तरीय मॉडल में बदलने की योजना का विरोध किया है।

ईसीबी का मानना है कि अगर इंग्लैंड का प्रदर्शन कुछ समय के लिए खराब होता है और टीम दूसरी श्रेणी (डिवीजन-2) में चली जाती है, तो इससे ऑस्ट्रेलिया और भारत जैसी बड़ी टीमों के साथ उनके मुकाबले नहीं हो पाएंगे., जो उनके सबसे अहम और मुनाफे वाले मुकाबले होते हैं।

दरअसल, ईसीबी ने हाल ही में एक वर्किंग ग्रुप बनाया है, जिसका नेतृत्व न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी रोजर ट्वोज़ कर रहे हैं। यह समूह 2027 से शुरू होने वाले अगले डब्ल्यूटीसी साइकिल से पहले इस टूर्नामेंट को बेहतर बनाने के उपायों पर काम कर रहा है। दो-स्तरीय प्रणाली (जहां शीर्ष और निचले स्तर की टीमें अलग-अलग डिवीजन में खेलेंगी) इस बार चर्चा का बड़ा विषय रहा है।

ईसीबी अध्यक्ष रिचर्ड थॉम्पसन ने कहा, अगर इंग्लैंड एक खराब दौर से गुजरता है और डिवीजन-2 में चला जाता है, तो क्या हम ऑस्ट्रेलिया और भारत से नहीं खेल पाएंगे? यह स्वीकार्य नहीं है।

उन्होंने माना कि डब्ल्यूटीसी ने टेस्ट क्रिकेट को एक नई पहचान दी है, लेकिन इसमें और सुधार की जरूरत है। उनके अनुसार, समय पर बदलाव और बेहतर शेड्यूलिंग से डब्ल्यूटीसी को और बेहतर बनाया जा सकता है । इसके लिए जरूरी नहीं कि टेस्ट क्रिकेट को दो भागों में बांटा जाए।

थॉम्पसन ने इस ओर भी इशारा किया कि 2028 ओलिंपिक में क्रिकेट शामिल होने जा रहा है, जिससे जुलाई में शेड्यूल को लेकर बड़ी चुनौतियां सामने आ सकती हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने भी इस मुद्दे पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि बड़ी टीमों की जिम्मेदारी है कि वे छोटे देशों को टेस्ट क्रिकेट में मजबूत बनाने में मदद करें। उन्होंने कहा,अगर दो-स्तरीय मॉडल से छोटे देशों को बेहतर संसाधन और अवसर मिलते हैं, तो मैं इसके लिए तैयार हूं। लेकिन अगर इससे नुकसान होता है, तो मैं इसका समर्थन नहीं करूंगा।आईसीसी की योजना है कि बड़े और छोटे क्रिकेट बोर्ड मिलकर यह तय करें कि आगे से जो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप यानी डब्ल्यूटीसी का चक्र शुरू हो तो उसमें 2 टियर सिस्टम लागू हो।

ओलिंपिक मेडलिस्ट बॉक्सर लवलीना बोलीं- बीएफआई अधिकारी ने मिसबिहेव किया

जूम पर मुझसे कहा- सिर नीचे करो, जैसा हम कहते हैं वैसा करो

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो ओलिंपिक गेम्स में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाने वाली मुक्केबाज लवलीना बोरगोहन ने इंडियन बॉक्सिंग एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक रिटायर्ड कर्नल अरुण मलिक पर मिसबिहेव के आरोप लगाए हैं। टीओआई के अनुसार, लवलीना ने अपमानजनक और लैंगिक भेदभावपूर्ण व्यवहार करने का आरोप लगाया है।

27 साल की मुक्केबाज ने 2 पेज की लिखित शिकायत की है। इसमें लिखा- कर्नल मलिक ने 8 जुलाई को टॉप्स की जूम मीटिंग में मेरे साथ अपमानजनक और तिरस्कार भरा व्यवहार किया।

इंडियन ओलिंपिक संघ (आईओए) ने इन आरोपों की जांच शुरू कर दी है। आईओए ने तीन सदस्यीय जांच समिति बनाई है, जिसमें टॉप्स के सीईओ नछत्तर सिंह जोहल, टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल और एक महिला वकील शामिल हैं।

लवलीन ने 2 पेज का शिकायत पत्र खेल मंत्री मनसुख मंडाविया, साई डीजी टॉप्स, आईओए और बॉक्सिंग फेडेरेशन को भेजी। उन्होंने शिकायत में लिखा-

मीटिंग के बाद मुझे बहुत ठेस पहुंची, मैं दुखी और निराश हो गई। मैं सोचने लगी कि हम महिला खिलाड़ी क्या वाकई सम्मान के लायक समझे जाते हैं?

उन्होंने लिखा-मैं सिर्फ एक एथलीट के रूप में नहीं, बल्कि एक महिला के रूप में यह पत्र लिख रही हूं। जो सालों से देश की उम्मीदें बॉक्सिंग रिंग में लेकर चलती रही है।

लवलीना ने आगे लिखा- 8 जुलाई को बीएफआई और टॉप्स की मीटिंग में कर्नल मलिक ने मुझसे चिल्लाते हुए कहा- चुप रहो, सिर नीचे रखो और जो कहा जा रहा है वो करो। उनका यह व्यवहार न केवल अपमानजनक था बल्कि महिलाओं के प्रति भेदभाव और ताकत दिखाने जैसा था।

लवलीना को 2020 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वे ये पुरस्कार पाने वाली असम की छठवीं प्लेयर हैं।

विवाद बढ़ने के बाद कर्नल अरुण मलिक ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा- मुझे बदनाम किया जा रहा है। अरुण ने बताया कि मीटिंग में लवलीना ने 2 डिमांड की थी।

हंगरी में वर्ल्ड चैंपियनशिप की ट्रेनिंग वह हंगरी में वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में जाकर ट्रेनिंग करना चाहती थी। उस समय वर्ल्ड चैंपियनशिप की टीम का ऐलान नहीं हुआ था। इस पर मैंने कहा था- टीम घोषित होने के बाद इस पर आगे की प्रक्रिया शुरू हो सकेगी। इसमें दिक्कत यह है कि आयोजन कमेटी (ब्रिटेन बॉक्सिंग एसोसिएशन) ने वीजा के लिए 20 वर्किंग दिन चाहिए। वहां के वीजा के लिए पासपोर्ट जमा करना होगा। अगर हंगरी के लिए करते हैं, तो फिर ब्रिटेन के वीजा के लिए दिक्कत आ जा सकती है।

हंगरी में पर्सनल कोच ले जाना चाहती थी लवलीना ने हंगरी में पर्सनल कोच और फीजियो को ले जाने की बात कही थी। जूम कॉल में उनकी पर्सनल कोच भी जुड़ी थी। हमने उनको बताया कि सरकार और बीएफआई के नियमानुसार बॉक्सिंग में पर्सनल कोच अलाउ नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री फडणवीस और एकनाथ शिंदे के बीच सब ठीक नहीं?

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में सीएम देवेंद्र फडणवीस ने एकनाथ शिंदे के आदेश को पलट दिया है जिसके बाद उनके बीच मतभेदों को और हवा मिल गई है। यहां मुख्यमंत्री फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक ही पद पर नियुक्ति को लेकर अलग-अलग आदेश जारी कर दिए। इसके बाद एक ही पद पर दो अलग-अलग उम्मीदवारों की नियुक्ति को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई। जानकारी के मुताबिक शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शहरी विकास विभाग ने अश्विनी जोशी को बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति और परिवहन प्रशासन के महाप्रबंधक का अतिरिक्त प्रभार सौंपने का आदेश जारी किया था। हालांकि इसके ठीक बाद मुख्यमंत्री फडणवीस के ऑफिस ने भी एक आदेश जारी कर शिंदे के आदेश को पलट दिया और उस पद पर आशीष शर्मा को नियुक्त कर दिया। इससे पहले हाल ही में इस पद को संभाल रहे महाप्रबंधक एसवीआर श्रीनिवास रिटायर हो गए थे। राज्य सरकार को अगले जनरल मैनेजर के पद के लिए अधिकारी की नियुक्ति करनी थी, जिसके बाद शिंदे और फडणवीस ने दो-दो अधिकारियों को एक ही पद दे दिया। विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सरकार पर निशाना साधने से नहीं चुकी। एनसीपी (शरद पवार) के विधायक रोहित पवार ने सोशल मीडिया पर कहा, महायुति सरकार का 'सर्वश्रेष्ठ समन्वय'। इस बीच इंडिया टुडे ने बताया कि इस मामले पर फडणवीस से प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की गई तो उन्होंने जवाब दिया है कि उन्हें इस विषय की कोई जानकारी नहीं है। गौरतलब है कि देवेंद्र फडणवीस के सीएम पद की शपथ लेने के बाद से ही उनके और एकनाथ शिंदे के बीच अनबन की अफवाहें चल रही हैं। इससे पहले बीते फरवरी में भी फडणवीस ने शिंदे के कुछ फैसलों को पलट दिया था जिसके बाद अफवाहों को और बल मिला था।

छत्तीसगढ़ में जमीन के नीचे मिला बड़ा खजाना

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में जमीन के नीचे भारी मात्रा में खजाना की खोज हुई है। 'मेसर्स डेक्कन गोल्ड माइनिंग लिमिटेड' ने हाल ही में राज्य के ज्वाइंट लाइसेंस एरिया में तीन कीमती खनिजों की खोज की है। इन खनिजों के नाम निकल, क्रोमियम और प्लेटिनम हैं। अधिकारियों के मुताबिक ये खोज महासमुंद जिले के भालुकोना-जामनीडीह निकल, क्रोमियम और पीजीई ब्लॉक में हुई है। ये इलाका लगभग तीन हजार हेक्टेयर में फैला हुआ है। इस इलाके की शुरूआती खोजबीन भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा जी 4 स्तर पर की गई थी। इसके बाद ये संभावना दिखाई पड़ी थी कि यहां इन खनिजों की मौजूदगी हो सकती है। इस आधार पर, छत्तीसगढ़ शासन के खनिज साधन विभाग के तहत आने वाले भूविज्ञान एवं खनिकर्म संचालनालय (डीजीएम) ने आगे का काम किया। डीजीएम ने बड़े पैमाने पर भू-वैज्ञानिक आंकड़ों को जुटाया और फिर ब्लॉक की ई-नीलामी प्रक्रिया पूरी कराई। अधिकारियों ने बताया कि छह मार्च 2023 को ब्लॉक की सफलतापूर्वक नीलामी हो गई। इसमें डीजीएमएल ने 21 फीसदी सबसे ऊंची बोली लगाकर इसे हासिल किया। इसके बाद डीजीएम छत्तीसगढ़ द्वारा खोजबीन कार्यों को तेजी से करने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग प्रदान किया गया। खनिज तत्वों की खोज की इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रसन्नता जाहिर की है। उन्होंने खुश होते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक खोज राज्य और देश के लिए बेहद जरूरी खनिज संसाधनों को सुरक्षित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। उन्होंने कहा, यह 'आत्मनिर्भर भारत' मिशन की भावना को सशक्त करती है और रणनीतिक क्षेत्रों में सतत एवं आत्मनिर्भर विकास को प्रोत्साहित करती है। छत्तीसगढ़ शासन वैज्ञानिक एवं विस्तृत खनिज अन्वेषण तथा विकास को पूर्ण समर्थन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

राजस्थान में एक बंदूकधारी ने खुलेआम घूम-घूमकर 25 कुत्तों को मारी गोली

झुंझुनू, एजेंसी। राजस्थान के झुंझुनूं जिले से एक ऐसी खौफनाक वारदात सामने आई है जिसने इंसानियत को झकझोर कर रख दिया है। नवलगढ़ क्षेत्र के कुमावास गांव में एक बंदूकधारी दरिंदा पिछले दो दिन से खुलेआम घूम-घूमकर कुत्तों को गोली मार रहा है। 2 और 3 अगस्त की रातें इस गांव के लिए किसी काले साए से कम नहीं थीं। गांव की गलियों में खून बहता रहा और जानवर एक-एक कर दम तोड़ते रहे।

ये कोई एक-दो जानवरों की हत्या नहीं है–पूरा मामला 25 से ज्यादा बेजुबानों की निर्मम हत्या से जुड़ा है। जैसे ही कुत्ता नजर आया, बदमाश ने बिना कुछ सोचे फायरिंग शुरू कर दी। सनसनी तब फैली जब इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे एक व्यक्ति हथियार लेकर घूम रहा है और कुत्तों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर रहा है।

वीडियो के वायरल होते ही पुलिस हरकत में आई और हेड कॉन्स्टेबल शुभकरण को तत्काल जांच के लिए मौके पर भेजा गया। गांव पहुंचने पर दृश्य और भी भयानक निकले। जगह-जगह खून से सने कुत्तों के शव पड़े मिले। कुछ अभी भी तड़प रहे थे। पुलिस जांच में सामने आया कि इस खूनी खेल का मास्टरमाइंड कोई और नहीं, बल्कि डुमरा गांव का रहने वाला श्योचंद बावरिया है। उसने ही अपनी बंदूक से कुत्तों की जान ली। उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और गिरफ्तारी की

तैयारी चल रही है। इधर गांव में तनाव है, आक्रोश है और डर भी। लोगों का कहना है कि इस तरह की बेरहमी उन्होंने पहले कभी नहीं देखी। बच्चों और बुजुर्गों में डर का माहौल है–आज कुत्ते मरे हैं, कल किसी इंसान को गोली मार दी गई तो?

गांव की पूर्व सरपंच सरोज झांझड़िया ने इस पर मोर्चा संभाल लिया है। उन्होंने एसपी से मुलाकात कर पूरे मामले की शिकायत की और बताया कि आरोपी श्योचंद ने जानबूझकर ये हत्याएं की हैं। उसका दावा कि कुत्तों ने उसकी बकरियों को मारा था–बिलकुल झूठा है। न तो किसी की बकरी मरी और न ही किसी पर कुत्तों ने हमला किया।

पूर्व सरपंच का यह भी कहना है कि आरोपी और उसके कुछ साथी एक साजिश के तहत यह सब कर रहे हैं। उन्होंने शक जताया कि यह गैंग करीब 5 महीने पहले भी गांव में आया था और अब दोबारा आकर खौफ फैलाने की कोशिश कर रहा है। उनका मकसद है–पहले जानवरों को मारो, फिर झूठा बहाना बनाकर मुआवजा मांगो।

इस पूरी वारदात ने न सिर्फ झुंझुनूं बल्कि पूरे राजस्थान को हिला कर रख दिया है। जानवरों की इतनी निर्मम हत्या, वह भी खुलेआम–कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर रही है। लोग पूछ रहे हैं–अगर अब भी गिरफ्तारी नहीं हुई, तो अगला निशाना कौन होगा?

पुलिस कह रही है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा, लेकिन गांव वालों की बेचैनी बढ़ती जा रही है। जब तक श्योचंद सलाखों के पीछे नहीं पहुंचता, कुमावास की रातें चैन से नहीं कटेंगी। अब देखना ये है कि क्या प्रशासन इस खूनी शिकारी को पकड़ पाएगा या फिर एक और वीडियो का इंतजार किया जाएगा?

बेटी ने देख लिया मम्मी का गंदा वीडियो तो हो गया पापा का मर्डर, सोनी बड़ी शातिर निकली

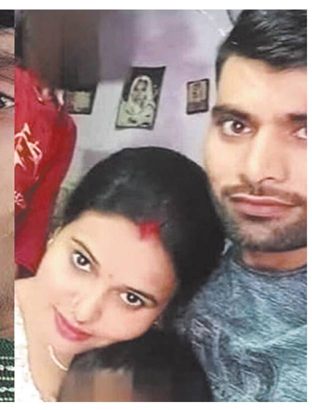

गुरुग्राम, एजेंसी। 10 साल की बेटी मां के फोन में कुछ देख रही थी कि अचानक उसने गैलरी को टच कर दिया और नजर इसमें पड़े कुछ गंदे वीडियो पर पड़ गई। इसके बाद जो कुछ हुआ उसे जानकर आप उतने ही चौंक जाएंगे जितनी हैरान गुरुग्राम की पुलिस हुई। फोन की गैलरी से खुले राज को दबाने के लिए उस बच्ची की मां ने पहले अपने पति को मरवा डाला और फिर उस प्रेमी की गर्दन फंसवाने की कोशिश की जिसके हाथों उसने अपने सुहाग को खत्म करा दिया था। लेकिन कुछ गलतियों की वजह से वह पकड़ी गई और अब सलाखों के पीछे है।

हरियाणा के गुरुग्राम में पुलिस ने महिला समेत पांच लोगों को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक पत्नी की साजिश का शिकार होकर मारे गए शख्स का नाम विक्रम है जिसकी उम्र 37 साल थी और वह मूल रूप से बिहार के नवादा का रहने वाला था। विक्रम अपनी पत्नी सोनी (35) और दो बच्चों के साथ गुरुग्राम के उद्योग विहार में रहता था।

28 जुलाई को सोनी देवी गुरुग्राम पुलिस के पास पहुंची और पति के गुमशुदा होने की जानकारी दी। तीन दिन बाद 31 जुलाई को वह दोबारा थाने पहुंची और रविंद्र (34) नाम के एक पड़ोसी के खिलाफ शिकायत देते हुए रेप का आरोप लगाया। सोनी ने पुलिस को बताया कि मार्च 2024 में जब उसके पति काम से बाहर गए थे तो रविंद्र ने उसके साथ रेप किया और पति को मारने की धमकी भी देता था। सोनी ने दावा किया कि रविंद्र ने वीडियो बना लिया था और धमकी दिया करता था कि किसी को बताया तो सार्वजनिक कर देगा। रविंद्र की गिरफ्तारी के बाद घूमी कहानी इसके बाद पुलिस ने रविंद्र को गिरफ्तार कर लिया तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि दीपक की वह हत्या कर चुका है। इस दौरान उसने यह भी खुलासा किया कि सोनी ने ही उसे वारदात को अंजाम देने को कहा था। उसने बताया कि सोनी के साथ उसका लंबे समय से संबंध था। अब उसकी बेटी ने फोन में वीडियो और तस्वीरें देख लीं और पिता को बताया तो सोनी ने विक्रम की हत्या की साजिश रची। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोनी देवी और रविंद्र के बीच करीब एक साल से अफेयर था। विक्रम जब ऑफिस जाता था। तो रविंद्र घर आ जाता था। दोनों संबंध बनाते हुए अक्सर वीडियो भी रिकॉर्ड कर लेते थे। अब यही वीडियो बेटी ने देख लिया था। लेकिन इससे पहले की विक्रम कुछ कर पाता पत्नी ने उसे ठिकाने लगाने का फैसला कर लिया। रविंद्र और सोनी देवी ने इंटरनेट और यूट्यूब पर हत्या और शव को ठिकाने लगाने के कई तरीके भी सर्च किए थे।

किस तरह विक्रम की हत्या को दिया अंजाम: 26 जुलाई को जब विक्रम ऑफिस से घर जा रहा था तो रास्ते में रविंद्र और उसके कुछ साथियों ने उसे कार में खींच लिया। आरोप है कि उन्होंने विक्रम का गला घोंटकर मार डाला और उसके शव को मोहम्मदपुर झारसा गांव के पास दफना दिया। एक अधिकारी के मुताबिक रविंद्र ने अपने चाचा संतरपाल के साथ मिलकर लाश को ठिकाने लगाया जो मोहम्मदपुर झारसा गांव में डेयरी चलाते हैं। पुलिस के जुर्म कबूल करने के बाद विक्रम का शव बरामद किया गया।

खुद की गर्दन बचाने की कोशिश में प्रेमी पर ठीकरा फोड़ने की कोशिश: जांच में पता चला कि हत्या और शव को ठिकाने लगाए जाने के दौरान सोनी देवी लगातार रविंद्र के साथ फोन पर संपर्क में थी। पुलिस को गुमराह करने के लिए उसने पहले 28 जून को पति की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई जबकि उसे पता था कि 26 को ही पति की हत्या की जा चुकी है।

हाईवे की हालत खराब, फिर किस बात का 'टोल टैक्स'?

केरल हाईकोर्ट ने एनएचएआई को फटकारा

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल हाईकोर्ट ने बुधवार को नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) को कड़ी फटकार लगाते हुए एक नेशनल हाईवे पर चार हफ्तों के लिए टोल टैक्स वसूलने पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने एडापल्ली से मन्नुथी जाने वाले नेशनल हाईवे-544 की खराब हालत के बाद भी वसूले जा रहे टोल टैक्स को लेकर दायर याचिकाओं की सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया। कोर्ट के मुताबिक जब पूरे रोड की हालत खराब है और व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है तो फिर वह जनता से किस बात का टोल वसूल कर रहे हैं।

जस्टिस ए. मुहम्मद मुस्ताक और जस्टिस हरिशंकर वी. मेनन की बेंच ने इस मामले में एनएचएआई को भी जमकर लताड़ लगाई। कोर्ट ने कहा कि एनएचएआई और उसके एजेंट्स की यह जिम्मेदारी है कि वह जनता के लिए सुरक्षित और आसान जगह बनाएँ। अगर किसी कारण से यह संभव नहीं है, तो फिर टोल

टैक्स वसूलना कानूनी रूप से गलत है। कोर्ट ने कहा कि जनता और सरकार के बीच में एक भरोसे का रिश्ता होता है, जब सरकार उस भरोसे पर खरा नहीं उतर पा रही है तो वह जनता के ऊपर जबरदस्ती टैक्स नहीं थोप सकती।

इतना ही नहीं कोर्ट ने साफ तौर पर कहा कि कोई भी कॉन्ट्रैक्ट या समझौता आम जनता के हितों से ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं हो सकता है। अगर सड़कें इस्तेमाल लायक नहीं है, तो केवल समझौते या कॉन्ट्रेक्ट का बहाना देकर टोल वसूल करना पूरी तरह से गलत है। इसके साथ ही कोर्ट ने चार हफ्तों के लिए टोल वसूलने पर पाबंदी लगा दी और केंद्र सरकार को निर्देश देते हुए कहा कि उन्हें जनता की शिकायतों को सुनते हुए इसका समाधान निकालना होगा। गौरतलब है कि यह स्थानीय लोगों ने काफी पहले से कोर्ट में इस हाईवे की खराब हालत और यहां वसूले जाने वाले टोल के ऊपर याचिका दर्ज की थी। कोर्ट ने शुरुआती तौर पर इस मामले में सुनवाई करते हुए एनएचएआई को सलाह दी थी।

पत्नी ने कान में जहर देकर पति को मार डाला, हत्या का तरीका यूट्यूब से सीखा

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के करिमनगर में एक दिल दहला देने वाला हत्याकांड सामने आया है। एक महिला ने अपने प्रेमी और उसके दोस्त के साथ मिलकर अपने पति की निर्मम हत्या कर दी। इस हत्या की साजिश इतनी ठंडे दिमाग से रची गई थी कि महिला ने इसे अंजाम देने के लिए यूट्यूब का सहारा लिया। मृतक की पहचान संपथ के रूप में हुई है, जो एक पुस्तकालय में सफाईकर्मी था। वह शराब पीने का आदी था और अक्सर नशे की हालत में पत्नी रामादेवी से झगड़ा करता था। परिवार में दो बच्चे हैं, जिनका भरण-पोषण रामादेवी अपने नाश्ते की दुकान से करती थी। नाश्ते की दुकान पर ही रामादेवी की मुलाकात 50 साल के करे राजय्या से हुई। बाद में दोनों के अवैध संबंध बन गए। पुलिस जांच में सामने आया कि रामादेवी ने अपने पति से छुटकारा पाने की ठान ली थी। इसके लिए उसने यूट्यूब पर खोजबीन कर एक वीडियो देखा जिसमें कीटनाशक को किसी के कान में डालकर हत्या करने का तरीका बताया गया था।

अमेरिका के मिलिट्री बेस पर अचानक हो गया सबसे बड़ा हमला, मचा हड़कंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठान पर हिंसा की इस नवीनतम घटना ने अपनी दीवारों के भीतर सुरक्षा को लेकर फिर से चिंताएं पैदा कर दी हैं। सेना ने कहा कि वह गोलीबारी की जाँच कर रही है। अभी भी कई अनुत्तरित प्रश्न हैं, जिनमें चोटों की गंभीरता और गोलीबारी करने वाले का मकसद शामिल है।

अमेरिका के जॉर्जिया में सैन्य बेस पर एक बड़ा हमला हुआ है। फायरिंग में कई सैनिकों को गोली लगी है। एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। जॉर्जिया स्थित फोर्ट स्टीवर्ट आर्मी बेस पर गोलीबारी में 5 सैनिक घायल हो गए। सेना के इस बड़े बेस पर एक सक्रिय शूटर की सूचना के बाद इलाके को पूरी तरह लॉकडाउन कर दिया गया है। बेस प्रशासन ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि घटना फोर्ट स्टीवर्ट के

सेकंड आर्मर्ड ब्रिगेड कॉम्बैट टीम क्षेत्र में हुई। सभी कर्मचारियों और सैन्यकर्मियों को खिड़की-दरवाजे बंद कर सुरक्षित रहने के निर्देश दिए गए हैं। इस लॉकडाउन के चलते बेस के सभी गेट बंद कर दिए गए हैं। फोर्ट स्टीवर्ट अमेरिका के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित है और मिसिसिपी नदी के पूर्व का सबसे बड़ा सैन्य अड्डा माना जाता है। यहां हजारों सैनिक और उनके परिवार रहते हैं। तीन प्राइमरी स्कूलों को भी बंद कर दिया गया है, जिनमें लगभग 1,400 छात्र पढ़ते हैं।

अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठान पर हिंसा की इस नवीनतम घटना ने अपनी दीवारों के भीतर सुरक्षा को लेकर फिर से चिंताएं पैदा कर दी हैं। सेना ने कहा कि वह गोलीबारी की जाँच कर रही है। अभी भी कई अनुत्तरित प्रश्न हैं, जिनमें चोटों की गंभीरता और गोलीबारी करने वाले का मकसद शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया और तीन की सर्जरी की गई। सार्वजनिक रिकॉर्ड में रैडफोर्ड के लिए दर्ज किए गए फ़ोन नंबर पर घंटी नहीं बज रही थी। एसोसिएटेड प्रेस को जारी किए गए सेना के रिकॉर्ड बताते हैं कि रैडफोर्ड जनवरी 2018 में सेना में भर्ती हुआ था। वह सप्लाई सार्जेंट के पद पर कार्यरत था और उसे अभी तक तैनात नहीं किया गया है। एक प्रशस्ति पत्र और अदालती दस्तावेज़ के अनुसार, रैडफोर्ड पर 18 मई को रात 1 बजे के बाद नशे में गाड़ी चलाने और लाल बत्ती तोड़ने के आरोपों में बेस के पास एक छोटे से कस्बे, हिंसविले में 20 अगस्त को सुनवाई हुई। दस्तावेज़ों के अनुसार, उसका रक्त परीक्षण कराया गया और उसे 1,818 डॉलर के मुचलके पर रिहा कर दिया गया। वकील स्नेह पटेल बुधवार तक रैडफोर्ड का प्रतिनिधित्व यातायात मामले में कर रहे हैं, लेकिन गोलीबारी के मामले में नहीं, उन्होंने एक ईमेल में बताया। उन्होंने रैडफोर्ड के साथ अपनी किसी भी बातचीत पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए वकील-मुवक्किल विशेषाधिकार का हवाला दिया। फोर्ट स्टीवर्ट मिलिट्री बेस अमेरिका का एक प्रमुख सैन्य अड्डा है, जो जॉर्जिया राज्य के हाइन्सविल और सवाना के पास है। यह इसकी स्थापना 1940 में सेकेंड वर्ल्ड वॉर के दौरान हुई थी। इसे शुरू में कैंप स्टीवर्ट कहा जाता था। बाद में एक अमेरिकी वॉर हीरो डैनियल स्टीवर्ट के नाम पर इसे फोर्ट स्टीवर्ट नाम दिया गया। यहां सैनिकों को मिलिट्री ट्रेनिंग दी जाती है। इसकी थर्ड इन्फैंट्री डिवीजन ने 2003 में इराक पर हमले में खास रोल निभाया था।

जॉर्जिया के फोर्ट स्टीवर्ट सैन्य ठिकाने में सैनिक ने ही पांच साथियों को गोली मारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय समयानुसार बुधवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे पुलिस को सैन्य परिसर में भेजा गया। हमलावर को पूर्वाह्न करीब 11=35 बजे गिरफ्तार कर लिया गया।

अमेरिका के सबसे बड़े सैन्य ठिकानों में से एक जॉर्जिया राज्य स्थित फोर्ट स्टीवर्ट में बुधवार को सेना के एक सार्जेंट ने पांच सैनिकों को गोली मार दी और कुछ समय के लिए इस ठिकानें को बंद करना पड़ा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

एक अमेरिकी अधिकारी ने पहचान गुप्त रखते हुए 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया किसंदिग्ध हमलावर सेना में ही सार्जेंट है। सेना ने कहा कि वह गोलीबारी के मामले की जांच कर रही है। अब भी कई सवालों के जवाब नहीं मिले पाये हैं, जिनमें सैनिकों की हालत, उनकी चोटों की गंभीरता, हमलावर का नाम और संभावित मकसद शामिल हैं।

सैन्य ठिकाने के अधिकारियों ने फेसबुक पोस्ट में बताया कि घायलों का प्राथमिक उपचार करने के बाद विन्न आर्मी कम्युनिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रवक्ता ब्रायना गॉर्डन ने बताया कि कुछ घायलों को सवाना स्थित मेमोरियल हेल्थ यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर भी ले जाया गया है। यह अस्पताल तटीय जॉर्जिया का शीर्ष स्तरीय ट्रॉमा सेंटर है।

गॉर्डन ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि कितने लोगों को अस्पताल ले जाया जा रहा है या उनकी हालत क्या है।

नासा के दो मिशन को बंद कर रहा है ट्रंप प्रशासन

वाशिंगटन, एजेंसी। क्रिस्प के अनुसार, इन मिशनों की मदद से वैज्ञानिकों ने यह पता लगाया कि अमेजन वर्षावन जितना कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करता है, उससे अधिक उत्सर्जित करता है, जबकि कनाडा, रूस और उन क्षेत्रों (जहां बर्फ पिघल रही है) के बोरियल वन अधिक अवशोषण करते हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन अंतरिक्ष एजेंसी नासा के दो मिशन को बंद करने की दिशा में बढ़ रहा है जो ग्रीनहाउस गैस और पौधों की सेहत की निगरानी से जुड़े हैं। ट्रंप प्रशासन के इस कदम से वैज्ञानिकों, नीति-निर्माताओं और किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण डेटा स्रोत बंद हो सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के वित्त वर्ष 2026 के बजट प्रस्ताव में 'ऑर्बिटिंग कार्बन ऑब्जर्वेटरी' मिशनों के लिए कोई धनराशि शामिल नहीं है। ये मिशन सटीक रूप से दिखा सकते हैं कि कार्बन डाइऑक्साइड कहां उत्सर्जित और अवशोषित हो रहा है तथा फसलें कितनी अच्छी तरह से बढ़ रही हैं। नासा ने बुधवार को ईमेल पर भेजे एक बयान में कहा कि इन्हें ''राष्ट्रपति के एजेंडे और बजट प्राथमिकताओं के अनुरूप'' समाप्त किया जा रहा है। इस बीच, नासा के एक सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डेविड क्रिस्प ने कहा कि इन मिशनों में इस्तेमाल की गयी तकनीक अब भी दुनिया की किसी भी मौजूदा या प्रस्तावित प्रणाली की तुलना में अधिक संवेदनशील और सटीक है। ये एक ''राष्ट्रीय संपत्ति'' हैं जिन्हें बचाया जाना चाहिए।

क्रिस्प के अनुसार, इन मिशनों की मदद से वैज्ञानिकों ने यह पता लगाया कि अमेजन वर्षावन जितना कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करता है, उससे अधिक उत्सर्जित करता है, जबकि कनाडा, रूस और उन क्षेत्रों (जहां बर्फ पिघल रही है) के बोरियल वन अधिक अवशोषण करते हैं।

कश्मीर मुद्दा भारत-पाक के बीच तनाव का मुख्य कारणः प्रधानमंत्री शरीफ

इस्लामाबाद, एजेंसी। शहबाज ने कहा कि कश्मीर मुद्दा दोनों देशों के बीच तनाव का मुख्य कारण है। उन्होंने कहा, ''संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के अनुसार कश्मीरी लोगों की इच्छा और आकांक्षाएं ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता हैं।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को कहा कि कश्मीर मुद्दा भारत के साथ तनाव का मुख्य कारण है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने के नयी दिल्ली के फैसले की आलोचना की।

भारत सरकार ने पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था और पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया था। भारत इस कदम के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने के लिए पाकिस्तान इस दिन को 'यौम-ए-इस्तेहसाल' के रूप में मनाता रहा है। शहबाज ने कहा कि कश्मीर मुद्दा दोनों देशों के बीच तनाव का मुख्य कारण है। उन्होंने कहा, ''संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के अनुसार कश्मीरी लोगों की इच्छा और आकांक्षाएं ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129